एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा- भारत ने पाकिस्तान को चार दिन में धूल चटाई - 12

आरबीआई गर्वनर ने कहा-वित्तीय प्रद्योगिकी कंपनियां उपयोग में आसान सर्व सुलभ उत्पाद बनाएं - 12

ट्रंप ने दी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी - 13

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद - 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

20.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.09

सूर्यास्त 05.49

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष तृतीया 10:54 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 320, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कांग्रेस देश को बताए 26/11 हमले के बाद जवाबी सैन्य कार्रवाई से किसने रोका था

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के बाद आयोजित जनसभा में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री

● मोदी बोले- कांग्रेस की कमजोरी ने आतंकवादियों को मजबूत किया

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस को देश को बताना चाहिए कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत को जवाबी सैन्य कार्रवाई से किसने रोका था। मोदी ने कहा, एक कांग्रेस नेता, जो केंद्रीय गृह मंत्री भी रह चुके हैं, ने कहा है कि एक देश ने 2008 में 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत को जवाबी सैन्य कार्रवाई से रोका था। पार्टी को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री मुंबई के पास नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, कांग्रेस की इस कमजोरी ने आतंकवादियों को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत को जवाबी सैन्य कार्रवाई करने से किसने रोका था। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, हमारे लिए, हमारे देश और उसके नागरिकों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत को वैश्विक विमानन क्षेत्र का रखरखाव और मरम्मत का केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना की बदौलत पिछले एक दशक में लाखों लोगों ने पहली बार हवाई यात्रा की है और अपने सपने पूरे किए हैं। मोदी ने कहा कि 2014 में भारत में केवल 74 हवाई अड्डे थे, लेकिन अब 160 से ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का दृष्टिकोण 'गति और प्रगति' पर आधारित है।

19,650 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कुल 1,160 हेक्टेयर में फैला है। यह नया हवाई अड्डा भारत की विमानन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारी यातायात के बोझ को कम करेगा। औपचारिक उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित सुविधाओं का अवलोकन किया। यह भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया गया है और यह मुंबई महानगर क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। मोदी ने आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड तक फैली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के फेज 2बी का भी उद्घाटन किया, जिसका निर्माण 12,200 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। उन्होंने 37,270 करोड़ रुपये की मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) राष्ट्र को समर्पित की जो शहरी परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

डिजिटल क्षेत्र में भारत ने की बड़ी तरक्की एक जीबी डेटा एक कप चाय से सस्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मोबाइल से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक ढांचा, कारोबार सुगमता और अनुकूल नीतियों से भारत एक निवेश अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में हुई तरक्की का जिक्र करते हुए कहा कि देश में आज एक जीबी डेटा की लागत एक कप चाय से भी कम है। प्रधानमंत्री ने यहां इंडिया मोबाइल कांग्रेस के उद्घाटन के मौके पर अपने संबोधन में कहा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में हमारी सफलता इस बात का प्रमाण है कि सरकार सबसे पहले डिजिटल मानसिकता के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है। यह भारत में निवेश, नवोन्मेष और मेक इन इंडिया का सबसे अच्छा समय है। भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार, दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार है। भारत ने मेड इन इंडिया 4जी प्रौद्योगिकी का पूरा ढांचा पेश किया है। यह देश की बड़ी उपलब्धि है।

● प्रधानमंत्री बोले कभी 2जी के लिए जूझते थे, आज सभी जिलों में 5जी

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से मिलने वाले अवसर अद्वितीय : स्टार्मर

● मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारत पहुंचे, 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद

मुंबई, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बुधवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के तहत मिलने वाले अवसर अद्वितीय हैं। स्टार्मर प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा के तहत बुधवार को मुंबई पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह व्यापार समझौता 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने वाले भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक लॉन्चपैड है।

स्टार्मर ब्रिटेन के व्यापार जगत के शीर्ष नेताओं, उद्यमियों और विश्वविद्यालय के कुलपतियों समेत 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आज यानी बुधवार सुबह दो दिवसीय यात्रा पर मुंबई पहुंचे। स्टार्मर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए गुरुवार को व्यापक वार्ता करेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, हमने जुलाई में भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता किया था-जो किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे अच्छा समझौता है लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा, यह केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं है, यह विकास का एक लॉन्चपैड है। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है।

स्टार्मर की भारत यात्रा ऐतिहासिक : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष केअर स्टार्मर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी भारत यात्रा को ऐतिहासिक बताया। मोदी ने एक्स पर कहा, ब्रिटेन से अब तक के सबसे बड़े व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पहली यात्रा पर प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर आपका स्वागत है।

ब्रीफ न्यूज

सांड के पटरी पर आने से मालगाड़ी के 38 डिब्बे ट्रैक से उतरे

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में मंगलवार रात एक मालगाड़ी के 38 डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारियों के के अनुसार एक सांड (नंदी) के अचानक पटरी पर आने के कारण यह हादसा हुआ। मालगाड़ी फुलेरा से रेवाड़ी जा रही थी। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक अधिकारी ने कहा, 38 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से 16 खाली थे और 22 चावल की बोरियों से भरे हुए थे। एक सांड के अचानक पटरी पर आ जाने के कारण मालगाड़ी पटरी से उतर गई। क्षतिग्रस्त रेल पटरियों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है।

पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 6 लोगों की मौत

आंध्र प्रदेश। डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में बुधवार को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। पुलिस को संदेह है कि दोपहर करीब एक बजे हुई यह घटना पटाखा निर्माण फैक्टरी में लापरवाही के कारण हुई। डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल मीणा ने कहा कि यह लाइसेंस प्राप्त पटाखा फैक्टरी है। कंपनी श्री गणपति ग्रैंड फायर वर्क्स का दावा है कि वह 1932 से पटाखों के कारोबार में है। मीणा ने बताया, छह शव मिले हैं। हम शवों के संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं।

अयोध्या भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक : सीतारमण

● केंद्रीय वित्त मंत्री व मुख्यमंत्री योगी ने किया दक्षिण के तीन संतों की मूर्तियों का अनावरण

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का एक और माइल स्टोन बुधवार को अयोध्या में पुनर्प्रतिष्ठित किया गया। यह काम केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक साथ मिलकर किया। दोनों नेताओं ने दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर अनावरण समारोह की शुरुआत की।

अयोध्या में दक्षिण भारत के तुलसी कहे जाने वाले महान संत व संगीतज्ञ त्यागराज, पुरंदरदास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों का अनावरण करके सांस्कृतिक एकता का नया अध्याय लिखा। अनावरण सुंदरीकृत बृहस्पतिकुंड में किया गया। इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। उन्होंने तीनों संतों के सामाजिक योगदान को नमन किया। कहा कि संत त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और भक्ति परंपरा को विश्व पटल पर स्थापित किया। उनके काव्य और रचनाओं ने समाज को प्रेम, भक्ति और एकता के सूत्र में पिरोया। कहा कि अयोध्या और कर्नाटक के सांस्कृतिक संबंध सदियों पुराने हैं। आज इन संतों की मूर्तियों के अनावरण के माध्यम से भारत की उत्तर-दक्षिण परंपरा एक सूत्र में बंधी है। निर्मला सीतारमन अपने माता-पिता के साथ बुधवार देर शाम सरयू तट पर मां सरयू की भव्य आरती में शामिल हुईं।

राम जन्मभूमि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शाल देकर अभिवादन करते सीएम योगी।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की केंद्रस्थली बन रही अयोध्या

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम की नगरी अयोध्या अब केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण की केंद्रस्थली बन रही है। कहा कि निर्मला सीतारमण का यह दौरा भारत की सांस्कृतिक एकता और समरसता का सशक्त प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर अनावरण समारोह की शुरुआत की। इस दौरान मंत्री सीतारमण के माता-पिता भी मौजूद रहे, जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। मूर्तियों के अनावरण के श्री राम मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दक्षिण भारत के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अखिलेश ने आजम से मिटाए गिले शिकवे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : आजम खां के जेल जाने और निकलने के बाद भी तमाम तरह के सियासी कयासों पर बुधवार को फिलहाल विराम लग गया। करीब तीन साल बाद सपा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उनसे मिलने रामपुर पहुंचे।

दोनों ने अकेले में करीब डेढ़ घंटे बातचीत की। बाद में पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां समाजवादी पार्टी के दरख्त हैं। इनकी जड़ें बहुत गहरी हैं। भाजपा आजम खां और उनके परिवार पर मुकदमों का विश्व रिकार्ड बनाना चाहती है। यह बड़ी लड़ाई है और सब मिल जुलकर लड़ेंगे। बुधवार को जौहर यूनिवर्सिटी में हेलिकाप्टर से उतरे अखिलेश यादव का इस्तकबाल करने आजम खां खुद पहुंचे। इसके बाद एक ही कार में दोनों घर पहुंचे। एक-दूसरे का हाथ पकड़े घर में दाखिल हुए। करीब डेढ़ घंटा बातचीत करने के बाद घर से निकले अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि वह आजम खां का हालचाल लेने आए हैं। कहा कि वह बहुत पुराने नेता हैं, पुराने लोगों की बात ही कुछ और है। आजम खां का स्वास्थ्य अच्छा हो और उन्हें न्याय मिले। देश के राजनीतिक इतिहास में भारतीय जनता पार्टी कौन सा वर्ल्ड रिकार्ड बनाना चाहती है। आजम खां, उनकी पत्नी, बेटा अब्दुल्ला सभी पर सरकार ने झूठे मुकदमे लगाए हैं। इतनी परेशानी किसी को नहीं पहुंचाई गई होगी, जितनी आजम खां के परिवार को पहुंचाई गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजम खां का हालचाल लेने आए थे क्योंकि वह जेल नहीं जा सके थे। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अकेले मिलने आया हूं।

● रामपुर पहुंचे सपा मुखिया ने आजम खां से अकेले में की डेढ़ घंटे तक बातचीत

● बोले, आजम सपा के वट वृक्ष हैं इनकी जड़ें गहरी

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में उनके चचेरे भाई एवं असम के डीएसपी गिरफ्तार

गुवाहाटी। गायक जुबीन गर्ग की पिछले महीने सिंगापुर में मौत के मामले में उनके चचेरे भाई और असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और उनके बैंड के दो सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया, हमने संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है। अब हम आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं कर रहे हैं। सिंगापुर में गायक की मौत के मामले में पकड़े गए पुलिस अधिकारी से पिछले कुछ दिनों में कई बार पूछताछ की गई है।

बिहार से संबंधित नीतिगत निर्णयों के लिए केंद्र पर भी आचार संहिता लागू

● निर्वाचन आयोग ने आदेश किए जारी कहा- नागरिकों की निजता का सम्मान किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि बिहार से संबंधित घोषणाओं और नीतिगत निर्णयों के संबंध में आदर्श आचार संहिता के प्रावधान केंद्र सरकार पर भी लागू होते हैं। निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा सोमवार को बिहार विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद चुनाव आचार संहिता लागू हो गई।

राज्य में मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। आयोग ने कहा, बिहार के लिए घोषणाओं/नीतिगत निर्णयों के संबंध में आदर्श आचार संहिता केंद्र सरकार पर भी लागू होगी। आयोग ने यह भी कहा कि नागरिकों की निजता का सम्मान किया जाना चाहिए और निजी आवासों के बाहर कोई प्रदर्शन या भीड़ जमा नहीं होनी चाहिए। इसमें कहा गया है, भूमि, भवन या दीवारों का उपयोग मालिक की सहमति के बिना झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने के लिए नहीं किया जाएगा। आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव को सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को विरूपित करने वाली सामग्री हटाने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सरकारी वाहन या सरकारी आवास का दुरुपयोग और सरकारी खजाने से विज्ञापन जारी करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

घर के बाहर खेल रही बच्ची को उठा ले गया तेंदुआ, मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● गांव से एक किमी दूर मिला शव

अमृत विचार: शारदानगर वन रेंज के तहत सदर कोतवाली के गांव खंभारखेड़ा में मंगलवार की देर शाम घर के बाहर खेल रही आठ साल की बच्ची को तेंदुए ने दबोच लिया और ले जाने लगा।

यह देख ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर करीब एक किलोमीटर दूर तक तेंदुए का पीछा किया और शोर शराबा करते रहे। तेंदुआ आखिर बच्ची को गन्ने के खेत में छोड़कर भाग निकला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। गांव खंभारखेड़ा निवासी गुड्डू की पुत्री अनाया (8) मंगलवार की देर शाम घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान गन्ने के खेत से निकलकर तेंदुआ वहां पहुंच गया। उसने बच्ची की गर्दन दबोच ली और उसे खेत की तरफ लेकर जाने लगा। बच्ची की चीख सुनकर लोग दौड़े। तेंदुआ देख लाठी-डंडा लेकर उसका करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया। तब जाकर अनाया एक गन्ने के खेत में लहूलुहान हालत में मिली। परिजन उसे आनन फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीख

बलिया के बाद वाराणसी में भी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों को लेकर दिखायी सहानुभूति

सतर्क रहें बेटियां, हर जगह नजर गड़ाए बैठे हैं काले कौवे

● दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा- लिव इन रिलेशन में न जाएं बेटियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदी बेन पटेल इन दिनों जहां कुछ विश्वविद्यालयों और वहां के शिक्षकों की कार्यशैली पर तीखी टिप्पणी कर रहीं हैं। वहीं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ खासकर बालिकाओं को भी सतर्क, सचेत कर रहीं हैं।

उन्होंने बेटियों से लिव इन रिलेशन में न जाने का आह्वान कर कहा कि हर जगह बेटियों पर काले कौवे निगाह लगाए बैठे हैं, सतर्क रहें। बुधवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के 47वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने लड़कियों और महिलाओं पर हो रही हिंसा एवं अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बेटियों को अपने निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेटियां लिव-इन-रिलेशनशिप जैसी परिस्थितियों से दूर रहें और समाज में ऐसे तत्वों से सतर्क रहें जो उनका शोषण कर सकते हैं। इससे पहले राज्यपाल ने बीती 7 अक्टूबर को जौनपुर के पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में भी यूनिवर्सिटी कैंपस में शराब की बोतलें मिलने के मामले में कड़ी फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि क्या यही आपकी स्थिति है विदेशी शराब की बोतलें मिल रही हैं, ड्रग्स ऑर्डर किया जाता है। जबकि मंगलवार को ही बलिया में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में भी राज्यपाल ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और लिव इन रिलेशनशिप जैसी दुष्प्रवृत्ति पर चिंता जताई थी। कहा था कि लिव इन रिलेशनशिप से बचें, बाद में न मायके वाले पूछेंगे और न ससुराल वाले। आनंदीबेन पटेल ने तल्ख अंदाज में कहा कि लिव इन रिलेशन का परिणाम देखना है तो अनाथालय जाकर देखिए। 15-20 साल की बेटियां एक एक साल का बच्चा लेकर लाइन में खड़ी हैं।

हाजिरी 75 % से कम तो परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं

वाराणसी में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ होना जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, उसका सदुपयोग करें। विद्यार्थियों की कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, और 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कहा कि समय पर परीक्षा और समय पर परिणाम सुनिश्चित करना सभी के लिए आवश्यक है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन थर्ड जेंडर की शिक्षा के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आने वाले दिनों में काशी विद्यापीठ का ताइवान के साथ एमओयू होने वाला है। उन्होंने निर्देश दिया कि सप्ताह में कम से कम एक घंटा सफाई का संकल्प लें, ताकि स्वच्छता की आदत समाज में फैल सके।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

अवैध क्लिनिक किए गए सीज, हड़कंप

अमरिया, अमृत विचार : कस्बे में अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लिनिकों पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती की है। सीएचसी अधीक्षक डॉ .अनिकेत गंगवार ने टीम के साथ बुधवार को छापामारी की। इस दौरान तीन डेंटल क्लिनिक, एक लैब पर पहुंचे। वहां मौजूद जिम्मेदार अभिलेख नहीं दिखा सके। इस पर क्लीनिक को सीज किया गया है। नोटिस जारी कर अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। छापामार कार्रवाई से झोलाछापों में खलबली मची रही। कई अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए।

शहर व ग्रामीण अंचलों में कराई जाए सफाई

पीलीभीत, अमृत विचार : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कैफ रजा ने कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को ज्ञापन दिया। जिसमें बताया कि इन दिनों बुखार से कई क्षेत्रों में लोगों की मौत हो रही है। ऐसे में नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों में मच्छरों की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव कराने व सफाई दुरुस्त कराने की मांग की गई।

किशोरी को भगा ले गया युवक, रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के एक ग्रामीण ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया उसकी तेरह वर्षीय पुत्री को उधमसिंह नगर उत्तराखंड के वार्ड नंबर सात निवासी बंटी, अपनी बहन पूजा, मां सरोजवती देवी, पिता महावीर और बीसलपुर निवासी राजू की मदद से भगाकर ले गया है। काफी तलाशने के बाद भी उसकी पुत्री का पता नहीं चला। एक अन्य ग्रामीण ने तहरीर दी जिसमें चुर्रा गांव निवासी निशांत पर 17 वर्षीय पुत्री से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। पुलिस दोनों प्रकरणों की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर ही है।

मेले में आए जलजीरा दुकानदार की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार : रामलीला मेले में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब जलजीरा बेचने वाले रामसेवक (45) की मौत हो गई। मृतक कंजा नाथ पट्टी, थाना जहानाबाद, पीलीभीत का रहने वाला था और पिछले कई वर्षों से मेले में जलजीरा का ठेला लगाकर रोजी-रोटी कमा रहा था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा, लेकिन सोसाइटी की पहल पर मृतक के परिजनों को बुलाया गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव को अपने साथ ले गए। बताया गया मृतक की पत्नी बिहार में रह रही है और दंपती की कोई संतान नहीं है।

गांव में लगा गंदगी का अंबार, सफाई की मांग

नवाबगंज, अमृत विचार : बाढ़ बारिश के बाद गांव में नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सड़कों पर नालियों का पानी फैलने से मच्छर और मक्खियों की संख्या काफी बढ़ गई है। इस वजह से लोगों को संक्रामक रोगों के फैलने का डर सता रहा है। लोगों ने सफाई कराने की मांग की है।

रसिया खानपुर पहुंचे जिलाधिकारी, घरों में मिला डेंगू का लार्वा

एक ही गांव में 15 दिन में सात लोगों की मौत से हड़कंप, सर्विलांस टीम ने भी किया निरीक्षण, पानी भी दूषित, डेंगू के मच्छर की तैयार हो रही ब्रीडिंग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत/बीसलपुर

रसिया खानपुर में ग्रामीणों को दवा मुहैया कराते डॉक्टर ● अमृत विचार

रसिया खानपुर गांव में ग्रामीणों से जानकारी करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ● अमृत विचार

गांव में खाली पड़े प्लाट में लगा गदंगी का ढेर ● अमृत विचार

● स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को लिए 150 ग्रामीणों के सैंपल

रसिया खानपुर में लगातार टीमें लगी हुई है। घरों में डेंगू का लार्वा देखने को मिला। लोगों ने घरों में रखे पानी के टैंक को ढका हुआ नहीं है। जिसमें डेंगू की ब्रीडिंग तैयार हो गई है। टीमें एंटी लार्वा दवा का स्प्रे और छिड़काव कर रही है। साथ ही गांव में स्वास्थ्य कैंप भी लगाया जा रहा है।

– डॉ. आलोक कुमार सीएमओ

अमृत विचार : तहसील बीसलपुर के रसिया खानपुर गांव में बुखार का कहर जारी है। दस हजार की आबादी वाले इस गांव में प्रत्येक घर में एक दो लोग बुखार से पीड़ित हैं। बीते 15 दिनों में अब तक सात लोगों जान जा चुकी हैं। लगातार हो रही मौतों से खलबली मची है। कहर बढ़ा तो डीएम अमले के साथ गांव पहुंचे और सर्वे शुरु कराया। इस दौरान छतों पर रखे पानी के खुले टैंकों में डेंगू का लार्वा मिला, जो पूरे गांव में ब्रीड बना रहा है। जिससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। जबकि दूसरा कारण गांव में गदंगी निकलकर सामने आया है। इस पर डीएम ने फटकार लगाते हुए गांव में साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। इधर, स्वास्थ्य विभाग की टीमे गांव में फॉगिंग, एंटी लार्वा का दवा का छिड़काव भी करा रही है। ताकि ब्रीड को समाप्त किया जा सके।

बता दें रसिया खानपुर में 15 सितंबर के बाद से बुखार ने गांव में पैर पसराना शुरु कर दिए थे। धीरे-धीरे बुखार का प्रकोप इतना बढ़ गया कि लोगों की मौत होने लगी। 20 दिनों में इस गांव निवासी रामआसरे की पत्नी सुनीता देवी (42), गांव के नाजिम हुसैन के चाचा इजरातुल्ला चिश्ती (75) और शौकत हुसैन की बहन तसरुम (24)और सात दिन पहले जन्में एक नवजात की मौत हो गई थी। यह मौतें 19 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच हुई थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में कैंप लगाकर इलाज मुहैया कराना शुरु किया, लेकिन इसके बावजूद भी मंगलवार को सबरी बेगम (70) पत्नी नौशेर खान, रेहान (24) और सकीना (16) पुत्री अलियार खान की बुखार से मौत हो गई। इन मौतों की जानकारी मिलने के बाद टीम गांव पहुंची, तो टीम ने पड़ताल की, तो पता चला कि सबरी बेगम और सकीना बुखार से पीड़ित थी। उनको कई दिनों से बुखार आ रहा था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उन्होंने दवा नहीं मिली। मौत डेंगू से हुई या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। इसी तरह रेहान का बरेली एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसकी हिस्ट्री की तलाश की जा रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल गांव में डेंगू से सातों मौत होने का शोर है। आलम यह है कि करीब दो सौ से अधिक लोग बुखार से पीड़ित चल रहे हैं। लगातार हो रही मौतों को देखते हुए शासन तक खलबली मची है।

बुधवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह प्रशासनिक अमले के साथ गांव पहुंचे। पहले उन्होंने गांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पूरे गांव में गदंगी के ढेर लगे मिले। साथ ही जगह-जगह पानी का जमावड़ा लगा दिखा। इस पर उन्होंने बीडीओ की फटकार लगाते हुए 24 घंटे के भीतर सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मृतकों के परिवार वालों से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना। इस पर कई लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं पर सवाल खड़े कर दिए। ग्रामीणों के मुताबिक गांव में बना आरोग्य मंदिर नियमित खुलता ही नहीं। कभी एक घंटे खुलता तो कभी पूरे दिन बंद रहता है। ग्रामीणों को इलाज कहां मिले। इस पर डीएम ने फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मलेरिया की टीम ने घरों में जाकर सर्वे किया तो हर दूसरे घर में डेंगू का लार्वा देखने को मिला। जिसके पीछे का कारण छत पर रखे पानी के खुले टैंक थे। जिसमें भरे पानी में डेंगू का लार्वा देखने को मिला। मकान स्वामियों ने टैंक के ढक्कन नहीं लगा रखे थे। इसके अलावा गांव में गदंगी के ढेर में मलेरिया की ब्रीड तैयार होती मिली। इस पर निस्तारण करने के लिए टीमें लगाई गई है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जा रहा है। साथ स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जहां करीब 150 लोगों की जांचें करने के अलावा उन्हें दवा वितरण की गई।

सात लोगों की हालत गंभीर, बरेली में चल रहा इलाज

रसिया खानपुर गांव में बुखार से सात अन्य लोगों की हालत भी बिगड़ गई है। जिनको परिवार वालों ने बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गांव के शाहिद खां ने बताया कि उनका भतीजा यूनुस व उनकी पुत्री सना व भाई अनीश बुखार से पीड़ित है। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।जहां उनका इलाज चल रहा है। इमरान खान और पप्पू ने बताया कि उनका बेटा भी विजदान, भाई सलीम रजा व फाजल बुखार से पीड़ित है। जोकि बरेली में भर्ती है। इसके अलावा कई अन्य लोग बीसलपुर और अन्य जगह इलाज करा रहे हैं।

सरकारी में निगेटिव, प्राइवेट में मिल रही पॉजिटिव रिपोर्ट

रसिया खानपुर में भले ही बुखार से लगातार मौतें हो रही हो, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट गांव में डेंगू की रिपोर्ट निगेटिव बता रही है। मगर निजी अस्पतालों में होने वाली जांचों में अधिकतर मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। इस गांव के रहने वाले सफीक ने बताया गांव में लगे स्वास्थ्य शिविर में डेंगू बुखार की रिपोर्ट कराई थी। जो कि निगेटिव आई है। जबकि बरेली के अस्पताल में जांच करने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बरेली के प्राइवेट अस्पताल से इलाज चल रहा है। इसी तरह अन्य लोगों की रिपोर्ट भी निगेटिव दिखाई गई है।

सर्विलांस टीम भी सक्रिय, लिए सैंपल

मौतों के बाद बरेली से सर्विलांस टीम के प्रभारी डॉ . अखलेश्वर भी रसिया खानपुर पहुंचे। वहां की हकीकत परखने के लिए रैंडम सैंपलिंग भी की गई। जिन परिवार में मौतें हुई है ।उनके घरों में सर्वे किया गया। साथ ही सैंपल लिए गए। ताकि ब्रीडिंग की स्थिति का पता चल सके। इसके अलावा 16 सितंबर से सात अक्टूबर से तक लिए गए डेंगू के सैंपल छह सैंपल लिए गए थे। इनमें एनएस-1 से पांच पॉजिटिव मिले हैं। जबकि इनमें की आईजीएम रिपोर्ट में एक पॉजिटिव और दो की रिपोर्ट स्पष्ट नहीं है। जबकि दो निगेटिव पाए गए हैं। टीमें लगातार सैंपलिंग कर रही है।

बच्चे भी बीमार, स्कूल और खेल मैदान खाली

रसिया खानपुर गांव में डेंगू के बुखार के चलते गांव में सन्नाटा पसर रहा। ऐसे में ग्रामीण अपने बच्चों को घर से तक नहीं निकलने दे रहे हैं। आलम यह है कि गांव में बने कंपोजिट विद्यालय रसिया खानपुर में 359 बच्चे पंजीकृत हैं। बुधवार को एक भी छात्र स्कूल नहीं आया। प्रधानाचार्य आदिल ने बताया कि दो अक्टूबर से बच्चों की उपस्थिति आधी रह गई, जबकि सामान्य दिनों में करीब 70 प्रतिशत उपस्थिति रहती है। उन्होंने यह भी बताया कि अभिभावकों से बात करने पर बच्चों के बीमार होने का पता चला था। तो वहीं गांव में खाली पड़े मैदान भी खाली पड़े हैं।

सचिव को नोटिस, प्रधान पर कार्रवाई की संस्तुति

पीलीभीत, अमृत विचार : रसिया खानपुर में बुखार से हुई मौतों के बाद अब पंचायत विभाग भी एक्शन में आ गया है। अफसरों द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान गांव में साफ-सफाई न होने का मामला सामने आया है। बुधवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने भी गांव पहुंचकर स्थिति परखी। इस दौरान डीपीआरओ रोहित भारती भी पहुंचे। डीपीआरओ ने गांव में साफ-सफाई समेत अन्य अव्यवस्थाएं मिलने पर पंचायत सचिव जाकिर अली को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं ग्राम प्रधान राशिद अली के विरुद्ध भी कार्रवाई के लिए डीएम से संस्तुति की गई है। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि पंचायत राज विभाग के 60 सफाई कर्मचारियों के माध्यम से ग्राम पंचायत में नाली सफाई, झाड़ी कटाई एवं एंटी लार्वा, फॉगिंग आदि नियमित करवाई जा रही हैं। जेसीबी लगाकर भी गांव में साफ सफाई का कार्य कराया जा रहा है। लापरवाही पर संबंधित पंचायत सचिव को नोटिस जारी करने के साथ ही ग्राम प्रधान के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

वर-वधू को मिलेंगे बेहतरीन उपहार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● सामूहिक विवाह कार्यक्रम में ड्राई फ्रूट की टोकरी देकर की जाएगी विदाई

● जनपद में अगले माह आयोजित होगा सामूहिक विवाह समारोह

अमृत विचार: जनपद में अगले माह होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में वर-वधू और मेहमानों की खातिरदारी की खास व्यवस्था की जाएगी। वहीं इस बार नवयुगल जोड़ों को गुणवत्तापरक उपहार दिए जाएंगें। इन उपहारों की सप्लाई इस बार सीधे शासन द्वारा नामित एजेंसी द्वारा की जाएगी। इतना ही नहीं विदाई के समय वर-वधू को ड्राईफ्रूट की टोकरी भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में इस साल धनराशि दोगुनी करने के साथ ही दिए जाने वाले उपहार से लेकर भोजन और विदाई आदि की विशेष व्यवस्था शासन द्वारा तय की गई है। इस बार कन्या के परिवार की सालाना आमदनी भी बढ़ाकर तीन लाख की गई है। जिससे योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके। इधर जिला प्रशासन की ओर से जनपद में होने वाली सामूहिक विवाह समारोह की तिथि 12 नवंबर तय कर दी गई है। सामूहिक शादियों को लेकर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। जिला समाज समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई ने बताया कि अब तक करीब 1600 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक इस बार सामूहिक विवाह समारोह को लेकर शासन की ओर से विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने वाले जोड़ों को गुणवत्तापरक उपहार दिए जाएंगें। इसकी व्यवस्था भी शासन स्तर से की गई है। शासन द्वारा नामित एजेंसी ही सीधे इन उपहारों की सप्लाई करेगी। हालांकि पूर्व में जिलास्तर पर समिति गठित कर उपहार सामग्री क्रय की जाती थी। इसके साथ ही वर-वधू और उनके पक्ष के 10-10 व्यक्तियों के नाश्ते एवं भोजन की भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा विदाई के दौरान इस बार जोड़ों को ड्राई फ्रूट की टोकरी भी दी जाएगी।

25 हजार की होगी उपहार सामग्री

सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने वाले वर-वधु को उपहार स्वरूप 24 वस्तुएं दी जाएंगी। इनकी कीमत 25 हजार रुपये होगी। इसमें पांच साड़ी, कूकर, डिनर सेट, ट्राली बैग, चांदी की पायल, बिछिया, सीलिंग फैन, घड़ी, पैंट व शर्ट का कपड़ा, आयरन प्रेस समेत 24 सामग्री दी जाएगी। दांपत्य जीवन की खुशहाली लिए वधु के बैंक खाते में 60 हजार रुपये भेजे जाएंगे।

नियम तोड़ने वाले आठ वाहनों के चालान, दो जब्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पीलीभीत, अमृत विचार : परिवहन विभाग ने बुधवार को पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग सहित अन्य मार्गों पर संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर वाहनों पर कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान तीन एसी बसों को परमिट शर्तों का उल्लंघन करते पाए जाने पर चालान किया। इसी क्रम में तीन मैजिक वाहन क्षमता से अधिक सवारियों ढोते हुए पकड़े गए, जबकि दो टेंपो बिना वैध फिटनेस के सड़कों पर दौड़ते मिले। दोनों टेंपो को सीज कर दिया गया। वहीं, दो नाबालिग किशोरों को ई-रिक्शा चलाते हुए पकड़ा। इन वाहनों का भी चालान किया गया। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि एआरएम और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने चेकिंग कर कार्रवाई की है।

बालक वर्ग में पूरनपुर बना चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग की तीन दिवसीय 69वीं जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हो गया। बालक वर्ग में ओवरऑल चैंपियन पब्लिक इंटर कॉलेज पूरनपुर रहा, जबकि बालिका वर्ग में वीरांगना अवंतीबाई बालिका इंटर कॉलेज चैंपियन बना।

सब जूनियर बालक वर्ग चैंपियनशिप चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मझोला को मिली, जबकि बालिका वर्ग की राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पीलीभीत ने जीती।

बालिका वर्ग में अंगूरी देवी बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा कशिश ने बाजी मारी। सीनियर बालक वर्ग में एसडीएसके सफौरा के मानू यादव ने जीत दर्ज की। बालिका वर्ग में वीरांगना अवंती बाई की नेहा और चौधरी उमराव सिंह इंटर कॉलेज की भावना ने जीती। सभी विजेताओं को बरखेड़ा विधायक महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने कहा कि सरकार खेलों के लिए तेजी से कार्य कर रही है। जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने बताया कि जो चयनित सभी वर्गों के प्रतिभागी है। वह अपनी पात्रताएं 10 अक्टूबर तक ड्रमंड राजकीय इंटर कालेज में जमा कर दें । चयनित जिले की एथलेटिक्स टीम 14 से 16 अक्टूबर तक बदायूं में होने वाली मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

विजेताओं को ट्रॉफी देते बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, साथ में अन्य।

● बालिका वर्ग में वीरांगना अवंती बाई इंटर कॉलेज ने मारी बाजी

रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

बिलसंडा, अमृत विचार : श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन स्वामी सुरेशानंद सरस्वती महाराज ने भक्तों को रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। जिसे सुन भक्त मंत्रमुग्ध हो उठे। कथाव्यास ने कहा विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान कृष्ण के गुणों के बारे में सुनकर प्रेम करने लगती हैं और उनसे विवाह करने का ठान लेती हैं। रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने शिशुपाल से उनका विवाह तय कर दिया। जिससे वह बहुत दु:खी हुईं। रुक्मिणी का संदेश पाकर भगवान श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंचते हैं और रुक्मिणी का हरण कर लेते हैं। रुक्मिणी का भाई भगवान श्री कृष्ण से युद्ध करता है। भगवान रुक्मी को हराकर रुक्मिणी से विवाह करते हैं। इसके बाद द्वारिकापुरी को फूलों और दीपों से सजाया जाता है। देवी देवता, ऋषि मुनि श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह में सम्मिलित होते हैं। कथा के दौरान बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, बीसलपुर ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा, मकसूदापुर चीनी मिल के जीएम सुग्रीव द्विवेदी ,राकेश शास्त्री,अंकित सिंह,अनिल शर्मा,परीक्षित,अक्षय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

शिकायत का निस्तारण करने गई टीम पर हमला

दियोरियाकलां, अमृत विचार: आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत का निस्तारण करने गांव गाजना सिंधारपुर पहुंची पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया गया। ईंट पत्थर बरसाए गए। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंची सीओ ने मौका मुआयना कर जानकारी की।

गांजना सिंधारपुर निवासी सुहानी पत्नी स्व. सोवरन लाल ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि उसके ससुराल वाले उसका सामान नहीं दे रहे हैं। दरोगा राजेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे तो वहां पर ससुरालियों ने विरोध कर दिया और फिर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। जिसमें दरोगा राजेन्द्र सिंह, श्रीपाल, महिला कांस्टेबल कहकशां घायल हो गए। इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई। जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचा। आरोप है कि फिर पुलिस टीम पर पत्थर फेंके गए। किसी तरह पुलिस टीम वापस लौटी। सीओ प्रगति चौहान जानकारी मिलने पर गांव पहुंची और जानकारी की। ग्रामीणों से घटनाक्रम को लेकर जानकारी जुटाई। आरोपियों पर एफआईआर के निर्देश दिए हैं।

व्यापारियों की सुरक्षा और विकास भाजपा सरकार में ही सुरक्षित

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार बुधवार को बीसलपुर पहुंचे और व्यापारी सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने स्पष्ट कहा व्यापारियों की सुरक्षा और उनका चौमुखी विकास भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। उनकी समस्याओं पर सरकार प्राथमिकता से निस्तारण करा रही है। जीएसटी की दरें घटाकर सरकार ने व्यापारियों को बड़ा तोहफा दिया है।

नगर के एक बरात घर में हुए सम्मेलन में उन्होंने कहा मोदी सरकार के जीएसटी टैक्स कम करने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अधिक लाभ है। व्यापारियों से आह्वान किया कि सभी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें साथ ही ग्राहकों के लिए भी स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा देश की 80 प्रतिशत जनसंख्या को सरकार के द्वारा फ्री राशन दिया जा रहा है। भारत विश्व की चतुर्थ अर्थव्यवस्था में पहुंच चुका है। 2047 तक भारत विश्व की नंबर वन अर्थव्यवस्था बनने वाला है। जिसमें व्यापारियों का विशेष सहयोग रहेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने आत्मनिर्भर होने का परिचय भी दिया। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि व्यापारी मोदी सरकार में विश्वास रखें। ये सरकार सदैव राष्ट्र हित में कार्य करती रहेगी। आयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज गुप्ता ने जीएसटी टैक्स कम होने को सराहनीय और लाभप्रद बताया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिला मंत्री आयुष मिश्रा, भाजपा नेता डॉ. रत्नेश गंगवार , व्यापार मंडल के अध्यक्ष राकेश चंद्र मित्तल, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक अनमोल मित्तल, राजेश अग्रवाल , प्रमोद कुमार गुप्ता, मुकेश गुप्ता एडवोकेट, राजेशगुप्ता, विजयपाल सिंह गंगवार, अमर सिंह लोधी, उमाशंकर श्रीवस्तव, अशोक दीक्षित ,पवन अग्रवाल ,गोपाल कृष्ण अग्रवाल , ब्रजेश शुक्ला, हरिशंकर श्रीवास्तव,अंकित , मनोज गोयल ,ब्लाक प्रमुख अशोक कुमार शर्मा, ,मयंक अग्रवाल,अनेक पांडे, आदि मौजूद रहे। संचालन शिवेंद्र नाथ शुक्ला ने किया।

बीसलपुर में हुए कार्यक्रम में मौजूद व्यापारी। ● अमृत विचार

● व्यापारी सम्मेलन में शामिल हुए सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार

सम्मेलन को संबोधित करते सांसद।

जूना अखाड़ा के संतों की भूख हड़ताल चौथे दिन भी जारी

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: ग्राम सखिया स्थित धार्मिक स्थल का जीर्णोद्धार कराने, चढ़ावे में आई धनराशि को हड़पने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जूना अखाड़ा के साधु संतों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल चौथे दिन बुधवार को भी जारी रही। बाबा सत्य गिरि महाराज का स्वास्थ्य बिगड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों की टीम ने पहुंचकर चेकअप किया। फिलहाल प्रशासनिक स्तर से कोई भी जिम्मेदार वार्ता के लिए नहीं पहुंचा।

गांव सखिया में स्थित बाबा ब्रह्म देव के नाम से चर्चित धार्मिक स्थल को लेकर जूना आखाडा के साधु संतो के द्वारा भूख हड़ताल शुरू की गई। चार दिन से अनशन पर बैठे बाबा सत्य गिरि महाराज की तबीयत बिगड़ गई। इस पर सीएचसी के डॉ.आजम, फार्मासिस्ट गिरीश कुमार ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण किया। शनिवार को एडीएम वित्त ऋचु पूनिया के निर्देश पर सरकारी जमीन पर लगी दुकानों को हटवा दिया गया था और सभी लोगों को यहां आने पर पूर्णतया रोक लगा दी गई थी। इसी के बाद जूना अखाड़ा के महात्मा भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। भूख हड़ताल पर बैठे संत महाराज सत्यगिरि महाराज के समर्थन में धरने पर विरेंद्रपुरी,चंद्रमा गिरी,जितेंद्र गिरी,निर्मल गिरी,रामानंद गिरी,सेवागिरी,श्रीपाल गिरी,सुदेश्वर गिरी,महंत कृष्णानंद,काले बाबा,जगदीश पुरी,हेमंत गिरी,शंकर गिरी, कुछ वैष्णव संप्रदाय के संत धरना स्थल पर मौजूद रहे। बीसलपुर,बिलसंडा, दियोरियाकलां कोतवाली सहित कई थानों की पुलिस मौके पर मुस्तैद रही।

बाबा सत्यगिरि महाराज का स्वास्थ्य परीक्षण करती टीम। ● अमृत विचार

● सत्य गिरि महाराज की हालत बिगड़ने पर पहुंची स्वास्थ्य टीम

भव्य शुभारंभ भव्य शुभारंभ

अल्मोड़ा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

(उत्तर भारत का सबसे बड़ा नगर सहकारी बैंक)

(पूर्णतया सी0बी0एस0, RTGS एवं NEFT सुविधायुक्त)

प्रधान कार्यालय - लाला बाजार, अल्मोड़ा

फोन- 05962-231947, 230743 फोन/फैक्स- 05962-237703, 236036

E-mail: info@almoraurbanbank.com, Visit us: www.almoraurbanbank.com

बैंक के समस्त खाताधारकों, अंशधारकों एवं समस्त सम्मानित जनता को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि

अल्मोड़ा अर्बन को-आपरेटिव बैंक लि0

की 63वीं, 64वीं एवं 65वीं शाखाऐं कार्य-व्यवसाय प्रारम्भ करने जा रही हैं। इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

शाखा क्रमांक	शाखा का नाम	उद्घाटन की तिथि
63	निकट शिव मन्दिर, थल	10.10.2025
64	तहसील रोड, धारचूला	14.10.2025
65	भराड़ी, बागेश्वर	31.10.2025

पी0सी0 तिवारी

प्रबन्ध निदेशक/सी.ई.ओ.

डॉ0 वसुधा पन्त उपाध्यक्ष

महेश चन्द्र जोशी, सी.ए. अध्यक्ष

जिले में आज

- बीसलपुर के गांव रसिया खानपुर में विशेष स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से आर्य समाज मंदिर में योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

रिटायर्ड दरोगा की तालाब में डूबने से मौत

पीलीभीत,अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर कॉलोनी निवासी रिटायर्ड दरोगा की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक वह बीमार चल रहे थे। दातून करने के लिए तालाब के किनारे गए। इसी बीच पैर फिसलने से तालाब में जा गिरे। बता दें 63 वर्षीय अजय पांडेय उत्तर प्रदेश पुलिस से रिटायर्ड उपनिरीक्षक थे। बुधवार सुबह वह घर के पीछे तालाब की ओर टहलते हुए दातून कर रहे थे। इस दौरान किसी तरह उनका पैर फिसल गया। पैर फिसलने से वह तालाब में जा गिरे। जब तक आसपास मौजूद परिजनों की नजर पड़ी और उन्हें तालाब से निकाला गया। उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

मारपीट के मामले में एक साल बाद रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : मारपीट और बंदूक तोड़ने के मामले में पुलिस ने लगभग एक साल बाद रिपोर्ट दर्ज की है। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम पिपरा वाले नंबर दो निवासी जागनलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 12 नवंबर 2024 को वह शाम साढ़े पांच बजे बाइक से खेत से वापस आ रहे थे। उसके पास लाइसेंसी बंदूक भी थी। गांव के दीनदयाल के घर के सामने गांव के निवासी प्रेमशंकर, हर स्वरुप,अनिल कुमार, गजेन्द्र, शैलेन्द्र उर्फ संजय कुमार,पंकज, सचिन ने गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर मारपीट की गई। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया और बंदूक भी छीनकर तोड़ दी। आरोपी उसको खींचकर घर के सामने ले गए, वहां भी पिटाई की। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि मारपीट और एससीएसटी एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सड़क हादसे में प्रधान की मौत

घुंघचिहाई, अमृत विचार: बाइकों की टक्कर में गुलड़िया भूपसिंह गांव के प्रधान रामकुमार प्रजापति की मौत हो गई। वहीं दूसरे बाइक सवार को भी चोट आई है।

रामकुमार प्रजापति।

बुधवार शाम को ग्राम गुलड़िया भूप सिंह के प्रधान रामकुमार प्रजापति पूरनपुर गए थे, लौटते समय गन्ना कृषक कॉलेज के पास दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गए। लोगों ने एंबुलेंस से उन्हें पूरनपुर सीएचसी भिजवाया गया। वहां उनकी मौत हो गई। परिवार वाले भी सीएचसी पहुंच गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस हादसे की जानकारी कर कार्रवाई में जुट गई है।

विंटर विजीटर्स से आबाद होने लगा पीटीआर, हर साल लाखों की तादाद में यूरोप आदि देशों से यहां पहुंचते है प्रवासी पक्षी

यूरोप के कॉमन सैंडपाइपर ने दी दस्तक, डेमॉजेल क्रेन का झुंड भी उमड़ा

सुनील यादव, पीलीभीत

अमृत विचार: प्राकृतिक धरोहर से समृद्ध पीलीभीत टाइगर रिजर्व हर साल की तरह इस साल भी विंटर विजीटर्स के लिए शरणस्थली बन रहा है। सात समंदर लांघ कर आए यूरोप के कॉमन सैंडपाइपर ने दस्तक दे दी। वहीं साइबेरिया के डेमॉजेल क्रेन का झुंड भी यहां आमद कर चुका है।

विशेषज्ञों की मानें तो अभी कई अन्य प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां भी यहां दस्तक देने वाली है। इन प्रवासी पक्षियों की पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत जनपद में मौजूदगी यहां की समृद्ध पारिस्थितिकी का तो प्रमाण है ही, साथ ही वर्ड वॉचिंग के शौकीनों के लिए यह खासा रोचक होगा। देश-दुनिया में टूरिज्म आईकॉन के रूप पहचान बनाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अपनी समृद्धशाली जैवविविधता के लिए मशहूर है। यहां भारी-भरकम बाघों के बीच पिछले कुछ सालों से दूर-दराज देशों एवं अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में मेहमान परिंदे भी प्रवास को आने लगे हैं। मेहमान पक्षियों की प्रजातियों में अब धीरे-धीरे इजाफा देखा जा रहा है। प्रवासी पक्षियों पर स्टडी करने वाली संस्था टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी (टीडब्ल्यूसीएस) के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां यहां प्रवास के लिए आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। प्रवासी की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। संस्था के अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक मार्च-अप्रैल में आमद करने वाले ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षी यहां से विदा हो चुके हैं। अब शरदकालीन प्रवासी पक्षियों की आमद शुरू हो चुकी है। अब शरदकालीन पक्षी भी यहां तकरीबन पांच माह के प्रवास के बाद वतन वापसी शुरू कर देंगे। खास बात यह है कि इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी होते हैं, जो जनपद में टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास करते हैं।

शिकार की तलाश करता प्रवासी पक्षी।

घरौंदा बनाने की शुरुआत, तो कोई ढूंढ रहा मुफीद ठिकाना

पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में हर साल ही लाखों की तादाद में शरदकालीन प्रवासी पक्षी आते हैं। अक्तूबर की शुरूआत होते ही यूरोप के छोटे से दिखने वाले कॉमन सैंडपाइपर ने टाइगर रिजर्व में दस्तक दे दी थी और अब प्रवासी पक्षी यहां घरौंदा बनाने की तैयारी में जुटा है। टीडब्ल्यूसीएस के अनुसार कॉमन सैंडपाइपर मुख्यता यूरोप, रूस और एशिया के ठंडे इलाकों का स्थानीय पक्षी है। जैसे ही वहाँ की सर्दियां शुरू होती हैं, यह पक्षी लंबी यात्रा कर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व की ओर प्रवास करता है। पंखों पर हल्की सफेद धारियों के साथ सीधी और निचली उड़ान भरने वाला कॉमन सैंडपाइपर नदियों, तालाबों, नालों और दलदली क्षेत्रों के किनारे जलीय कीड़े-मकोड़े और छोटे क्रस्टेशियंस का शिकार करते देखा जा सकता है। इसके साथ ही बीते दिन पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ऊपर डेमॉजेल क्रेन का एक बड़ा झुंड भी उड़ान भरता हुआ दिखाई दिया है। संभवता यह भी टाइगर रिजर्व या उसके आसपास अपने लिए मुफीद ठिकाने की तलाश में हैं। यह प्रवासी पक्षी साइबेरिया, मंगोलिया और मध्य एशियाई देशों से भारत में अल्कालिक प्रवास को आता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व इस प्रवास मार्ग में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा सकता है।

> कॉमन सैंडपाइपर न केवल वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण प्रवासी पक्षी है बल्कि पीटीआर का पहला प्रवासी भी है। अप्रैल के अंत तक अन्य प्रवासी पक्षियों के साथ इसका यहां ठहरना इस क्षेत्र की समृद्ध पारिस्थितिकी और अनुकूल जलवायु का प्रमाण है। यह नन्हा-सा पक्षी हमें यह भी याद दिलाता है कि यदि हम अपने जलाशयों और आर्द्रभूमियों की रक्षा करेंगे, तो प्रवासी पक्षियों का यह सिलसिला हमेशा यूं ही चलता रहेगा। - **अख्तर मियां खान**, अध्यक्ष टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी

विरोध के बाद भी नहीं थम रहा धान खरीद में खेल

बिलसंडा में फिर किसान नेताओं ने पकड़ीं बाहर से आ रही धान लदी ट्रैक्टर ट्रॉलियां, जिम्मेदारों की भूमिका पर उठे सवाल

संवाददाता, बिलसंडा (पीलीभीत)

अमृत विचार: धान खरीद शुरू हुए अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता है, धांधली के आरोप और विरोध तेज हो चुका है। सरकारी क्रय केंद्र भले सूने पड़े हों, लेकिन बिचौलियों के धान की खरीद का शोर नहीं थम रहा। एक बार फिर बिलसंडा में इसे लेकर हंगामा हुआ। किसान नेताओं ने धान लदी 12 ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ी और जिम्मेदारों की शह के चलते बिचौलियों के पनपने का आरोप लगाया। एसडीएम बीसलपुर को ज्ञापन देकर पारदर्शिता से धान खरीद कराने व बिचौलियों और उनके संरक्षकों पर कार्रवाई करने की मांग की है। बताते हैं कि कई ट्रॉलियों को मंडी सचिव ने छुड़वा दिया। वहीं आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद चार में से तीन ट्रैक्टर ट्रॉली भी उनके चालक ले गए।

बता दें कि 5 अक्टूबर को बिलसंडा में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं और किसानों ने ब्लॉक अध्यक्ष अंग्रेज सिंह की अगुवाई में एकत्र होकर बमरौलीर चौराहा के पास से नौ धान लदे ट्रैक्टर ट्रॉला पकड़े थे। आरोप था ये धान बिचौलियों का था और धांधलेबाजी की जा रही थी। इसे लेकर बीसलपुर मंडी में धरना प्रदर्शन भी चला था। फिर अधिकारियों ने कार्रवाई की और भरोसा दिलाया था कि धान खरीद पारदर्शिता से कराई जाएगी। मगर, तीन दिन बाद ही दूसरा मामला सामने आ गया। कस्बा बिलसंडा से पांच किलोमीटर दूर बंडा बॉर्डर से सटे गांव कुरैंया कलां में पेट्रोल पंप के पास राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने धान से लदे 12 ट्रालों को पकड़ लिया। सूचना पर बीसलपुर मंडी सचिव नाजिम अली और एसओ बिलसंडा सिद्धांत शर्मा मौके पर पहुंच गये। किसान नेताओं ने धान खरीद में खेल करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि मंडी सचिव ने गुंडे किस्म के लोगों को बुला लिया और धान लदे छह ट्राले ले गए। हंगामे के बीच पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराने का प्रयास किया।

एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय भी हंगामे की सूचना पर पहुंच गए। उन्हें कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा कि बीसलपुर मंडी सचिव बिचौलियों से धान खरीद में खेल करा रहे हैं। बीते दिनों पकड़े गए वाहनों पर मामूली जुर्माना डालकर कर्तव्यों से इतिश्री कर ली गई। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिचौलियों के अवैध धान को सीज करने की मांग की। इस मौके पर सतनाम सिंह, गुरप्रीत सिंह, प्रेम सागर पटेल, गुरजीत सिंह, बलदेव सिंह, हरविंदर सिंह, रघुवीर सिंह ,हरनाम सिंह, दिलबाग सिंह, चरनाम सिंह, गुरजंट सिंह आदि मौजूद रहे। उधर एसडीएम के निर्देश पर मौके पर पकड़ी गई चार ट्रैक्टर ट्रॉली मंडी के जाई जा रही थी।जिसमें तीन ट्रॉलियां चालक लेकर फरार हो गए। धान से भरी ट्रॉलियां ले जाने से हड़कंप मचा रहा।

एसडीएम बीसलपुर को ज्ञापन देते किसान नेता। ● अमृत विचार

72 घंटे में कार्रवाई नहीं तो किसान संगठन करेंगे चक्का जाम

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने इस मामले को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। धान खरीद में चल रहे खेल पर सख्ती की मांग की गई है। ज्ञापन में उन्होंने साफ कहा कि अगर तीन दिन के भीतर मंडी सचिव बीसलपुर का स्थानांतरण या फिर बर्खास्तगी-निलंबन नहीं किया जाता है। संगठन इसे लेकर आंदोलन करेगा। धरना प्रदर्शन के साथ ही चक्का जाम करने की भी चेतावनी दी गई है।

किसान नेताओं ने बीसलपुर मंडी में दिया धरना

पकड़ी गई ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर कार्रवाई के बजाए उन्हें छोड़ने का आरोप मंडी सचिव बीसलपुर पर लगाते हुए राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ता बीसलपुर मंडी पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। मंडी सचिव का कहना था कि पकड़े गए वाहनों को मंडी लाते वक्त कुछ लोग छुड़ा ले गए थे। उनकी इसमें कोई संलिप्तता नहीं है।मगर किसान नेता मंडी सचिव की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगाते रहे। एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय ने पहुंचकर जानकारी की। इसके बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया।

● बीसलपुर मंडी सचिव पर कई वाहन छुड़वाने का आरोप

> बाहर से आ रहे ट्रालों को किसानों ने रोका था। पकड़े गए ट्रालों को मंडी भिजवा दिया गया है। मंडी सचिव को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।
> -**नागेंद्र पांडेय**, एसडीएम बीसलपुर

> एसडीएम के निर्देशानुसार पकड़ी गई चार ट्रॉलियां मंडी ले जाई जा रही थी। जिनमें तीन ट्रॉलियां रास्ते से चालक भगा ले गए। तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।
> -**नाजिम अली**, मंडी सचिव बीसलपुर

बच्ची से छेड़छाड़ के दोषी को सात साल की सजा

पीलीभीत, अमृत विचार: पांच साल की बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने फैसला सुनाया। उन्होंने आरोपी को दोषी पाते हुए पांच साल की सजा और 15 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

बता दें सदर कोतवाली में दी गई तहरीर में क्षेत्र की महिला ने बताया आठ फरवरी 2018 को वह घर पर थी। उनकी पांच वर्षीय पुत्री गली से होकर घर आ रही थी। रास्ते में मोहल्ला मोहम्मद वासिल निवासी प्रमोद ने उसे बुरी नियत से पकड़ लिया और छेड़छाड़ की। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल की। न्यायालय ने सुनवाई के बाद आरोपी प्रमोद को दोषी पाते हुए सात साल कैद और 15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को 20 साल कैद व जुर्माना

विधि संवाददाता, पीलीभीत, अमृत विचार: अपर सत्र न्यायाधीश छांगुर राम ने सामूहिक दुष्कर्म के एक मामले में फैसला सुनाया। आरोपियों को दोषी पाते हुए 20 साल कैद और प्रत्येक पर 26-26 हजार अर्थदंड लगाया।

अभियोजन के अनुसार गजरौला थाने में कोर्ट के आदेश पर एक महिला की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें पीड़िता ने बताया था कि उसके पति पंजाब मजदूरी करने गए थे। 30 जून 2017 को घर पर अकेली थी। इस दौरान ग्राम मुड़ैलाकलां निवासी सीताराम और प्रेम चंद्र उसके घर में घुस आए और तमंचा दिखाकर उससे दुष्कर्म किया। शोर पर आसपास के लोगों के जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश छांगुर राम की अदालत में हुई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद दोनों आरोपी सीताराम और प्रेमचंद को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

बाहरी धान पकड़ने के प्रयास में किसान नेता पर फायरिंग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पूरनपुर क्षेत्र में धान खरीद में खेल को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के विरोध के बाद निगरानी तय हुई। माना गया अब शायद हालात सुधरेंगे। मगर चंद घंटे बाद ही वह हुआ जिसका किसी को आभास नहीं था। किसान नेता बाहरी धान पकड़ने के लिए निगरानी कर रहे थे और जैसे ही धान लदी ट्रैक्टर ट्राली रोकने का प्रयास किया। किसान नेता को पहले कुचलने का प्रयास किया और फिर चार राउंड फायर किए गए। जिसमें भाकियू चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह के हाथ की उंगली को छूकर गोली गुजरी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूरनपुर क्षेत्र में बाहरी धान राइस मिलों में कम दाम पर खरीदे जाने को लेकर बुधवार को दिनभर हंगामा चला। संयुक्त किसान मोर्चा ने दिन रात निगरानी और उसमें सहयोग का आश्वासन मिलने पर देर शाम आंदोलन को विराम दिया। इसके बाद बताते है कि किसान नेता सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में गढ़वाखेड़ा पुलिस चौकी के पास निगरानी में थे। तभी लखीमपुर की तरफ से बाहरी धान से लदी कुछ ट्रैक्टर ट्राली आती दिखी। जिसे किसान नेताओं ने रोकने का प्रयास किया। मगर ट्रैक्टर चालक ने कुचलने का प्रयास किया। जब विरोध हुआ और घेरने की कोशिश की गई तो फायरिंग कर दी। चार फायर किए , जिसमें एक मिस हुआ। किसान नेता रंजीत सिंह कहलो के हाथ की उंगली को छूकर गोली निकली। इसके बाद आरोपी चालक धमकाते हुए भाग गए। वह किसी तरह पूरनपुर पहुंचे और फिर सीएचसी में इलाज कराया।

चौकी पुलिस का बेहद लापरवाह रवैया: घायल हुए भाकियू चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो की माने तो जब वह एसडीएम के आश्वासन के बाद निगरानी को पहुंचे। कई अन्य किसान संगठन के कार्यकर्ता भी थे। इस दौरान पुलिस चौकी गढ़वाखेड़ा के पुलिसकर्मियों को बताया था कि वह बाहरी धान को रोकने के लिए आए है। एसडीएम से वार्ता हो चुकी है। कुछ बैरियर लगा दें। आरोप है कि चौकी पर एक के अलावा कोई भी वर्दी में नहीं था। बैरियर लगाने से भी साफ मना कर दिया। लग ही नहीं रहा था कि चौकी पर पुलिस है। बेहद लापरवाह रवैया था।

दो राइस मिलर्स की भूमिका संदेह में: इस मामले में पूरनपुर के दो राइस मिलर्स की भूमिका संदेह में है। किसान नेताओं की माने तो जब ट्रैक्टर लेकर आ रहे लोगों को रोका तो उन्होंने दोनों राइस मिलर का नाम ट्रैक्टर चालकों ने बताया और ये भी कहा कि उस धान का सौदा 1600 रुपए कुंतल के हिसाब से हो चुका है। अब बीच से नहीं हटे तो किसी की जान भी ले ली जाएगी। उसके बाद ही कुचलने की कोशिश और फायरिंग की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल हालत में पूरनपुर कोतवाली पहुंचे किसान नेता। ● अमृत विचार

संयुक्त किसान मोर्चा ने रोका बाहरी धान

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर तहसील क्षेत्र में भी धान खरीद में खेल के आरोप लगे और हंगामा हुआ। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के खुटार बार्डर पर स्थित कजरा - कजरी गांव के पास बुधवार सुबह 10 बजे संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बाहरी जनपदों से लाए जा रहे धान को रोककर विरोध जताया। आरोप था कि स्थानीय मंडियों में पहले से ही क्षेत्रीय किसानों का धान नहीं खरीदा जा रहा, जबकि बाहर से धान लाकर बेचा जा रहा है। इससे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। विरोध के दौरान किसान हाईवे पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। मौके पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह

महिला से छेड़छाड़ पति से की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : मायके से वापस घर जा रही विवाहिता को रास्ते में कुछ युवकों ने रोक लिया और छेड़छाड़ की। पीछे से आए उसके पति और भाई ने विरोध किया तो आरोपियों ने पिटाई की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 6 अक्टूबर की शाम 6:45 बजे बच्चे के साथ मायके से क्षेत्र में ही स्थित ससुराल जा रही थी। आरोप है रास्ते में एक बरातघर के बाहर खड़े कुछ युवकों ने उससे छेड़छाड़ की। युवक उसका सोशल मीडिया का अकाउंट मांगने लगे।

कुछ ही देर बाद पीछे से उसके पति और भाई आ गए और विरोध किया। इस पर आरोपियों ने पति के साथ मारपीट की। भीड़ जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पति को अस्पताल में भर्ती कराया। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों के बारे में जानकारी कराई जा रही है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● बीसलपुर मार्ग पर असम चौराहा के पास हादसा, शव पोस्टमार्टम को भेजा

अमृत विचार : असम हाईवे पर मंगलवार देर रात हादसे में शाहजहांपुर की महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मारी थी। सुनगढ़ी पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। घायल को गंभीर हालत में तुरंत ही बरेली रेफर किया गया है।

हादसा थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के असम चौराहे के पास का है। शाहजहांपुर जिले के थाना मदनापुर क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी तसलीम पत्नी नूरबी (26) के साथ बीसलपुर क्षेत्र के गांव मलूकपुर आए थे। काम निपटाने के बाद दोनों बाइक से पीलीभीत आ रहे थे। असम चौराहा के पास वह खड़े हो गए थे। इस दौरान एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल तसलीम को तुरंत ही मेडिकल कॉलेज भिजवाया। हालत गंभीर होने पर उसे बरेली रेफर भी कर दिया गया है। सभी परिवार वाले भी सूचना मिलने पर आ गए। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाघ ने बाइक सवारों पर किया जानलेवा हमला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● पीलीभीत- माधोटांडा मार्ग पर मंगलवार शाम की घटना, युवकों ने भागकर बचाई जान

अमृत विचार: माला जंगल में जंगल मार्ग से गुजर रहे बाइक सवारों पर बाघ ने हमला कर लिया। जिससे बाइक सवार दवा कंपनी का प्रतिनिधि घायल हो गया। सवारों ने बाइक को दौड़ाकर बमुश्किल जान बचाई। घायल युवक ने इसकी जानकारी रिछौला वन चौकी पर जाकर दी। इसके बाद घायल को इलाज के लिए एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

घटना पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज में मंगलवार शाम हुई। शहर से सटी पकड़िया नौगवा निवासी अमर सक्सेना एक फार्मा कंपनी में दवा प्रतिनिधि के तौर पर कार्यरत हैं।मंगलवार को अमर सिंह सेल्समैन छत्रपाल के साथ पूरनपुर गए थे। पूरनपुर में काम निपटाने के बाद शाम को दोनों बाइक से माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग से होते हुए शहर आ रहे थे। बाइक सेल्समैन छत्रपाल चला रहा था और उनका भाई अमर सक्सेना के भाई अरुण ने बताया शाम करीब 6 बजे के आसपास जैसे ही उनकी बाइक माला जंगल में सिद्धबाबा स्थल के नजदीक से गुजरी। इसी बीच झाड़ियों से निकले एक बाघ ने बाइक पर हमला कर दिया। बाघ पीछे बैठे अमर पर झपट पड़ा। अमर के चीखने की आवाज सुनकर छत्रपाल ने बाइक दौड़ा दी। बताते हैं बाघ ने कुछ दूरी तक बाइक सवारों का पीछा भी किया। छत्रपाल बाइक लेकर जंगल पार कर सीधे रिछौला वन चौकी पहुंचा और मामले की जानकारी दी। हमले में अमर के घुटने के नीचे और पंजे लगने से कमर में चोंटे आई हैं। इसके बाद घायल दवा प्रतिनिधि को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जहां उसका इलाज किया गया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद माला रेंज के वनकर्मियों द्वारा संबंधित क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई है।

घायल अमर सक्सेना। ● अमृत विचार

> घटना की जानकारी मिली थी। जिसके बाद मैंने स्वयं जाकर देखा था। हालांकि हमला बाघ का है या फिर किसी वन्यजीव का, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। संबंधित क्षेत्र में निगरानी के साथ सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।
> - **रॉबिन सिंह**, क्षेत्रीय वनाधिकारी माला रेंज।

विवाद की आशंका पर दूसरे दिन भी तैनात रही पुलिस

घुंघचिहाई ,अमृत विचार: भगवतीपुर मंदिर की संपत्ति को लेकर दो पक्षों में विवाद की स्थिति बनने के बाद तनाव के हालात है। पहले से रह रहे पुजारी की पत्नी ने इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। दूसरे दिन भी शांति व्यवस्था बनाए रखने को पुलिस बल की तैनाती रही।

● एक पक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, स्टे का दिया हवाला

घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया भूप सिंह की रहने वाली माला सिंह पत्नी अमित सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया उनके गांव में ठाकुर जी महाराज का मंदिर है। जिसका निर्माण उनके पूर्वजों ने कराया था। वर्तमान में वह और उनके पति परिवार के सदस्यों के साथ मंदिर की देखरेख करते हैं। 6 अक्टूबर को कुछ लोग मंदिर में जबरन घुस आए और मंदिर पर अपना हक जताने लगे। जान से मारने की धमकी दी है। उनका कहना है 8 दिसंबर 2023 को उनके पक्ष में न्यायालय से स्टे हो चुका है। इसकी प्रति भी दिखाई जा चुकी है, लेकिन इसे मान नहीं रहे। दूसरे पक्ष से जान का खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

गोकशी करने वाले पांच तस्कर दबोचे

उदयपुर में किया था गोवंशीय पशु का वध, गोमांस, औजार, बाइक और तमंचा कारतूस की बरामदगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमरिया पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए गोमांस तस्कर। ● अमृत विचार

अमृत विचारः उदयपुर गांव में पिछले दिनों हुई गोकशी की वारदात को अंजाम देने वाले पांच गोमांस तस्करों को अमरिया पुलिस ने धर दबोचा। उनके पास से गोमांस, गोकशी में प्रयुक्त औजार, बाइक के साथ ही तमंचा-कारतूस बरामद किया गया। एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने घटना का खुलासा कर पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

4 अक्टूबर को अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम उदयपुर माफी में गोकशी की गई थी। यहां एक खेत में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। पुलिस ने गांव के ही मोहन स्वरुप की ओर से अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। एसपी अभिषेक यादव ने टीमें गठित कर खुलासे के निर्देश दिए। इसी क्रम में अमरिया पुलिस ने सुरागरसी के बाद बुधवार को हरार्यपुर गांव निवासी मोहम्मद आसिफ को अमरिया सितारगंज रोड पर सिरसा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की गई। इसके बाद गोकशी की घटना में उदयपुर गांव के जावेद , रियाज उर्फ राजू, हर्रायपुर गांव निवासी नफीस उर्फ छोटे कुरैशी और ग्राम निसरा निवासी जुम्मा के नाम सामने आए। इसके बाद टीम ने दबिश देकर चार अन्य तस्करों को उदयपुर नहर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से गोमांस, बाइक, तमंचा कारतूस, औजार आदि बरामद किए गए। जिसके बाद आरोपियों को जेल भेज दिया।

> उदयपुर गांव में बीते दिनों हुई गोकशी की घटना का खुलासा किया गया है। पांच गोमांस तस्करों की गिरफ्तारी की गई है। इनके पास से अवैध असलहा की बरामदगी होने पर आर्म्स एक्ट के तहत अलग से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है।
> – अमित कुमार, एसओ अमरिया

● **अमरिया पुलिस ने किया पूर्व की वारदात का खुलासा, आरोपी भेजे जेल**

पुलिस से बचने को उत्तराखंड में ले रखी थी शरण, भागने से पहले धरे गए

आरोपियों से पुलिस ने गहनता से पूछताछ की तो पता चला आरोपी रियाज इस समय उधमसिंह नगर उत्तराखंड के सितारगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंडरी में रह रहा था। आरोपी जुम्मा भी वहीं रहता। आरोपियों ने बताया पिछले दिनों उन्होंने उदयपुर और हर्रायपुर के बीच धान के खेत के पास पड़े खाली खेत में एक गोवंशीय पशु का वध करके गोमांस को पांच हिस्सों में बांट लिया था। एक आरोपी के घर से उसके हिस्से का गोमांस बरामद भी किया गया है। इसके बाद से सभी आरोपी छिपे हुए थे। पुलिस से बचने के लिए वापस उत्तराखंड भागने की फिराक में थे और पकड़े गए आरोपी रियाज पर वर्ष 2022 में अमरिया थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत भी रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है। आरोपी नफीस उर्फ छोटे कुरैशी पर जहानाबाद थाने में दस साल पुराने गोकशी के दो मुकदमे निकले। वहीं, जुम्मा पर जहानाबाद थाने में गोकशी, छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट, आर्म्स एक्ट, के मुकदमे है। इसके अलावा नवाबगंज बरेली में भी मुकदमा 2013 में लिखा गया था।

बरखेड़ा विधायक ने कराई मेले की शुरुआत

उद्घाटन के मौके पर विधायक स्वामी प्रवक्तानंद व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां में वार्षिक मेले की शुरुआत कराई गई। बुधवार को बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने फीता काटकर उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि मेला हमारी लोक संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति की सराहना की। कहा कि आने वाले वर्षों में इस मेले को और भव्य रूप दिया जाएगा। मेले में बच्चों के झूले, व्यापारिक स्टॉल, खाने-पीने की दुकानों और धार्मिक कार्यक्रमों का विशेष आकर्षण देखने को मिला। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। ग्राम प्रधान अरविंद कुमार, मेला संरक्षक गोपाल मिश्रा, मेला अध्यक्ष ओमप्रकाश राना, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भूप शंकर, मेला उपाध्यक्ष जसपाल माथुर समेत अन्य रहे।

न्यूज ब्रीफ

कफारा में छात्राओं को किया जागरूक

धौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय कफारा में छात्राओं को साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, सम्मान व बच्चो की सुरक्षा आदि की जानकारी दी। सुरक्षा और उनके अधिकारों के बारे में अवगत कराया। विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं महिला हिंसा से सम्बन्धित व अन्य शिकायतों के निवारण हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार : बुधवार को एंटी रोमियो पुलिस टीम में एसआई अपूर्वा शर्मा, बबीता पटवा ने नगर के विभिन्न विद्यालयों से घर जा रही छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 102, 108, 1076, 1098 और छेड़छाड़ से बचाव के संबंध में जागरूक किया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे के बारे में जानकारी दी। साइबर अपराध, फ़र्जी काल, सोशल मीडिया फ्रॉड से बचने के बारे में जागरूक किया।

महिला सशक्तिकरण पर दी प्रस्तुतियां

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज में कृष्ण वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने सशक्तिकरण से संबंधित अनेक प्रस्तुतियां देकर सब का मन मोह लिया। आयोजक ने कहा जो नारी सशक्त और आत्मनिर्भर होती है वहीं समाज को एक नई दिशा दे सकती हैं। कार्यक्रम में 200 महिलाओं ने भाग लिया। नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल को महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण के मिसाल देते हुए कहा कि उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और सकारात्मक राजनीति से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा कर समाज में सकारात्मकता का संदेश दिया।

बारिश थमते ही मंडी में बढ़ी धान की आवक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः बारिश थमते ही मंडी में धान की आवक तेज हो गई। बुधवार को मंडी में 5000 क्विंटल से अधिक धान की आवक हुई। मंडी में खुली बोली के दौरान धान 1855 रुपये प्रति क्विंटल तक बिका। वहीं बुधवार को कुछ क्रय केंद्रों पर 35 मीट्रिक टन धान की सरकारी खरीद भी हुई है। क्रय केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 40 मीट्रिक टन ही खरीद हो सकी है।

इस बार जिले को 2.45 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य दिया गया। धान खरीद को लेकर जनपद भर में 132 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इधर मानक के अनुरूप धान न आने के कारण सरकारी क्रय केंद्रों पर धान खरीद नहीं हो सकी थी। बीते सोमवार को मंडी समिति में सरकारी धान खरीद का खाता भी खुल गया था। इस बीच बारिश का दौर शुरू हो गया। सोमवार शाम से शुरू हुई बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह तक जारी रहा था। इससे धान की कटाई भी रुक गई। बारिश थमने के बाद बुधवार को मंडियों में धान की आवक तेज हो गई। स्थानीय मंडी प्रशासन के मुताबिक बुधवार को 5000 क्विंटल से अधिक धान की आवक हुई। बुधवार को खाद्य विभाग समेत अन्य एजेंसियों के क्रय केंद्रों पर भी करीब 35 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। जनपद में अब तक कुल 40 मीट्रिक टन सरकारी खरीद हो चुकी है। प्रभारियों का कहना है कि क्रय केंद्र पर जो धान आ रहा है उसमें 20 से 25 फीसदी नमी पाई जा रही है। जबकि मानक 17 फीसदी तक नमी वाले धान की खरीद का है। उनका कहना है कि दो-चार दिन में खरीद तेजी से शुरू होने की संभावना है।

● **नीलामी के दौरान 1855 रुपये प्रति क्विंटल बिका धान**

खुली बोली में 1855 रुपये तक बिका धान

स्थानीय मंडी समिति परिसर में बुधवार को भी जमकर धान की आवक हुई। आढ़तों के बाहर धान के ढेर लगे देखे गए। खुली बोली में बुधवार को धान 1800 रुपये से लेकर 1855 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिका। मंडी निरीक्षक जहीर अहमद ने बताया कि धान की आवक पहले की अपेक्षा बढ़ी है।

बेटियों ने कलेक्ट्रेट की संभाली कमान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

एडीएम बनी छात्रा को कामकाज की जानकारी देतीं एडीएम ऋतु पूनिया।

अमृत विचारः अंगूरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्राएं एक दिन का मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी बनीं। उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। संबंधित अधिकारियों ने छात्राओं को सरकारी कामकाज के तौर-तरीकों की जानकारी दी। सीडीओ और एडीएम वित्त ने छात्राओं का स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 के तहत बुधवार पूर्वान्ह बलिकाओं की ओर से सांकेतिक भूमिका निर्वहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को आगे बढ़ाना एवं उनको जनपद स्तर के पदों की ओर आकर्षित करना था। इसी क्रम में अंगूरी देवी सरस्वती बालिका इंटर कालेज की 15 छात्राओं को मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) बनाया गया। विकास भवन स्थित कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास ने छात्राओं का स्वागत किया गया। उन्होंने सभी छात्राओं को अपने कार्यों के संबंध में विस्तार से बताया। इस दौरान एक दिन मुख्य विकास अधिकारी छात्राओं के समक्ष फरियादियों के प्रार्थना प्रस्तुत किए गए। छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के स्कूल बैग वितरित किए गए।

इधर कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी वित्त ऋतु पूनिया ने भी कार्यालय पहुंची सभी छात्राओं का बुके देकर स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को कामकाज और तौर-तरीकों को विस्तार से समझाया। यहां बारी-बारी से सभी छात्राओं को अपर जिलाधिकारी बनाया गया। एडीएम ऋतु पूनिया ने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। एक दिन के लिए पद संभालने वालों में छात्रा तृषा सहगल, अवनी मौर्या, अनुष्का सिंह, अर्पिता मिश्रा, श्रुति राज, आराध्या सिंह, शिवे, खुशी, प्रियांशी, रागिनी वर्मा, आकृति शुक्ला के अलावा डीडीओ संजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी, प्रधानाचार्य उपासना शर्मा समेत महिला कल्याण विभाग की टीम मौजूद रहीं।

● **अंगूरीदेवी इंटर कॉलेज की छात्राएं एक दिन की बनी एडीएम व सीडीओ, लोगों की सुनीं समस्या**

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

महिलाओं को दिया सिलाई का प्रशिक्षण

संपूर्णानगर, अमृत विचारः महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से एसएसबी 49वीं वाहिनी ने गांव कृष्णानगर में सिलाई प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया।

संचालन सहायक कमांडेंट गगनप्रीत सिंह के नेतृत्व में कमांडेंट शेर सिंह चौधरी ने किया। यह प्रशिक्षण 25 सितंबर से 9 अक्टूबर 2025 तक चला, जिसमें महिलाओं को सिलाई के विभिन्न तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। पहले बैच में प्रशिक्षण प्राप्त 40 महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। साथ ही दूसरे बैच के प्रशिक्षण का उद्घाटन भी किया गया।

मैगलगंज नवीन गल्ला मंडी में धान की खरीदआरंभ

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः बुधवार को मैगलगंज स्थित नवीन गल्ला मंडी में इस साल की धान खरीद का आरंभ किया गया। किसानों ने अपनी फसल तौलवाना शुरू कर दिया। इससे किसानों के चेहरे पर खुशी झलक आई।

सबसे पहले बेहड़ा जोरावर निवासी किसान मनदीप सिंह ने अपना धान तुलवाया। तौल और प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसानों ने अपनी फसल मंडी में जमा करना शुरू किया। धान खरीद की शुरुआत के मौके पर मितौली एसडीएम मधुसूदन गुप्ता भी पहुंचे। उन्होंने स्वयं धान की तौल कर प्रक्रिया का निरीक्षण किया और मंडी केंद्र पर मौजूद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। एसडीएम ने क्रय केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के साथ पूर्ण ईमानदारी और पारदर्शिता से काम किया जाए, ताकि उन्हें उचित मूल्य और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विपणन अधिकारी तेजभान सिंह, विपणन निरीक्षक ओम प्रकाश, लेखपाल सौरभ, बृजेश सिंह और प्रफुल्ल दीक्षित सहित अन्य क्रय केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे।

अब तो रोटी भी नहीं बनाने देते बंदर

संवाददाता, बिझौली

बिझौली में सड़क पर बंदरों का झुंड। ● अमृत विचार

अमृत विचारः बिझौली गांव के लोग इस समय बंदरों के आतंक से परेशान हैं। यह बंदर लोगों की छतों पर धमाचौकड़ी मचाते रहते हैं। बंदरों के कारण लोगों ने घरों की छतों पर जाना बंद कर दिया है। लोग न तो छतों पर कपड़े सुखाने को डाल पाते हैं और न ही कोई खाद्य सामग्री रख पाते हैं।

बंदर इन दिनों बिझौली गांव में डेरा जमाए हुए है। गांव में बंदरों का आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। पहले यह बंदर सिर्फ खेतो के अंदर चहलकदमी करते हुए दिखाई देते थे। अब बन्दरों की संख्या इतनी हो गयी है कि घरों की छतों पर डेरा जमाकर बैठे रहते हैं। लंबे समय से अपना रेन बसेरा बनाए हुए हैं। करीब 15 दर्जन बंदरों का यह झुंड पूरे गांव की छतों, टीनशेड़ों पर उछल कूद मचाते रहते हैं। अभी तक इन बंदरों की दहशत गृहणियों, बच्चों में रहती थी लेकिन अब तो समूचा गांव इन उधमी बंदरो से परेशान है।

बंदरों के आतंक से दहशत में ग्रामीण: पूरा गांव ही बंदरों से परेशान हैं। छात्रा अनुप्रिया सिंह, अंजली, सोनिया, डाली रागिनी और गृहणी अमिता श्रीवास्तव, बबली सिंह, ऊषा सिंह, रीमा सिंह आदि का कहना है कि खाना बनाते समय बंदर आटा तक उठा कर भाग जाते है। भगाने पर हमलावर बंदर काटने को दौड़ा लेते हैं। छत पर कपड़ा भी सूखने नही देते, फाड़ कर तहस नहस कर देते हैं। ग्रामीण रामेश्वर सिंह, राकेश श्रीवास्तव, निमिष सिंह, आदित्य सिंह, विपिन सिंह सहित तमाम ग्रामीणों ने खूंखार बंदरो की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

महिला ने फंदे पर लटककर दी जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **जोगीनवादा क्षेत्र का मामला, पति पर प्रताड़ना का आरोप**

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा में महिला ने मंगलवार देर रात कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मायके वालों ने महिला के पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, हालांकि अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाचं की।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि जोगी नवादा में हत्या हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि पूजा राठौर (29) ने कमरे में साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पूजा की शादी जोगी नवादा निवासी अंकित राठौर से 2021 में हुई थी। उसे एक तीन वर्ष की बच्ची भी है।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था। जिससे नाराज होकर पूजा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने पूजा के पिता थाना मैलानी, लखीमपुर खीरी निवासी राधेश्याम को सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुई है। पूजा की बहन समेत कई अन्य लोग मौके पर पहुंचे और आरोप लगाया कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर पूजा ने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई हैं।

न्यूज डायरी

प्राइमरी स्कूल की छात्रा बनी एक दिन की सीओ

पीलीभीत, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 .0 के तहत बुधवार को पुलिस की टीमें विभिन्न इलाकों में भ्रमण पर रहकर महिलाएं और छात्राओं को जागरूक करती रही। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन की छात्राओं को सीओ सदर के कार्यालय में आमंत्रित किया गया। सरकार की योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं में आत्मविश्वास जगाने एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा आठ की छात्रा सलोनी श्रीवास्तव को एक दिन के लिए सीओ सदर बनाया गया। उसने जनसुनवाई की और उपस्थित छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन व सुरक्षा उपायों की जानकारी साझा की। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के महत्व एवं समाज में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया। इसके अलावा प्रशिक्षु सीओ गायत्री ने भी जागरूक किया। एके पब्लिक इंटर कॉलेज में छात्राओं को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता के विषय में जागरूक किया गया। हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 स्वास्थ्य सेवा 102,108, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 व साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 आदि के बारे में जानकारी दी।

खेल प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

मझोला, अमृत विचार : संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राथमिक विद्यालय हसनपुर भगतनिया में किया गया। जिसमें संकुल स्तर के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें 100 और 200 मीटर दौड़, कबड्डी, खो खो, लंबी कूद, ऊंची कूद, टेनिस आदि खेल कराए गए। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ संकुल शिक्षक वसीम रशीद, राजेश शुक्ला, खेल शिक्षक नफीस अहमद, प्रसून सक्सेना आदि मौजूद रहे।

दौड़ में नीलेश और वसुंधरा आए प्रथम

पीलीभीत, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय संतोषपुरा में विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता बुधवार को कराई गई। संयोजक प्रधानाध्यापिका संघ मित्रा गौतम, सहसंयोजक गौरव वर्मा रहे। निर्णायक मंडल में ममता रानी, चमन आरा, सूर्य प्रकाश और राहुल रहे। 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में नीलेश, नवीन बालिका वर्ग में वसुंधरा, कल्पना क्रमशः प्रथम और द्वितीय रहे। बैडमिंटन डबल में अंशिका और वसुंधरा की जोड़ी बालिका वर्ग में अव्वल रही, जबकि बालक वर्ग में अजय और नीलेश की जोड़ी ने परचम लहराया। बालक वर्ग कबड्डी में नीलेश और बालिका वर्ग में वसुंधरा की टीम विजेता रही।

भाकियू भानु की पंचायत में उठे कई मुद्दे, समाधान की मांग

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानू की ब्लॉक स्तरीय मासिक पंचायत बुधवार को तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर राठौर की अध्यक्षता में ब्लॉक ललौरीखेड़ा परिसर में संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर मांग पत्र बीडीओ को दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष सुखलाल गंगवार ने कहा कि ललोरीखेड़ा ब्लॉक में भ्रष्टाचार चरम पर है। पात्र परिवारों को मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने कहा कि ललौरीखेड़ा ब्लॉक परिसर में पीने के पानी की किल्लत है। रामगोपाल प्रजापति ने कहा कि ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारी अपनी गलत आख्या लगाकर सही जांच नहीं कर रहे हैं। इस पर कार्रवाई की जाए। ग्राम पंचायत अमरगंज, मीरपुर, सैजना, कनाकोर, जटपुरा, जहानाबाद, रामनगर,मिलक आदि में खेतो मे जलभराव की समस्या बनी हुई है। इस मौके पर ओमप्रकाश राजपूत, बालमुकुंद प्रजापति, सुखलाल गंगवार, रामावतार मौर्य, ओमकार गंगवार सहित अन्य रहे।

न्यूज ब्रीफ

यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर किया सम्मानित

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी मनोज गुप्ता की पुत्री मलिका गुप्ता ने यूपीएससी की परीक्षा में भारतीय सांख्यकी सेवा में चयनित होने पर नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने उनके निवास पर शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। पूर्व पालिका अध्यक्ष अगवाल ने कहा कि बेटी मलिका गुप्ता ने नगर का नाम रोशन किया है। अन्य छात्राओं को भी मलिका से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर बाथम वैश्य महासभा के महामंत्री मिथिलेश गुप्ता, रामकृष्ण गुप्ता, संजय गुप्ता, सुनील शुक्ला, संजय कुमार गुप्ता, अरुण कुमार सिंह, अरविंद पांडेय मौजूद रहे।

पुलिस ने 16 मोबाइल मालिकों को लौटाए

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : बुधवार को कोतवाली परिसर में लाखों की कीमत के गुम हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। सीओ रमेश कुमार तिवारी के निर्देश पर कोतवाल अंबर सिंह के नेतृत्व में डिजिटल सर्विलांस और लोकेशन ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग कर इन गुम हुए मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया और वास्तविक मालिकों को लौटाया। कोतवाल अंबर सिंह ने कहा कि जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी पूंजी है। टीम में एसआई राजन कुमार, योगेश कुमार आदि शामिल रहे।

मछली पकड़ने के विवाद में पिता-पुत्र पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव झाऊपुर निवासी संकटा प्रसाद पुत्र जोधाराम ने बताआ कि उसका 10 वर्षीय पुत्र शोभित दिन में दो बजे सार्वजनिक तालाब में मछली पकड़ रहा था। तभी गांव निवासी अमित कुमार व उसके पिता इंद्रपाल वहां पहुंचे और उनके बेटे को गालियां देते हुए लात घूसों और डंडों से मारा पीटा। बीच बचाव करने जब उनकी पत्नी सरला देवी आई तो उन्हें भी मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

खरीददारी के लिए बाजार हो रहे गुलजा, दुकानदारों ने महिलाओं के लिए लगवाए फ्री मेहंदी शिविर

करवा चौथ कल: महिलाओं को पसंद आ रहे रग-बिरंगे करवा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- करवा चौथ पूजा मुहूर्त: शाम 07:58 बजे के बाद चंद्रमा के दर्शन हो जाने पर

अमृत विचार : शुक्रवार को करवाचौथ है। इसको लेकर महिलाएं खासा उत्साहित हैं। इसकी तैयारियों की खरीदारी के लिए देर रात तक बाजार गुलजार रहता है। महिलाएं व्रत पूजन सामग्री के साथ साड़ियां, शृंगार सामग्री और ज्वैलरी खरीदी रही हैं। इससे साड़ी, सराफा, मेहंदी से लेकर सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ बनी है।

पति की लंबी आयु के लिए रखा जाने वाला व्रत करवाचौथ शुक्रवार को मनाया जाएगा। महिलाएं दिन भर निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि विधान से पूजन करेंगी। इसके बाद चांद का दीदार कर चलनी से पति का चेहरा देखकर व्रत तोड़ेंगी। इस व्रत को लेकर महिलाएं काफी उत्साहित हैं। पर्व मनाने के लिए महिलाएं बुधवार से ही तैयारियां और खरीदारी करती रही। महिलाओं ने बाजार में साड़ी, लहंगा, चूड़ी, मेहंदी आदि के अलावा पूजा के लिए मिट्टी के सजावटी करवा भी खरीदे। दुकानदार राजू ने बताया कि महिलाओं को सजे हुए रंग बिरंगे करवे अधिक पसंद आ रहे हैं। हालांकि सादा करवे भी बिक रहे हैं, लेकिन आकर्षक सजे हुए करवे की बिक्री अधिक हो रही है। इसके साथ ही महिलाओं ने करवाचौथ का कैलेंडर, छलनी, सींक आदि की भी खरीदारी की। इसी तरह साड़ी के शोरूम और ज्वेलरी प्रतिष्ठानों पर भी रौनक नजर आई। महिलाओं ने जमकर खरीदारी की।

सौजन्या चौक के पास पूजन के लिए मिट्टी का करवा पसंद करती महिला। ● अमृत विचार

सोलह श्रृंगार कर विधि विधान से करें पूजन

करवाचौथ का व्रत सौभाग्य कांक्षणी स्त्रियों में अत्यंत लोकप्रिय है। करवाचौथ का व्रत 10 अक्टूबर शुक्रवार को किया जाएगा। चंद्रोदय के गणितागत समय 07 :58 बजे के बाद चंद्रमा के दर्शन हो जाने पर परंपरा तरीके से अर्घ्य देकर तथा करवा चतुर्थी से सम्बंधित पूजन कर इसे विधिवत सम्पन्न किया जाएगा। आचार्य पं. राजेश मिश्र शात्री ने बताया कि पहली बार व्रत रखने वाली नवविवाहिताएं 16 शृंगार कर दोनों हाथों में मेहंदी लगाकर पूजन करें। बताया कि करवाचौथ भारतीय परंपराओं में प्यार, विश्वास और वैवाहिक समर्पण का प्रतीक मानी जाती है।

महिलाओं को खूब पसंद आ रहीं बनारसी और कढ़ाई वाली डिजायनर साड़ियां

करवा चौथ पर सुहागिनों के सोलह शृंगार में मेहंदी भी शामिल है। इसके लिए दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों पर मेहंदी के फ्री कैंप भी लगवाए हैं। नहर पटरी पर स्थित साड़ी शोरूम संचालक नवीन साहनी ने बताया कि करवा चौथ पर सुहागिनों के लिए नि :शुल्क मेहंदी लगवाने की सुविधा दी जा रही है। महिलाओं को बनारसी और कढ़ाई वाली डिजायनर साड़ियां खूब पसंद आ रही हैं।

घर के बाहर गड्ढे में डूबने से डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत

निघासन, अमृत विचार: ढखेरवा नानकार के मजरा झिन्नापुरवा निवासी त्रिलोकी का डेढ़ वर्षीय पुत्र आदर्श आंगन में खेलते खेलते बाहर निकल गया और घर के बाहर बने गड्ढे में गिर गया। गड्ढे में पानी भरा था और बच्चा उसमें डूब गया। काफी देर बाद लोगों को घटना की जानकारी हुई तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि लड़के का पिता त्रिलोकी उत्तराखंड में मजदूरी करने गया है। बच्चे की मां खेत पर जानवरों के लिए चारा लेने गई थी। घर पर आदर्श के भाई बहन थे वो उन्हीं के साथ खेल रहा था। अचानक हुई दुर्घटना में बच्चे की मौत से घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

डॉक्टर की आत्महत्या: ब्लैकमेलिंग गैंग का खेल

छोड़ा सुसाइड नोट, महिला समेत सात पर रिपोर्ट दर्ज, कालाआम पीएचसी प्रभारी की आत्महत्या का मामला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

> मृतक डॉक्टर की पत्नी की तहरीर के आधार पर एक महिला समेत सात लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। मुकदमा वादिनी ने पुलिस को सुसाइड नोट भी दिया है। प्रकरण की गहराई से छानबीन की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।
>
> –विवेक तिवारी प्रशिक्षु आईपीएस, सीओ सिटी

अमृत विचार : थाना फरधान क्षेत्र में तैनात पीएचसी प्रभारी डॉ. विनोद भारती के आत्महत्या मामले में डॉक्टर के पास से मिले सुसाइड नोट के खुलासे से सनसनी फैल गई है। मृतक चिकित्सक की पत्नी सीमा गौतम ने एक महिला समेत सात लोगों के खिलाफ प्रताड़ित करने और समझौते के लिए 50 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि एक महिला, जिसने आया के रूप में काम शुरू किया, धीरे-धीरे ब्लैकमेलर बन गई। आरोप है कि महिला, उसके परिजनों ने अन्य कुछ लोगों के साथ मिलकर डॉक्टर को ब्लैकमेल कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया। झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और रुपये न देने पर मर जाने तक कह दिया।

गाजीपुर जिले के निवासी डॉ. विनोद कुमार भारती लगभग पांच वर्षों से कालाआम पीएचसी में अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। वह पीएचसी परिसर में बने सरकारी आवास में अपने दो बच्चों के साथ रहते थे, जबकि उनकी पत्नी सीमा गौतम सरकारी कर्मचारी होने के कारण लखनऊ में रह रही थी। तीन सितंबर को डॉक्टर ने अपने आवास पर जहरीला पदार्थ खा लिया था। अगले दिन उनकी लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

डॉ .विनोद कुमार भारती।

एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड लखनऊ निवासी पत्नी सीमा गौतम के मुताबिक उनके पति डॉ. विनोद कुमार भारती ने बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला माधुरी वर्मा को आया के रूप में काम पर रखा था। कुछ समय बाद माधुरी ने डॉक्टर को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उन्हें अपने गांव महमूदाबाद (सीतापुर) बुलाया और मंदिर में जबरन शादी कर ली। इसके बाद वह डॉक्टर को लगातार ब्लैकमेल कर रुपये की मांग करने लगी। आरोप है कि माधुरी वर्मा, उसके पिता मेधेलाल, भाई पवन कुमार वर्मा और अन्य लोगों ने मिलकर डॉक्टर भारती पर दबाव बनाया। धमकियों से परेशान होकर डॉक्टर ने करीब 900 वर्ग फीट जमीन का बैनामा माधुरी वर्मा के नाम कर दिया, लेकिन अत्याचार यहीं नहीं रुके। जुलाई 2025 में माधुरी फिर अपने परिजनों के साथ लौट आई और डॉक्टर से 50 लाख रुपये की दोबारा मांग करने लगी। उसने थाना फरधान पुलिस की मदद ली और फिर से सरकारी आवास में रहना शुरू किया।

पैसे नहीं दोगे तो मर जाओ... फिर खा लिया जहर

डॉक्टर की पर्स में एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस अधीक्षक के नाम लिखे इस सुसाइड नोट में अपनी मौत का जिम्मेदार माधुरी वर्मा, उसके पिता मेधेलाल, भाई पवन वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा, विक्रम वर्मा, अजय कुमार व योगेश वर्मा को ठहराया है। इन सभी के खिलाफ धन उगाही, धमकी, धोखाधड़ी और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। सीमा भारती का कहना है कि 3 अक्टूबर की शाम डॉ. विनोद कुमार भारती अंतिम बार माधुरी से मिलने गए। वहीं दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद माधुरी ने कहा कि अगर पैसे नहीं दे सकते तो जाकर मर जाओ, तभी पीछा छूटेगा। इस बात से आहत होकर डॉक्टर ने वहीं जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें जिला चिकित्सालय लखीमपुर से लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान 4 अक्टूबर की सुबह उनकी मृत्यु हो गई।

विवेचक पर भी लगे गंभीर आरोप

सदर कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मृतक डॉक्टर की पत्नी सीमा गौतम की तरफ से पखवाड़े भर पहले माधुरी देवी और उसके भाइयों आदि के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(3), 127(2), 316(2) व 308(6) के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी और विवेचना एसआई रमेश कुमार कन्नौजिया को सौंपी थी। आरोप है कि विवेचक ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। एफआईआर की जानकारी मिलते ही आरोपी महिला और उसके परिवार ने डॉक्टर पर दबाव व प्रताड़ना और बढ़ा दी। विवेचक आरोपी माधुरी देवी के प्रलोभन में आ गए और आरोपी योगेश वर्मा के माध्यम से उस पर समझौते का दबाव बनाना शुरू कर दिया। कई बार पति कोतवाली गए और कार्रवाई का निवेदन किया, लेकिन पुलिस उन्हें डरा धमकाकर वापस भेज देती थी।

औषधि निरीक्षक ने दो मेडिकल कराए बंद

संवाददाता, संपूर्णानगर

- बसही में छापामारी के दौरान दवाओं के बिल, रखरखाव व कागजात में मिलीं खामियां

अमृत विचार: जिले में औषधि विभाग की टीम ने बुधवार को संपूर्णानगर क्षेत्र के बसही कस्बे में स्थित दो मेडिकल स्टोरों पर छापा मारा। विश्वकर्मा मेडिकल और न्यू प्रताप मेडिकल स्टोर में अनियमितताएं मिलने पर दोनों प्रतिष्ठानों को अस्थाई रूप से बंद करा दिया गया।

छापेमारी के दौरान औषधि निरीक्षक बबिता चौधरी ने बताया कि विश्वकर्मा मेडिकल स्टोर पर कुछ प्रतिबंधित दवाएं पाई गईं। साथ ही, कई दवाओं के खरीद-बिक्री के बिल और स्टॉक रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराए जा सके। इन खामियों को गंभीर मानते हुए तत्काल स्टोर को सील कर बंद करने की कार्रवाई की गई। इसी दौरान टीम ने बसही के ही न्यू प्रताप मेडिकल स्टोर पर भी छापा मारा, जहां दवाओं का रखरखाव अव्यवस्थित पाया गया। कई महत्वपूर्ण कागजात और बिल बुक अधूरे होने के कारण इस स्टोर को भी अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। औषधि निरीक्षक ने स्टोर स्वामी को कागजात दुरुस्त कर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। औषधि निरीक्षक की टीम की कार्रवाई की खबर जैसे ही इलाके में फैली, बमनगर, खजुरिया, संपूर्णानगर समेत आसपास के कस्बों के कई मेडिकल संचालकों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए और भूमिगत हो गए।

औषधि निरीक्षक बबिता चौधरी ने बताया कि दोनों मेडिकल स्टोरों के स्वामियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। जांच रिपोर्ट और उत्तर से संतुष्ट होने पर ही उन्हें दोबारा संचालन की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोरों को दवा नियमावली के अनुरूप ही व्यवसाय करना होगा, अन्यथा सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वन्य प्राणी सप्ताह समापन पर प्रतियोगिताएं

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में चल रहे वन्य प्राणी सप्ताह का बुधवार को समापन हो गया। इस दौरान कई खेलकूद प्रतियोगिताएं कराईं गईं। दुधवा टाइगर रिजर्व का सर्वोच्च बिली अर्जुन सिंह पुरस्कार वन दरोगा जगदीश प्रसाद राना को मिला। उन्हें 50 हजार रुपये और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद गतिविधि में आरुष मिश्रा विवेकानंद एकेडमी, अर्श सिंह ला मार्टिनियर स्कूल और मो. अदनान दि इण्डियन एकेडमी) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान मिला। नाकडाउन गेम, पिक एण्ड प्लेस, मानव-वन्य जीव सह-अस्तित्व मॉडल प्रस्तुतीकरण, लंबी कूद, 100 मीटर दौड़, रस्साकसी और गोला फेंक प्रतियोगिताओं में विजेताओं को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजेता छात्रों को शील्ड देते पार्क के अधिकारी। ● अमृत विचार

- विजेता छात्र-छात्राओं के अलावा अधिकारी व कर्मचारी भी सम्मानित
- वन दरोगा जगदीश प्रसाद राना को मिला सर्वोच्च बिली अर्जुन सिंह पुरस्कार

दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। विजेता अधिकारियों, कर्मचारियों के सात ही वन एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

वनकर्मियों का श्रेष्ठ बिल्ली अर्जुन सिंह पुरस्कार 50000 रुपये व प्रशस्ति पत्र मेडल वन दरोगा जगदीश प्रसाद राना को टाइगर हेवन सोसायटी के संरक्षक जयराज सिंह ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक डीटी आर रमेश कुमार ने किया। इस मौके पर दुधवा टाइगर रिजर्व के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एसडीएम सीओ ने किया पटाखा दुकानों का निरीक्षण

पसगवां, अमृत विचार: दीपावली पर होने वाली आतिशबाजी को लेकर एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू आर व सीओ अरुण कुमार सिंह ने पसगवां, बरवर व जंगबहादुरगंज पहुंचकर पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। एसडीएम व सीओ ने स्थायी दुकानों पर स्टाक व सुरक्षा के उपकरण चेक किए।

उन्होंने निर्धारित क्षमता व सुरक्षा मानकों के अनुसार ही पटाखा बिक्री करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने दिवाली पर लगने वाली अस्थाई पटाखा बाजार से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था भी जानी। बाजार में पानी, अग्निशमन गैस सिलेंडर, बालू की मौजूदगी के साथ निर्धारित मानकों व दूरी पर दुकानें लगाने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि अगर मानकों में कोई कमी मिली तो दुकानों का लाइसेंस निरस्त करने के साथ ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक विवाद में बुजुर्ग नहर में कूदा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना खीरी क्षेत्र में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया। जब एक 55 वर्षीय बुजुर्ग ने पारिवारिक विवाद से आहत होकर शारदा नहर में छलांग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को नदी में उतारा और उसकी तलाश कराई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

थाना खीरी क्षेत्र के गांव ककरहा निवासी संतोष कुमार का बुधवार सुबह घर में किसी पारिवारिक विवाद को लेकर मनमुटाव हो गया था। बताया जा रहा है कि वे घर से बिना बताए निकल पड़े और शारदा नहर पर बने अमृतागंज पुल के पास पहुंचे। घटना के चश्मदीद ग्रामीणों के अनुसार संतोष कुमार पुल की रेलिंग के पास कुछ देर खड़े रहे और अचानक गहरे पानी में कूद गए। इससे वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाया और उन्हें नहर में उतारकर उसकी तलाश शुरू कराई। इसी बीच तलाश करते हुए परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शाम तक पुलिस व गोताखोरों की टीम ने नहर के दोनों किनारों पर खोजबीन की, लेकिन खबर लिखे जाने तक बुजुर्ग का पता नहीं चल सका था।

शारदा नहर के किनारे लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

- गोताखोरों की मदद से तलाश में जुटी पुलिस, परिवार में कोहराम

एसओ निराला तिवारी ने बताया कि नहर में बहाव तेज होने के कारण खोज में दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन तलाशी अभियान रात तक जारी रहेगा।

पुलिस ने आसपास के थानों को भी अलर्ट कर दिया है ताकि यदि शव बहाव के साथ किसी अन्य क्षेत्र में जाए तो तुरंत बरामद किया जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि संतोष कुमार कुछ दिनों से पारिवारिक तनाव में थे, लेकिन उन्होंने ऐसा कदम उठाएंगे यह किसी ने नहीं सोचा था।

बाइक की टक्कर से दो युवक घायल

बेहजम, अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र में बाइक की टक्कर से दो युवक घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भेजा गया, जहां से हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

नीमगांव थाना क्षेत्र के कोढय्या गांव निवासी वसीम (25) पुत्र मुन्ना बेहजम बाजार से सब्जी खरीदकर अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में परसेहरा क्रेशर के पास उनकी सब्जी का थैला सड़क पर गिर गया। वसीम सड़क पर उतरकर बिखरी हुई सब्जी उठाने लगा। इसी बीच बेहजम से सब्जी खरीदकर अतरौली गांव जा रहे शुभम अवस्थी की बाइक ने वसीम को टक्कर मार दी। इस भिड़ंत में वसीम और शुभम दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस 108 से सीएचसी भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर दोनों घायलों का जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

शौच को गई किशोरी का शव बरामद, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- परिजनों का दावा, किशोरी के गले पर थे चोटों के निशान

अमृत विचार: थाना खीरी की पुलिस चौकी ओयल क्षेत्र में शौच करने के लिए खेतों की तरफ गई 14 साल की किशोरी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव खेत में बरामद हुआ। परिजनों का दावा है कि किशोरी के गले पर चोटों के निशान बने थे। उन्होंने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

गांव मोतीपुर के मजरा लोनपुरवा निवासी सुरेश उर्फ पुजारी ने बताया कि पुत्री नन्दिनी रोज की तरह बुधवार की सुबह सुबह करीब छह बजे शौच को घर से निकली थी, जब वह काफी देर वापस नहीं आई तो तलाश की गई तो उसका शव गन्ने के खेत में बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि बेटी के गले पर चोटों के निशान बने थे। उनका कहना है कि गांव के ही कुछ लोगों से उनकी रंजिश चल रही है। उन्हीं लोगों ने उनकी पुत्री की हत्या कर दी और शव खेत में छोड़कर भाग निकले।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि मृतक किशोरी के गले पर किसी के जूते का निशान भी बना था। घटना की सूचना मिलने के बाद एसओ निराला तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। एसपी संकल्प शर्मा भी मौके पर पहुंचे और परिवार वालों से जानकारी थी। घटना स्थल को देखा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि शव का पैनल से पोस्टमॉर्टम कराया गया। रिपोर्ट में सांप के काटने से किशोरी की मौत होना बताया जा रहा है। परिजनों की तहरीर पर एक नामजद सहित एक अज्ञात के खिलाफ हत्या की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जमुका ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार किए सीज

संवाददाता, पसगवां

> अभी सभी सचिवों की फाइल नहीं मिल सकी है। मामले की संपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने पर सचिवों के खिलाफ भी ठोस कार्रवाई की जाएगी।
>
> –विशाल सिंह, डीपीआरओ।

- नहीं मिला पूरा न्याय, सभी सचिवों पर भी हो कार्रवाई: शिकायतकर्ता

अमृत विचार: ब्लॉक की ग्राम पंचायत जमुका में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होने पर डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं। साथ ही प्रधान से 13.53 लाख रुपये की वसूली करने की संस्तुति भी की है, लेकिन शिकायतकर्ता शैलेंद्र कुमार इससे संतुष्ट नहीं है। उनका आरोप है कि संबंधित दोषी सचिवों को बचाया जा रहा है। अभी उसे पूरा न्याय नहीं मिला है।

शिकायतकर्ता शैलेंद्र कुमार की शिकायतों पर जिला विकास अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी ने अलग-अलग तीन बार जांच की और हर जांच में बड़े भ्रष्टाचार की पुष्टि हुई है। डीएसओ व डीपीआरओ की जांच में सामुदायिक शौचालय मरम्मत में 89 हजार, खड़ंजा निर्माण व स्कूलों की बाउंड्रीवॉल में 8.56 लाख, ग्राम निधि से नल मरम्मत में 95,550 रुपये और पंचायत भवन के फर्नीचर, स्ट्रीट लाइट व रिबोर आदि में 1.14 लाख खर्च होने के कोई कागजात न मिलने से वित्तीय दुरुपयोग का मामला भी उजागर हुआ था।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने ग्राम प्रधान पर कार्रवाई करने की संस्तुति की है। इधर शैलेंद्र कुमार का कहना है कि अभी उसे पूरा न्याय नहीं मिला है, क्योंकि सिर्फ प्रधान ही पूरे मामले में दोषी नहीं है बल्कि संबंधित सचिव भी दोषी हैं, जिन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। उसने यह भी कहा है कि जबतक संबंधित सचिवों पर कार्रवाई नहीं होती है तब तक वह चुप नहीं बैठेगा। उसका कहना है कि विकास के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग करने के दोषियों में मौजूदा सचिव कौशल किशोर सहित पूर्व में रहे अन्य सचिव भी हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में सबसे बड़ी बात यह है कि विकास कार्यों से संबंधित फाइलें और दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं जबकि कार्यों से जुड़े सभी दस्तावेजों को रखने की जिम्मेदारी सचिव की ही होती है। सचिवों पर कार्रवाई न होने तक भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग जारी रहेगी। जो फर्में सचिवों की फाइल पूरी कराने में फर्जी तरह से बिल बाउचर उपलब्ध करा रही हैं, जल्द ही संपूर्ण तथ्यों के साथ उनकी भी शिकायत की जाएगी।

जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है

बरवर, अमृत विचार : चंदन लाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज भौनापुर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य धर्मेंद्र ने बताया कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। हम सभी को ज्ञात होना चाहिए हमारा धर्म सनातन है। इसके अलावा जो भी धर्म है, वह पंथ है। हमारे ग्रन्थ वेद हैं। हम कहां के निवासी हैं। हमारे देश का पहले नाम आर्यावर्त था। बाद में अजनाभ वर्ष और उसके बाद भगवान के एक अवतार ऋषभ देव जी हुए जिनके 100 पुत्र थे। बड़े पुत्र का नाम भरत था। उन्हीं के नाम से हमारे देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। भागवत कथा के मुख्य यजमान विद्यालय के प्रबंधक सुरजन लाल वर्मा हैं।

संदिग्ध हालात में व्यक्ति के पैर में लगी गोली

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर की सेठ कॉलोनी अर्जुनपुरवा निवासी भारत सेठ (52) के पैर में मंगलवार देर रात गोली लगी है। हालांकि, गोली खुद लगी या किसी ने मारी यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटना के बाद परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ भेज दिया। शहर कोतवाल राजेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम को भारत सेठ के घर भेजा गया, लेकिन वहां कोई मौजूद नहीं था।

उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में भी घायल की एंट्री दर्ज नहीं है, इसलिए घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

स्व. श्री अवधेश चन्द्र मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष जिला संयुक्त बार एसो. पीलीभीत) 9-10-2019

षष्टम् पुण्यतिथि

आपकी मधुर स्मृति, स्नेह आदर्श, मार्गदशर्नन, आशीर्वाद हमारे लिए सदैव प्रेरणादायक रहेंगे। आपकी पुण्यतिथि पर समस्त परिवारजन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

"आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहे"

श्रद्धावनत:- आनन्द मिश्रा 'एडवोकेट' (महासचिव जिला संयुक्त बार एसो. पीलीभीत) (पुत्र), आयुष्मान मिश्रा (पौत्र), रमेश चन्द्र मिश्रा (भाई), अखिलेश चन्द्र मिश्रा 'एडवोकेट' (भाई), देश दीपक मिश्रा 'एडवोकेट' (भाई) एवं समस्त मिश्रा परिवार पीलीभीत।

मो.9412495886, 9027602021

संस्कृत कवि सम्मेलन ने बिखेरी संस्कृति और संस्कारों की सुगंध

दशहरा मेलाः कार्यक्रम का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष की मौजूदगी में मुख्य अतिथि ने दीप जलाकर किया

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : ऐतिहासिक दशहरा मेला में सांस्कृतिक श्रृंखला के चतुर्थ दिवस संस्कृत कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मेले के सांस्कृतिक मंच पर संस्कृत कवि सम्मेलन सुन दर्शक भाव विभोर हो गए।

कार्यक्रम का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव की मौजूदगी में मुख्य अतिथि कुं. राघवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि युवा वैज्ञानिक मुनीर खान और अभय पुरी मौजूद रहे। संचालन समाजसेवी राममोहन गुप्त ने किया। पश्चात प्रतिष्ठित कवियों ने संस्कृत में अपने ओजस्वी काव्य-पाठ प्रस्तुत किया। संस्कृत श्लोकों की गूंज ने वातावरण को भक्ति, ज्ञान और संस्कृति की सुगंध से सुवासित कर दिया। इसी बीच मेले में सजे रंग-बिरंगे स्टाल, दुकानों की रौनक और बच्चों की खिलखिलाहट से गूंजते झूले इस आयोजन को लोकजीवन से जोड़ते रहे। मेले का यह अनूठा संगम संस्कृति, साहित्य और लोकमंगल का अद्भुत रूप प्रस्तुत करता रहा। इस मौके पर समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, मेला अध्यक्ष कौशल तिवारी, भारतीय अवधी समाज के महासचिव डॉ. पीके गुप्ता, श्वेता शर्मा, इंजी. दुर्गेश वर्मा, बजरंग शर्मा आदि मौजूद रहे।

संस्कृत कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

मेला में आज

● दशहरा मेला के सांस्कृतिक मंच प पंजाबी संगीत सम्मेलन का आयोजन शाम 07 :30 बजे।

सांस्कृतिक मंच पर दीप प्रज्ज्वलन कर संस्कृत कवि सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

न्यूज ब्रीफ

जयगुरुदेव आश्रम में हुआ सत्संग

पसगवां, अमृत विचार : जंगबहादुरगंज के जयगुरुदेव आश्रम में सीतापुर से आए नत्था सिंह ने कहा कि मानव शरीर बेशकीमती है। इसे पाने के लिए देवी-देवता भी तरसते हैं। इस शरीर से ही ऊपर के लोकों को जाने का रास्ता है। जिसे पाकर जन्म मृत्यु से मुक्ति मिल जाती है। बाबा जयगुरुदेव महाराज के बताए मार्ग को अब बाबा के उत्तराधिकारी पूज्य पंकज जी महाराज बताते हैं। सत्संग में बाबा जयगुरुदेव के आश्रम मथुरा में 28 नवंबर से दो दिसंबर तक दादा गुरु घूरेलाल जी महाराज की 77वीं पुण्य स्मृति में आयोजित वार्षिक भंडारा महोत्सव में भाग लेने की अपील की गई। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सिंह, खुशीराम, रामअवतार, माया प्रसाद, राजीव, वीरेंद्र, नरेश कुमार सहित भारी संख्या में बाबा के भक्त मौजूद रहे।

नेत्र शिविर में बच्चों की जांची गईं आंखें

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर मां शारदे विद्या मंदिर में नेत्र परीक्षण शिविर में डॉ. विपुल गुप्ता ने विद्यार्थियों की आंखों की जांच की, जिनमें पांच बच्चों अल्फिशा, शिवा वर्मा, अंश, अनम और जीशान की दृष्टि में हल्की दिक्कत पाई गई। डॉक्टर ने विद्यार्थियों को आंखों के लिए गाजर, दूध, फल, हरी सब्जी खाने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों से जंक फूड का सेवन करने से बचने की सलाह दी। कहा कि जंक फूड में आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी विटामिन, खनिज और जिंक की कमी होती है। विद्यालय प्रबंधक माधुरी अवस्थी, प्रधानाचार्य श्याम किशोर अवस्थी सहित शिक्षक, कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

मझगईं, अमृत विचार : सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में आरएसएस विजया दशमी उत्सव कार्यक्रम पथ संचलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संघ के 100 वर्ष पर त्रिलोकपुर पलिया मंडल पथ संचलन कार्यक्रम जिला प्रचारक शिव प्रकाश आर्यावर्त, नगर खंड विस्तारक योगेन्द्र, सह जिला सेवा प्रमुख शिवनाथओझा, खंड कार्यवाह आशीष, प्रधानाचार्य अतुल तिवारी, सह जिला कार्यवाह बलजीत, प्रधानाचार्य सुनील आदि रहे।

कागजों में सिमट गई महिला सुरक्षा की एंटी रोमियो टीम

भानपुर, अमृत विचारः महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए गठित एंटी रोमियो स्क्वायड अब सिर्फ कागजों में ही दौड़ती है। क्षेत्र में आए दिन छेड़छाड़ और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस की विशेष टीम कहीं दिखाई नहीं देती। मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालने के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने स्कूलों, चौराहों, बैंकों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर एंटी रोमियो स्क्वायड की तैनाती के निर्देश दिए थे, ताकि महिलाओं और बालिकाओं के साथ किसी प्रकार की घटनाएं न हों, लेकिन भीरा थाना और बिजुआ चौकी क्षेत्र में यह टीम न के बराबर दिख रही है। स्कूलों की छुट्टी के समय चौराहों पर मनचलों का जमावड़ा आम बात है, जो बाइक से स्टंट करते और लड़कियों से छेड़छाड़ करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब कोई बड़ी वारदात होती है तभी एंटी रोमियो स्क्वायड की मौजूदगी दिखाई देती है। पुलिस भले ही मिशन शक्ति अभियान चला कर बालिकाओं और महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने की कोशिश कर रही हो, लेकिन एंटी रोमियो टीम की लापरवाही से महिलाओं और बालिकाओं में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

सचिन अध्यक्ष और शोभना चेयरपर्सन निर्वाचित

जेसीआई के नव निर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● जेसीआई लखीमपुर का वार्षिक चुनाव सम्पन्न

अमृत विचारः जेसीआई लखीमपुर खीरी का वार्षिक चुनाव सौभाग्य पैलेस सभागार में सम्पन्न हुआ। कई दिनों तक चली चुनाव प्रक्रिया के बाद चुनाव अधिकारी कुमार उत्कर्ष, चुनाव सचिव सौरभ वर्मा और चुनाव संकलन अधिकारी राजेश पटेल के मार्गदर्शन में, संस्थाध्यक्ष शुभम टंडन के नेतृत्व में चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आगामी सत्र 2026 हेतु सचिन अग्रवाल को अध्यक्ष, आलोक शुक्ला, ऋतिक शाहू, विश्वास सेठ और अंकित मित्तल को उपाध्यक्ष, राहुल अग्रवाल को सचिव, सैयद असद हुसैन को सहसचिव और कुशाग्र अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। जेसीरेट विंग (महिला शाखा) हेतु शोभना गुप्ता को चेयरपर्सन, मुक्ति अग्रवाल उप-चेयरपर्सन और श्वेता अग्रवाल सचिव चुनी गईं। पूर्वाध्यक्षों को चुनाव समिति में शामिल किया गया।

इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, पूर्वाध्यक्ष राममोहन गुप्ता, दिनेश कुमार गुप्ता, आर्येंद्र पाल सिंह, विशाल सेठ सहित तमाम सदस्य मौजूद रहे। संस्था के मीडिया प्रभारी और पूर्वाध्यक्ष आर्येंद्र पाल सिंह ने बताया कि चुनाव बहुत ही सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में निर्विरोध सम्पन्न हुआ।

बाढ़ से टूटी सड़कें, मरम्मत की नहीं ली सुधि

संवाददाता, मूड़ा सवारान

● सड़कों का बुरा हाल, गहरे गड्ढों से हो रही दिक्कत

अमृत विचारः बाढ़ ने पहले से खराब सड़कों का हाल और खराब कर दिया है। तराई क्षेत्र की ऐसी कोई सड़क नहीं जो सही हो। सड़कों के गड्ढे हादसे का कारण बन रहे हैं।

सड़कों की मरम्मत न होने से आवागमन खतरनाक हो गया है, लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। पिछले दिनों आई बाढ़ से सड़कों के गड्ढे और गहरे हो गए हैं। इन गड्ढेदार सड़कों पर वाहन लेकर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं है।

बड़े-बड़े गड्ढे सड़कों की खराब दशा से पैदल निकलना तक दूभर है। जबकि इन्हीं सड़कों से प्रतिदिन सैकड़ो किसानों की आवाजाही होती है। किसान ट्रैक्टर ट्राली लेकर इन्हीं सड़कों से खेतों तक जाते हैं। क्षेत्र के गांव जौहरा, सिंधिया फॉर्म, मेहंदी, बहाली पुरवा, गुजारा आदि गांव के लोगों के लिए निकलने वाली सड़कों की दशा अत्यंत खराब है। सड़कों का आधा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसे कोई देखने वाला नहीं है। इन्हीं खराब सड़कों से सैकड़ो ग्रामीण और स्कूली बच्चे प्रतिदिन आवागमन करते हैं।

जिन्हें सड़क पर निकलते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार राहगीर गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं। ग्रामीणों को गड्ढा मुक्त सड़क मुहैया कराने के लिए न ही प्रशासन संजीदा है और न ही लोक निर्माण विभाग।

यह स्थिति तब है जब हर साल सीएम योगी बारिश से पहले सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का फरमान जारी करते हैं। ग्रामीणों द्वारा अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन जिम्मेदार संज्ञान नहीं ले रहे हैं।

बाढ़ के पानी से बदहाल हुई सड़क।

संपूर्णानगर टीम ने जीता क्वार्टर फाइनल मैच

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः नगर के लखीमपुर रोड पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में बुधवार को जिला फुटबाल संघ द्वारा कराये जा रहे टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल मैच गोला स्टेडियम क्लब और संपूर्णानगर टीम के बीच खेला गया। मुख्य अतिथि प्रवीण गुप्ता ने टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच शुरू कराया। दोनों टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में संपूर्णानगर की टीम ने 3-2 से जीत दर्ज कर ली। क्वार्टर फाइनल मैच में कमेंट्री राजेंद्र निषाद ने की। अरशद काजी, अमन कुमार, नाजिम निर्णायक रहे। गुंजन मिश्रा, जिला फुटबॉल संघ सचिव अफसर अली, हाजी अकील अहमद, कफील अहमद, मनोज गिरि, रजत गुप्ता, वारिस, कमाल अहमद, संस्कार शुक्ल आदि मौजूद रहे।

गांव सिसौरा नासिर में सीएमओ ने जाने हालात

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचारः डेंगू और मलेरिया फैलने की खबरों के बाद बुधवार को सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने गांव सिसौरा नासिर का दौरा किया। उन्होंने गांव में आयोजित हेल्थ कैंप का निरीक्षण किया और आमजन से सीधे संवाद कर स्वच्छता व मच्छर नियंत्रण को लेकर जागरूक किया। डॉक्टर के गैरहाजिर मिलने पर सीएमओ ने वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही डॉक्टर से स्पष्टीकरण तलब किया है।

गांव सिसौरा नासिर में फैले संक्रामक रोगों के चलते अज्ञात बुखार से बीते दिनों में पांच मौतें हो चुकी हैं। इससे पहले एसडीएम मोहम्मदी चालुअराजु आर और डिप्टी सीएमओ डा अमित सिंह ने भी गांव में आकर हालचाल ले चुके हैं। सीएमओ डॉक्टर संतोष कुमार गुप्ता ने गांव में लगे स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। गांव में पीएचसी का भी निरीक्षण करते हुए पसगवां सीएचसी अधीक्षक डॉ. अश्वनी वर्मा को निर्देश दिए कि पीएचसी पर चिकित्सक व दवा पर्याप्त मात्रा में मौजूद रहे।

सीएमओ ने ग्रामीणों से घरों में सफाई रखने व पीने के लिए आरओ या गर्म किया हुआ पानी उपयोग करने की सलाह दी। हेल्थ कैंप में अब तक 724 लोगों का परीक्षण किया जा चुका है। इनमें 218 लोगों की डेंगू और 398 लोगों की मलेरिया जांच की गई है। आरडीटी टेस्ट में डेंगू के तीन संभावित मरीज मिले हैं, जिनके नमूने एलाइजा जांच के लिए जिला चिकित्सालय भेजे गए हैं। दूसरे दिन स्वास्थ्य शिविर में 87 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। मलेरिया की 47 व डेंगू की 27 जांच की गई। अधीक्षक डॉक्टर अश्वनी वर्मा ने बताया कि मंगलवार को जांच में दो और बुधवार की जांच में एक मरीज में डेंगू के लक्षण मिले हैं। तीनों के सैम्पल एलाइजा जांच के लिए जिला अस्पताल भेजे हैं।

● निरीक्षण के दौरान जांच में मिले एक मरीज में डेंगू के लक्षण

स्थिति सामान्य होने तक प्रशासन ने गांव में छह सफाई कर्मचारी लगा दिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक नंद किशोर दीक्षित ने विकास खण्ड की टीम के साथ गांव में गंदगी देखी। ग्रामप्रधान ने उन्हें बताया कि नियमित सफाईकर्मी नही है।

उन्होंने जल्द कर्मचारी नियुक्ति किए जाने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक कर्मचारी नहीं नियुक्त होता तब तक ब्लाक स्तरीय टीम सफाई करती रहेगी। उधर निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने पीएचसी पर डॉक्टर के नियमित रूप से उपस्थित न होने की शिकायत की। इस पर सीएमओ ने अधीक्षक को संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य शिविर में जानकारी लेते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

> ग्रामीणों को साफ-सफाई रखने, मच्छरों से बचाव व खानपान से जुड़े दिशा निर्देश दिए गए है। स्वास्थ्य विभाग की टीम निरंतर गांव में मौजूद है। संक्रमण का प्रभाव व मरीजों की संख्या पहले से कम हुई है।
>
> -डॉ. संतोष कुमार गुप्ता सीएमओ

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना हैदराबाद के गांव हरिहरपुर ग्रंट निवासी रमाकांत ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 21 सितंबर को वह अपने पिता नत्थूलाल के साथ गोला जाने के लिए अपने गांव की मोड़ के पास खुटार मार्ग पर खड़े होकर वाहन का इंतजार कर रहे थे। तभी संसारपुर की ओर से आ रही पिकअप के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पिता को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनके पिता की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

जेसीबी से बनाए गए अस्थाई नाले से मिला राहत का रास्ता

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः बरसात से हुए भीषण जलभराव के कारण गांव सिन्हौना के किसानों की सैकड़ों बीघा धान और गन्ने की फसलें बर्बादी की कगार पर थीं। बुधवार को मौके पर पहुंची राजस्व और विकास विभाग की टीम ने जेसीबी लगवा कर सेक्टर मार्ग को काटकर अस्थायी नाला बनाया। नाले के माध्यम से खेतों में भरा बरसाती पानी जौरहा नदी में गिराया गया। पानी निकलने से किसानों ने राहत की सांस ली है। उधर ग्राम प्रधान ने जबरन नाला खुदाई का आरोप लगाया है।

गाटा संख्या 1749 पर पहले से जल निकासी के लिए एक पुराना नाला दर्ज था, लेकिन समय के साथ नाले के पट जाने और उस पर अवैध कब्जा हो जाने से बरसाती पानी का बहाव रुक गया था। इससे सिन्हौना ग्राम पंचायत के किसानों के खेतों में तीन से चार फीट तक पानी भर गया और धान व गन्ने की फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गईं। किसानों ने सामूहिक रूप से एसडीएम निघासन राजीव निगम से मुलाकात कर

पानी निकालने के लिए नाला निर्माण की मांग की थी। एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो देवीचंद्र द्विवेदी ने राजस्व टीम के साथ गांव पहुंचकर जेसीबी से सेक्टर मार्ग को खोदकर अस्थायी नाली बनवाया, जिससे खेतों का पानी नदी में बहने लगा। ग्राम प्रधान हरपाल सिंह मूर्तियां ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गाटा संख्या 1749 पर दर्ज नाला राजस्व अभिलेखों में मौजूद है, जिसे नदी के बहाव में आई बालू ने पाट दिया था। उन्होंने बताया कि नाले पर गांव के ही सुरेश कुमार का पट्टा आवंटित कर दिया गया था। प्रधान का आरोप है कि राजस्व विभाग ने पुलिस बल के सहयोग से सेक्टर मार्ग में जबरदस्ती नाला खुदवाया,

कानूनगो देवीचंद्र द्विवेदी ने बताया कि किसानों की सैकड़ों बीघा फसल जलभराव में डूब चुकी थी। धान की कटाई संभव नहीं थी। किसानों की शिकायत पर तत्काल राहत के लिए सेक्टर मार्ग पर अस्थायी नाला बनवाकर बरसाती पानी को जौरहा नदी में गिराने की व्यवस्था की गई। ग्राम विकास अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि प्रशासन ने किसानों की राहत और फसल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कदम उठाया है।

● जलभराव से सैकड़ों बीघा धान और गन्ने की फसल डूबी, किसान थे परेशान

नाले की खुदाई करती जेसीबी। ● अमृत विचार

मौके पर मौजूद अधिकारी व ग्रामीण। ● अमृत विचार

पेंशनरों ने की अधिवेशन व पत्रिका प्रकाशन पर चर्चा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था जनपद शाखा की बैठक बुधवार को संस्था भवन जिला कोषागार परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. ओपी श्रीवास्तव ने की। बैठक में अधिवेशन और पत्रिका प्रकाशन पर चर्चा की गई। बैठक का आरंभ संरक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना के साथ किया। कोषाध्यक्ष हताब अली ने कोष की जानकारी दी। नए सदस्यों का नामांकन और पुराने सदस्यों के नवीनीकरण पर विशेष बल दिया गया। डॉ. ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने 19 नवंबर को होने वाले द्विवार्षिक अधिवेशन की रूपरेखा प्रस्तुत की और सभी से आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। महामंत्री नरेश चंद्र वर्मा ने पेंशन कम्यूटेशन विषय पर जानकारी दी। बैठक में संस्था की पत्रिका पेंशनर्स दर्पण के अंक के लिए लेख, कविताएं, प्रेरक कहानियां और पारिवारिक चुटकुले मांगने का निर्णय लिया। इच्छुक सदस्य अपनी रचनाएं 10 अक्टूबर तक मुख्य संपादक रघुनंदन झा को सौंप सकते हैं। बैठक में प्रमुख रूप से राम बहादुर मित्रा, राम टहल वर्मा, उमेश चंद्र श्रीवास्तव और अवधेश सिंह चौहान आदि रहे।

उत्साह के साथ खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

डीएम ने ली मार्च पास्ट की सलामी, सतरंगी गुब्बारों एवं कबूतरों को उड़ाकर दिया शांति का संदेश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: तीन दिवसीय 74वीं जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की शुरुआत बुधवार को जीआईसी मैदान में बेहद उत्साह और उमंग के बीच हुई। प्रतियोगिताओं का उद्घाटन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर किया। डीएम ने मार्च पास्ट की सलामी ली और तिरंगे गुब्बारों को उड़ाकर शांति का संदेश दिया। हवा में लहराते तिरंगे गुब्बारे मानो बच्चों के सपनों की उड़ान का प्रतीक बन गए।

प्रतियोगिताओं के आरंभ के मौके पर डीएम ने खिलाड़ियों को मशाल देकर शुरुआत की। पश्चात डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि इस आयोजन में प्रतिभाग करने वाले बच्चे विशेष प्रतिभावान और सौभाग्यशाली है, जिनकों इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चों का पूर्ण शारीरिक व मानसिक विकास होता है। कहा कि हर क्षेत्र के लिए अच्छी प्रतिस्पर्धा खेल का मैदान ही सीखता है। विजयी होने पर अभिमान नही आना चाहिए और हारने पर अपने प्रतिद्वंदी के विरुद्ध ईष्या का भाव भी नहीं आनी चाहिए। विजयी होने से ज्यादा अपनी जीत को बरकरार रखता महत्वपूर्ण होता है।

डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने प्रतिभागियों से अपील की कि अनुशासित ढंग से खेल भावना

तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर शांति का संदेश देतीं डीएम। ● अमृत विचार

एथलेक्टिक्स स्पर्धाओं के आरंभ पर खिलाड़ियों को मशाल देतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

ध्वज लेकर मार्च पास्ट करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

● डीएम ने किया एथलेटिक्स मीट का उद्घाटन

के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जाये तो अधिक आनंद आता है। उक्त रैली में जनपद के समस्त विकास खंडों के विद्यालयों के विजयी प्रतिभागी खिलाड़ियों के द्वारा प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के संयोजक जीआईसी प्रधानाचार्य डॉ. जगत प्रकाश सिंह ने बताया कि जनपदीय प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागी मंडलीय खेलों में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ. ईशविंदर सिंह, सीमा टंडन, शालिनी दुबे सहित विभिन्न विभागों के प्रधानाचार्य अध्यापक एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे मौजूद रहे।

ट्रेन में सवार यात्रियों से संवाद करतीं एडीआरएम नीतू। ● अमृत विचार

एडीआरएम ने रेल यात्रियों से किया संवाद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● अमृत संवाद कार्यक्रम: स्वच्छता और सुविधाओं पर दिया जोर

अमृत विचार: स्वच्छता पखवाड़ा के तहत बुधवार को लखीमपुर रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन नीतू ने स्टेशन परिसर और प्लेटफार्म पर पहुंचकर यात्रियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं व सुझावों को भी जाना।

इस दौरान प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेन से एक यात्री ने नमकीन और बिस्किट के रेपर फेंक दिए। यह देखकर एडीआरएम नीतू ने नाराजगी जताई और उसी यात्री से कूड़ा उठवाकर डस्टबिन में डालवाया। उन्होंने यात्रियों को प्लेटफार्म और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। यात्रियों ने डालीगंज-मैलानी रेलखंड पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने और स्टेशन पर ठहराव समय दो मिनट से बढ़ाकर पांच मिनट करने की मांग की। नीतू ने यात्रियों से अपील की कि वे प्लास्टिक बैग के बजाय कपड़े के थैले का उपयोग करें और स्वच्छता कर्मियों का सहयोग करें। इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता और सहायक वाणिज्य प्रबंधक मुकेश कुमार भी रहे।

परीक्षा की जिम्मेदारी अत्यंत संवेदनशील

बैठक में दिशा निर्देश देतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● बैठक में डीएम बोलीं-किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी चूक भी अक्षम्य मानी जाएगी

● 12 को होगी पीसीएस, एसीएफ, आरएफओ की प्रारंभिक परीक्षा सभी को दिए निर्देश

अमृत विचार: 12 अक्टूबर को होने वाली राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा एवं एसीएफ/आरएफओ (प्रा०) परीक्षा को लेकर बुधवार को गुरु नानक इंटर कॉलेज सभागार में कक्ष निरीक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक का संचालन एडीएम (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी ने किया।

अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सभी निरीक्षकों को स्पष्ट संदेश दिया कि आप सब इस परीक्षा की रीढ़ हैं, किसी की जरा सी चूक भी अभ्यर्थियों के भविष्य पर भारी पड़ सकती है। डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी एक अत्यंत संवेदनशील कार्य है, जिसमें किसी भी स्तर पर की गई छोटी से छोटी चूक भी अक्षम्य मानी जाएगी।

डीएम ने कहा कि हर निरीक्षक को अपने दायित्वों की जानकारी होनी चाहिए। परीक्षा से पहले सभी निर्देशों का अध्ययन करें और केंद्र पर समय से पहुंचें। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और अनुशासन ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एडीएम (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी ने कक्ष निरीक्षकों को उनके कार्य-दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने परीक्षा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र पर प्रवेश, सीलिंग, उत्तर पुस्तिका संकलन से लेकर रिपोर्टिंग तक के बारे में विस्तारपूर्वक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सतर्कता और समय पालन ही निष्पक्ष परीक्षा की कुंजी है। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस मनीष धारवे, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा, आयोग के समन्वयी पर्यवेक्षक कक्ष निरीक्षक मौजूद रहे।

सिंगहा खुर्द में रंग जमाएंगे खेल और संस्कृति

संवाददाता, सिंगाही

● 12 से 15 तक होगी खेल प्रतियोगिताएं, महिला कबड्डी भी होगी

● पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा करेंगे खेल महोत्सव का उद्घाटन

अमृत विचार: गांव सिंगहा खुर्द में जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता 12 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक गांव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होगी।

कार्यक्रम का आयोजन नव युवक समाज सेवा समिति एवं वामन द्वादशी मेला समिति के तत्वावधान में किया गया है। प्रतियोगिता में समूह एवं एकल दोनों वर्गों के खेल शामिल हैं, जिनमें प्रतिभागी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता में कबड्डी, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, रस्साकशी, घड़ा फोड़, और विभिन्न दूरियों की दौड़ 5 किलोमीटर, 1600 मीटर, 400 मीटर, 200 मीटर जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से महिलाओं की कबड्डी प्रतियोगिता भी रखी गई है, जो इस आयोजन की नई और प्रेरक पहल है। समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने बताया कि यह आयोजन पिछले 11 वर्षों से लगातार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को मंच प्रदान करना और उनके व्यक्तित्व विकास में सहयोग देना है। खेल से आत्मबल, अनुशासन और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा मुख्य अतिथि होंगे।

रबी फसलों के लिए खाद की भरपूर व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रबी फसलों की बुवाई की तैयारियों के बीच इस बार जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके और सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) जैसी आवश्यक खादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। यह दावा जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने किया है। बताया कि जनपद में अब तक 18351.479 मीट्रिक टन यूरिया, 5155.295 मीट्रिक टन डीएपी, 7362.725 मीट्रिक टन एनपीके और 18811.040 मीट्रिक टन एसएसपी का भंडारण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि जनपद में यूरिया, डीएपी और एनपीके की किसी प्रकार की कमी नहीं है। किसान भाई निर्धारित दर पर ही खाद खरीदें, अनावश्यक रूप से भंडारण से बचें और केवल अनुशंसित मात्रा में खाद का प्रयोग करें। डीएओ ने स्पष्ट किया कि खाद खरीदते समय किसान अपने साथ आधार कार्ड और खतौनी अवश्य लाएं और विक्रेता से कैश मेमो जरूर प्राप्त करें। यह भी बताया कि डीएपी, एनपीके और एसएसपी तीनों फास्फैटिक उर्वरक हैं, जिनमें तत्वों की मात्रा अलग-अलग होती है।

डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट) में नत्रजन और फास्फोरस पाए जाते हैं। एनपीके में नत्रजन, फास्फोरस और पोटाश तीनों प्रमुख पोषक तत्व होते हैं। एसएसपी (सिंगल सुपर फास्फेट) में फास्फोरस के साथ-साथ सल्फर भी पाया जाता है, जो विशेष रूप से सरसों जैसी तिलहनी फसलों के लिए अत्यंत लाभदायक है।

इस नंबर पर करें शिकायत, होगी एफआईआर

यदि कोई विक्रेता निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूलता है या किसानों को अन्य उत्पाद जबरन खरीदने के लिए बाध्य करता है, तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही संबंधित थोक विक्रेता व विनिर्माता कंपनी पर भी कार्रवाई की जाएगी। किसान ऐसे मामलों की सूचना तुरंत सहायक विकास अधिकारी (कृषि) या कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7570088259 और 7839882212 पर दे सकते हैं। वहीं समितियों से जुड़ी समस्याओं के लिए 7007918909 पर संपर्क किया जा सकता है।

मुख्य फसलों को अनुशंसित खाद मात्रा (प्रति हेक्टेयर)

- गेहूं: यूरिया 5 बोरी, डीएपी 3 बोरी, एनपीके 4 बोरी।
- सरसों: यूरिया 4 बोरी, डीएपी 3 बोरी, एनपीके 4 बोरी।
- चना/मसूर: यूरिया 0, डीएपी 2 बोरी, एनपीके 2 बोरी।
- आलू: यूरिया 6 बोरी, डीएपी 4 बोरी, एनपीके 4 बोरी।
- गन्ना: यूरिया 7 बोरी, डीएपी 05 बोरी, एनपीके 06 बोरी।

मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना लोकतंत्र पर हमला

गोला में एसडीएम को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● मिशन सामाजिक परिवर्तन ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार: मिशन सामाजिक परिवर्तन एक नई दिशा के पदाधिकारियों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर न्यायालय परिसर में हुए जूता फेंकने की घटना की कड़ी निंदा और भर्त्सना की है। इसे भारतीय लोकतंत्र एवं न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार बताया है।

संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष एडवोकेट रमाकांत चौधरी ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम युगांतर त्रिपाठी को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि यह कृत्य अत्यंत निंदनीय, असंवेदनशील और न्याय प्रणाली की मर्यादा के विपरीत है। बार काउंसिल द्वारा दोषी व्यक्ति का पंजीकरण रद्द किया जाना स्वागत योग्य कदम है, किंतु यह पर्याप्त नहीं है। ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई व्यक्ति न्यायपालिका का अपमान करने का साहस न करे। ज्ञापन देते समय संगठन के पदाधिकारी विवेक कुमार गौतम एडवोकेट, अशर्फीलाल गौतम एडवोकेट, विक्रम सिंह एडवोकेट, मनोज रावत एडवोकेट, सरजीत कुमार एडवोकेट आदि थे।

दिखाई देने लगे सड़क किनारे लगे संकेतक

संवाददाता, मूड़ा सवारान

● भीरा-लखीमपुर रोड पर लोक निर्माण विभाग ने झाड़ियों की कराई साफ-सफाई

अमृत विचार: भीरा लखीमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर झाड़ियां में छिपे संकेतक अब साफ दिखाई देने लगे हैं। इससे पहले झाड़ियों के कारण संकेतक दिखाई नहीं देते थे, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया था। अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए झाड़ियों की सफाई कराई।

अमृत विचार अखबार ने छह अक्टूबर के अंक में झाड़ियों में छिपे संकेतक, हादसों का खतरा शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर छपने के बाद लोक निर्माण विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए झाड़ियों की सफाई का काम शुरू करा दिया।

सड़क के किनारे उगी झाड़ियां को काटकर हटाया गया, जिससे सड़क संकेतक दिखाई देने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि झाड़ियां की सफाई से सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा। अखबार की खबर से आम लोगों को राहत मिली है और अब उन्हें सड़क पर चलने में आसानी होगी। पाठकों ने अमृत विचार का धन्यवाद किया है।

महिला से छेड़छाड़

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव की महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 1 अक्टूबर की रात में घर में अकेले थी। उसका पति बाहर था। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला विवेक दीवार फांदकर मकान में घुस आया ओर उसे गलत नीयत से पकड़ लिया। आरोप है कि महिला के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी महिला को पीटा।

भरत चरित कीरति करतूती धरमशील गुन विमल विभूति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सुहेला स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में हो रही श्रीराम कथा के छठे दिन कथाव्यास अजयानंद महाराज ने श्रीराम और भरत के भ्रातृ प्रेम के उत्कृष्ट उदाहरण देते हुए चित्रकूट में मिलने की कथा सुनाई।

कथा व्यास ने सुनाया- चलत पायदे खात फल, पिता दीन्ह तजि राजु। जात मनावन रघुवरहिं, भरत सरिस को आजु। भरत नंगे पैर राज समाज के साथ अपने बड़े भाई श्रीराम को मनाने जा रहे हैं। कंटकों से युक्त मार्ग भी उन्हें विचलित नहीं कर पा रहा है। क्योंकि भरत भक्ति के पर्याय और धर्म स्वरूप हैं, वह भक्ति के पुंज हैं। इसीलिए गोस्वामी जी कहते हैं- मिलन प्रीति किमि जाइ बखानी। कवि कुल अगम करम मन बानी।

भरत त्याग की प्रतिमूर्ति है। भगवान श्रीराम ने अपने अनुज भरत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि- भरत चरित कीरति करतूती। धरमशील गुन विमल विभूति।

भरत के मन में तो राम बसे हुए हैं और राम के मन में भरत। जब श्रीराम से भरत मिले तो श्रीराम जी ने कहा कि भरत पिता के न होने पर संपत्ति तो सभी भाई बांट लेते हैं परन्तु विपत्ति को जो बांटे वही भाई होता है। भरत के सभी प्रयास राम को अयोध्या वापस ले जाने में विफल हो जाते हैं तब भरत कहते हैं-सीताराम चरण रति मोरे। अनुदिन बढ़उ अनुग्रह तोरे। इतिहास में सृष्टि के प्रारंभ से अब तक त्याग का भरत जैसा उदाहरण नहीं मिलता है। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता धर्मेंद्र गिरि मोंटी, विशेष वर्मा, माखन लाल, दिवाकर, प्रेमचंद, सत्यनारायण, रितेश, देवेंद्र अवस्थी, मुनेश, रामशरण, रामप्रकाश शुक्ल, राजेन्द्र राठौर, पंकज कुमार, हरित, इंद्रेश कुमार, डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री आदि मौजूद रहे।

सुहेला मंदिर पर श्रीराम कथा में आरती करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● श्रीराम कथा में सुनाया श्रीराम-भरत प्रेम का प्रसंग

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैं अपने पुत्र सुमित व पुत्रवधू क्रांति के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर सम्बन्ध विच्छेद व अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, यह दोनों अपने लेन-देन व कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। **श्रीराम पुत्र स्व0 बनवारी लाल हाल निवासी गुरूद्वारा वाली गली जोगी नवादा थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. इमरान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उससे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रफीक अहमद पुत्र श्री शमशेर अहमद नि. चेना पो. नवाबगंज जिला बरेली**

सूचना

मैंने अपने पुत्र वीरेंद्र व उसकी पत्नी माधुरी को उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपने दोनो मकानों समेत समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे । मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **भागीरथ पुत्र स्व. सीताराम निवासी-150, हाता फाल्तूनगंज, थाना बारादरी, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे स्कूली दस्तावेजो में मेरा नाम कशान रजा खान व पिता का नाम इरफान खान अंकित है। जबकि मेरा वास्तविक नाम MOHD. KASHAN KHAN व पिता का नाम MOHD. IRFAN KHAN है। भविष्य में मुझे व मेरे पिता को मेरे वास्तविक नाम से ही जाना जाये। निवासी सिविल लाइन्स नार्थ, कोर्ट रोड, पीलीभीत

NOTICE

I, Army No. 14874119W sep/Hkeeper Naga Raju Maganti son of Maganti Satyanarayana Presently residing at unit 883 At BN ASC C/o 56 APO Bareilly Cantt. My Correct father's name is Maganti Satyanarayana, but in my army service record it has been mistakenly written as Satya Narayana Maganti. My father's Correct name is Maganti Satyanarayana

NOTICE

I, Army No. 14874119W sep/Hkeeper Naga Raju Maganti son of Maganti Satyanarayana Presently residing at unit 883 At BN ASC C/o 56 APO Bareilly Cantt. My Correct mother's name is Maganti Acchamma, but in my army service record it has been incorrectly written as Achamma Maganti. My mother's Correct name is Maganti Acchamma

NOTICE

I, JC 797924f RIS/FARR Ranjit Debbarma Son Of Sambhu Debbarma Presently Residing At Unit 883 At Bn Asc C/o 56 Apo Bareilly Cantt. My Correct Name Is Ranjit Debbarma But In My Service Record It Has Been Wrongly Written As Ranjit Deb Barma. Both Names One And The Same Person.

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

देवरहा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य हटाए गए

अमृत विचार, लखनऊ : देवरिया स्थित महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की 5वीं मंजिल पर स्थित पानी की टंकी में पड़ी लाश की घटना का संज्ञान लेते हुए शासन ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश बरनवाल को हटा दिया है। उनकी जगह पर एटा मेडिकल कॉलेज की एनाटॉमी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रजनी को देवरिया मेडिकल कॉलेज का कार्यवाहक प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वहीं, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने घटना की जांच के लिए टीम गठित कर दी है। मालूम हो कि देवरिया जिले में स्थित महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की 5वीं मंजिल पर स्थित पानी की टंकी में पड़ी लाश लगभग पिछले 10 दिनों से सड़ रही थी। इस दौरान वहां भर्ती मरीज और तीमारदार उसी टंकी का पानी पीते रहे।

नेट-जीरो एग्जीबिशन सेंटर का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 9 अक्टूबर को झांसी में 65,000 वर्ग फीट के नेट-जीरो एग्जीबिशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। झांसी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित यह केंद्र भारत की पहली नेट-जीरो इंजीनियरिंग कंपनी बूट्स ने तैयार किया है। 21 एकड़ में फैला यह केंद्र 10,000 लोगों की क्षमता वाला है, जिसमें 2,000 सीटों का वातानुकूलित सभागार भी शामिल है। ऊर्जा और जल संरक्षण की अत्याधुनिक तकनीकों से युक्त यह भवन बुंदेलखंड को सांस्कृतिक, व्यावसायिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। बूट्स ने झांसी की विश्व की पहली नेट-जीरो लाइब्रेरी के बाद यह एक और ऐतिहासिक परियोजना पूरी की है।

तकनीकी शिक्षा का नया अध्याय शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और विशेष प्रेरणा से बुधवार को मुजफ्फरनगर में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक शुरुआत हुई। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने सेंटर ऑफ इन्वेंशन, इनोवेशन, इनक्यूबेशन एंड ट्रेनिंग का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। राज्यमंत्री के साथ प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, मंडलायुक्त अटल कुमार राय, निदेशक अभिषेक सिंह ने प्रदेश के 21 आईटीआई संस्थानों के श्रेष्ठ प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

24 राजनीतिक दलों ने दिखाए दस्तावेज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में सुनवाई की। 45 राजनीतिक दलों को सुनवाई के लिए बुलाया गया था, इसमें 24 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। सीईओ ने प्रत्येक दल द्वारा प्रस्तुत किए गए अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया और सभी दलों के मोबाइल नंबर, पंजीकरण संख्या, वर्तमान पता व ईमेल की भी जांच की। बुधवार की सुनवाई में राष्ट्रीय जनता पार्टी-गौतमबुद्धनगर, भारतीय वंचित समाज पार्टी-कन्नौज, भारतीय मानव समाज पार्टी-जौनपुर, नेशनल लोकमत पार्टी-मेरठ, इंसाफवादी पार्टी-वाराणसी, गरीब बेरोजगार विकास पार्टी-बरेली, किसान मजदूर बेरोजगार संघ-औरैया, राष्ट्रीय अपना दल-प्रयागराज, प्रगतिशील समाज पार्टी-प्रयागराज, नैतिक पार्टी-लखनऊ, मानवीय भारत पार्टी-जौनपुर, पिछड़ा समाज पार्टी-बिजनौर, मोडरेट पार्टी-देवरिया, मेधा पार्टी-प्रयागराज समेत अन्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकें जिलाधिकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को दिए निर्देश
- डिजिटल क्रॉप सर्वे 10 अक्टूबर तक कराएं पूरा

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य पर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिलाधिकारियों द्वारा प्रतिदिन समीक्षा कर सर्वे कार्य को 10 अक्टूबर तक पूरा कराया जाए। साथ ही, सत्यापन (वेरीफिकेशन) का कार्य भी समानांतर रूप से चलाते हुए 15 अक्टूबर, 2025 तक पूरा कराया जाए।

उन्होंने कहा कि पराली एवं फसल अपशिष्ट जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। पराली जलाने की घटनाओं की सैटेलाइट के माध्यम से निगरानी की जा रही है। उन्होंने जिलाधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से इस संवेदनशील मुद्दे पर ध्यान देने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उनके क्षेत्र में ऐसी घटनाएं न हो।

योगी के सुशासन मॉडल पर टिकी विस चुनाव की सियासत

अपराध नियंत्रण, विकास, सौहार्द और नौकरशाही प्रबंधन पर जनता की राय होगी निर्णायक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2027 चुनाव में सुशासन फैक्टर को लेकर सपा, कांग्रेस व बसपा का काउंटर नैरेटिव

अमृत विचार : प्रदेश की राजनीति अब एक बार फिर सुशासन बनाम असंतोष के मुद्दे पर खड़ी दिख रही है। योगी मॉडल आगामी विधानसभा चुनाव 2027 का प्रमुख विषय बनने जा रहा है। बीते साढ़े आठ वर्षों में अपराध नियंत्रण, प्रशासनिक अनुशासन, तीव्र विकास और धार्मिक सौहार्द के मोर्चों पर हुए बदलावों ने जनता की सोच को गहराई से प्रभावित किया है। भाजपा इसे अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी मान रही है, जबकि विपक्ष इसी मॉडल की आलोचना को अपने अभियान की दिशा बना रहा है।

2017 से अब तक प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण के लिए की गई सख्त कार्रवाई, माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर नीति और पुलिस सुधारों ने सरकार की सख्त छवि को मजबूत किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हजारों अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई हुई और सैकड़ों करोड़ की संपत्तियां जब्त की गईं। पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत किया गया। मुख्यमंत्री योगी का कहना है कि अब उत्तर प्रदेश दंगों और भय का नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और अवसरों का प्रदेश बन चुका है। उनका दावा है कि मजबूत कानून व्यवस्था ने प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास के लिए सुरक्षित माहौल दिया है।

विपक्ष ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का लगाया आरोप

समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बसपा ने योगी मॉडल के समानांतर अपना विपरीत नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि अपराध पर नियंत्रण के नाम पर निर्दोष लोगों को भी निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी और महिला सुरक्षा को अपना मुख्य मुद्दा बना रही है, जबकि बसपा दलितों और पिछड़े वर्गों की उपेक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साध रही है। विपक्ष का तर्क है कि भाजपा ने भय और प्रचार को मिलाकर सुशासन की नई परिभाषा गढ़ी है, लेकिन जमीन पर बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याएं जस की तस हैं।

जनता की राय : सुरक्षा और स्थायित्व भाजपा की ताकत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जनता का एक बड़ा वर्ग अब कानून व्यवस्था को विकास की पहली शर्त मानने लगा है। हाल के सर्वेक्षणों में लगभग 68 प्रतिशत लोग मानते हैं कि प्रदेश में अपराध के स्तर में कमी आई है और महिलाएं पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। हालांकि, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर जनता में एक राय नहीं है। यानी कानून व्यवस्था की सराहना के साथ-साथ रोजगार के अवसरों की कमी विपक्ष के लिए मुद्दा बनी हुई है।

जिलों में आज से लगेंगे स्वदेशी मेले

मंत्री बोले- स्वदेशी उत्पादों को मिलेगा बड़ा मंच, 19 अक्टूबर तक होगा आयोजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पत्रकारों को जानकारी देते मंत्री राकेश सचान। अमृत विचार

- दीपावली जैसे पर्वों पर लोग 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं : राकेश सचान

अमृत विचार : प्रदेश सरकार 'विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) की सफलता से प्रेरित होकर अब प्रदेश के सभी 75 जिलों में 9 से 19 अक्टूबर तक स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को जिला स्तर पर बड़ा मंच उपलब्ध कराना है।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा व वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने बुधवार को प्रेसवार्ता में दी। बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि दीपावली जैसे पर्वों पर लोग 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं और स्थानीय उत्पादों की खरीद से कारीगरों, उद्यमियों और हस्तशिल्पियों के जीवन में समृद्धि लाएं।

मंत्री ने बताया कि मेलों का आयोजन अधिक फुटफॉल वाले स्थलों पर किया जाएगा और ग्रामीण कारीगरों को अपने उत्पाद लाने के लिए किराया व अन्य मदद दी जाएगी। सचान ने कहा कि यह आयोजन वैश्विक आर्थिक चुनौतियों से निपटने का बड़ा माध्यम साबित होगा। मेलों में उद्यमियों को निःशुल्क स्टॉल दिए जाएंगे तथा एमएसएमई विभाग द्वारा हर संभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में स्वदेशी मेला यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित होगा, जबकि 10 अक्टूबर को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेले की शुरुआत करेंगे। अन्य जिलों में उद्घाटन के लिए मंत्रियों के नाम तय कर दिये गये हैं।

लखनऊ में बनेगा तीसरा बस स्टेशन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी का परिवहन विभाग यात्रियों के लिए इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों को जल्द सड़क पर उतारने की तैयारी कर रहा है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि ब्रिटेन से 60 सीटों वाली डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों का आयात किया जा रहा है। डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों के फ्लीट आने के बाद उनको राजधानी लखनऊ से अयोध्या, वाराणसी और मथुरा के बीच संचालित किया जायेगा। इसके अलावा परिवहन विभाग राजधानी में तीसरा बड़ा और आधुनिक बस अड्डा गोमती नगर विस्तार के बजाय आईआईएम रोड जानकीपुरम स्थित सीतापुर हरदोई रोड पर निर्माण कराने का प्रस्ताव राज्य सरकार के सामने लाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिये परिवहन विभाग के तकनीकी अधिकारियों द्वारा राजधानी लखनऊ में तीसरे नए बस अड्डे के निर्माण के लिये प्रस्ताव का तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये गए हैं।

उत्तर प्रदेश पूर्वी एलएसए को देश में प्रथम स्थान

सम्मान प्राप्त करते एलएसए अपर महानिदेशक अरुण कुमार वर्मा।

अमृत विचार, लखनऊ : नई दिल्ली में आयोजित भारत मोबाइल कांग्रेस के भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश पूर्वी एलएसए (लाइसेंस सर्विस एरिया) ने देश के सभी 22 एलएसए में प्रथम स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह सम्मान बुधवार को दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल द्वारा उत्तर प्रदेश पूर्वी एलएसए के अपर महानिदेशक अरुण कुमार वर्मा को प्रदान किया गया। यह उपलब्धि टेलीकॉम सेवाओं के विस्तार, जन-जागरूकता कार्यक्रम, विकिरण जांच, सीएएफ ऑडिट, तकनीकी चर्चा, लाइसेंस जारी करने, शिकायत निवारण तथा अवैध टेलीफोन एक्सचेंज पर प्रभावी कार्यवाही जैसे मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मिली है।

अखिलेश और आजम की मुलाकात को बताया स्टंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी के मंत्री बोले- वोटबैंक बचाने की सियासत

अमृत विचार : रामपुर में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मुलाकात ने सियासी हलचल तेज कर दी है। जहां सपा इसे पुराने साथी से भावनात्मक मुलाकात बता रही है, वहीं योगी सरकार के मंत्रियों ने इसे वोटबैंक बचाने की सियासत और राजनीतिक स्टंट करार दिया है।

घड़ियालू आंसू बहाने पहुंचे : जेपीएस राठौर

सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि अखिलेश यादव को 23 महीने तक जेल में बंद आजम खान की याद नहीं आई। उन्होंने कहा कि आजम ने खुद कहा था कि जेल में उनके परिवार की किसी ने सुध नहीं ली। अब जब वोटबैंक खिसकता दिखा, तो वे 'घड़ियाली आंसू' बहाने पहुंचे हैं। यह महज स्टंटबाजी है।

अखिलेश ने आजम के भरोसे को खुद तोड़ा : दयाशंकर

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अगर अखिलेश को आजम से लगाव होता तो वे जमानत के बाद तुरंत मिलने जाते। अब जब सपा के पारंपरिक वोटबैंक में दरार दिख रही है तो उन्हें मजबूरी में रामपुर का रास्ता याद आया है।

मुलाकात राजनीतिक ढोंग : दानिश आजाद

अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अखिलेश की आजम से मुलाकात को राजनीतिक ढोंग बताया। उन्होंने कहा कि जब आजम खान जेल में थे, तब वे एक बार भी मिलने नहीं गए। अब चुनाव करीब हैं तो मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह दिखावा कर रहे हैं। अंसारी ने कहा कि सपा को मुसलमान तब याद आते हैं, जब वोट चाहिए होता है।

कफ सीरप के 364 नमूनों की जांच जारी

अमृत विचार, लखनऊ : कई प्रदेशों में कफ सिरप के सेवन के कारण बच्चों के मृत्यु की घटना का संज्ञान लेते हुए प्रदेशभर में छापामारी अभियान जारी है। इस कड़ी में बुधवार को भी छानबीन जारी रही। हालांकि, इस दौरान चिन्हित की गई हानिकारक औषधि ब्रांड की किसी भी जिले में आपूर्ति नहीं पाई गई। इस बीच बीते दिनों निर्मित कफ सीरप के कुल 364 नमूने जांच एवं विश्लेषण के लिए संग्रहित किए गए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. के मुताबिक, सभी एकत्र किए गए नमूनों को लखनऊ जन विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद निकार्रवाई की जाएगी।

11 परियोजनाओं के लिए पीसीयू मानक होंगे शिथिल

राजय ब्यूरो, लखनऊ

- जिलों में सड़क नेटवर्क औद्योगिक विकास और कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा
- गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक में प्रस्ताव को मुख्य सचिव ने दी मंजूरी

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में उच्च विशिष्टियों, पीसीयू शिथिलीकरण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत 11 परियोजनाओं के लिए पीसीयू में शिथिलीकरण के प्रस्ताव को मुख्य सचिव ने स्वीकृति प्रदान की। इसे प्रदेश के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में सड़क नेटवर्क, औद्योगिक विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी।

प्रस्ताव के अनुसार, सिद्धार्थनगर में 2804.01 लाख रुपये की लागत से एनएच-730 के किमी 408 से घनौरा मुस्तहकम एसएसबी कैंप होते हुए अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, मऊ में 99.54 लाख रुपये लागत से अजमतगढ़-अमिला मार्ग के किमी 12 से करमपुर तक मार्ग निर्माण, बरेली में 321.85 लाख रुपये से फरीदपुर-बीसलपुर मार्ग के किमी 10 से ग्राम सिमरा केशवपुर में सीबीजी प्लांट के लिए पहुंच मार्ग निर्माण, लखीमपुर खीरी में 555.79 लाख रुपये एनएच-24 से कुतुवापुर कैनाल ब्रिज मार्ग के किमी 2 से सीबीजी प्लांट होते हुए डीसीएम श्रीराम शुगर मिल तक मार्ग निर्माण किया जाएगा।

इसी प्रकार सहारनपुर में 49.29 लाख रुपये से मिनी औद्योगिक संस्थान अम्बेहटापीर सहारनपुर के लिए पहुंच मार्ग के नवनिर्माण, मुरादाबाद में 2122.36 लाख रुपये से एनएच-24 दलपतपुर से समदी समदा मुडिया मलूकपुर ईशापुर चंदनपुर मार्ग पर ड्राई पोर्ट तक पहुंच मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, जालौन में 2546.83 लाख रुपये से कालपी तहसील में रेलवे लाइन के पास इंडस्ट्रियल एरिया कांशीराम कॉलोनी होते हुए काशीखेड़ा तक किमी 1 से 7 व 8 (400) का निर्माण, ललितपुर में 729.87 लाख रुपये से नीलकंठेश्वर मार्ग, लखीमपुर खीरी में 2651.89 लाख रुपये से पलिया हवाई पट्टी मार्ग, झांसी में 5260.68 लाख रुपये से मोंठ-भांडेर मार्ग तथा कुशीनगर में 3597.95 लाख रुपये कुल लागत से नेबुआ खड्डा मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

लखनऊ में बसपा की रैली आज, हुंकार भरेंगी मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रस्तावित बसपा की रैली को लेकर राजधानी लखनऊ में नीले होर्डिंग से पटी सड़क। अमृत विचार

अमृत विचार : राजधानी में 9 अक्टूबर गुरुवार को होने जा रही बसपा की रैली की तैयारियां पूरी हैं। पार्टी ने इसके लिए शहरभर को नीले झंडों और पोस्टर-बैनर से सजाया है। अपना खोया हुआ जनाधार पाने की कोशिश में जुटीं मायावती, रैली के जरिए एक बार फिर शक्ति प्रदर्शन कर सकती हैं। तैयारियां तो पांच लाख तक की भीड़ जुटाने की रख रखी है। स्वाभाविक है पार्टी की मंशा इसके जरिए यूपी की राजनीति में एक नयी करवट लेने की है। माना जा रहा है कि रैली अगर सफल रही तो बसपा के गिरते ग्राफ के बाद, 2027 के चुनाव को योगी बनाम अखिलेश माना जा रहा हो लेकिन इस लड़ाई में मायावती की भी एंट्री हो सकती है।

बसपा नेत्री अपने चिर-परिचित अंदाज में गुरुवार को लखनऊ के कांशीराम स्मारक पार्क से एक बार फिर हुंकार भरती दिखेंगी। दरअसल, उप्र. में अगले कुछ महीनों में पंचायत चुनाव हैं और इसके बाद 2027 में विधानसभा चुनाव। ऐसे में माना जा रहा है कि अपनी इस रैली के जरिए मायावती संगठन को मजबूती का एक नया संदेश देंगी। रैली में मंच पर मायावती के साथ पार्टी के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार, राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की मौजूदगी खास होगी। इसके अलावा सतीश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति भी संभव है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर लगी महिला चौपाल

अमृत विचार, लखनऊ : मिशन शक्ति के तहत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) द्वारा बुधवार को मुरादाबाद, बिजनौर, सम्भल, अयोध्या सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों पर महिला चौपाल का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत चल रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को शासन की योजनाओं, उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा आत्मनिर्भरता से संबंधित जानकारियां प्रदान करना एवं उन्हें समाज में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, किशोरियों, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं समुदाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पशुधन ऐप पर उपलब्ध होंगे आंकड़े

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को नेशनल डिजिटल लाइव स्टॉक मिशन अन्तर्गत विकसित किए गए भारत पशुधन ऐप के समुचित उपयोग विषयक व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में किया गया। इस अवसर पर पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि भारत पशुधन ऐप पर पशु एवं पशुपालक पंजीकरण के साथ ही पशुओं के सभी प्रजनन एवं स्वास्थ्य आकड़ों का डिजिटल अभिलेखन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐप के माध्यम से पशुओं का चिन्हांकन भी होगा।

विकास

सवा लाख करोड़ का बूस्टअप डोज, मोदी का विजन बना योगी का मिशन

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से आई आर्थिक क्रांति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन का परिणाम है कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर अब प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बन गया है। दिसंबर 2021 में इसके लोकार्पण के बाद से 25 करोड़ 28 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। प्रति व्यक्ति औसतन 4 से 5 हजार रुपये के खर्च के अनुमान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अब तक सवा लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिला है। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र के अनुसार, कॉरिडोर के निर्माण ने स्थानीय स्तर पर व्यापारियों, दुकानदारों, नाविकों, पुजारियों, ठेले वालों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार दिया है।

बेहतर सुरक्षा माहौल, सुदृढ़ सड़क व हवाई कनेक्टिविटी और घाटों के सौंदर्यीकरण ने काशी को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन का केंद्र बना दिया है। वाराणसी आने वाले देशी-विदेशी श्रद्धालु अब औसतन कई दिनों तक ठहरते हैं, जिससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और खाद्य उद्योगों में जबरदस्त तेजी आई है। योगी सरकार ने काशी की सफलता को आगे बढ़ाते हुए अब अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और विंध्याचल जैसे धार्मिक स्थलों के विकास की गति तेज कर दी है।

अर्थशास्त्रियों ने माना, अर्थव्यवस्था को मिली गति

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री प्रो. राजनाथ के अनुसार, यदि हर यात्री द्वारा औसतन 4 से 5 हजार रुपये खर्च मानें, तो यह प्रवाह सीधे तौर पर सवा लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था को गति दे चुका है। यह राशि न केवल काशी, बल्कि पूरे पूर्वांचल के विकास की रफ्तार बढ़ा रही है। आंकड़ों के अनुसार, काशी विश्वनाथ धाम आने वाले लगभग 70 प्रतिशत श्रद्धालु दक्षिण भारत से हैं, जबकि 15 प्रतिशत अन्य राज्यों से आते हैं। अधिकांश श्रद्धालु दर्शन के बाद विंध्यवासिनी धाम, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे अन्य तीर्थ स्थलों का भी भ्रमण करते हैं। इससे पर्यटन और परिवहन उद्योगों में व्यापक रिपलिंग इफेक्ट उत्पन्न होता है।

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बनेगा पीएम मित्र पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1680 करोड़ की लागत, 10 हजार करोड़ निवेश और एक लाख रोजगार का लक्ष्य
- परियोजना में दिखेगा उद्योग आवास, हरियाली और जल संरक्षण के बीच समन्वय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एक नए औद्योगिक युग में प्रवेश कर रहा है, जहां विकास और पर्यावरण दोनों साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। लखनऊ और हरदोई जिलों में प्रस्तावित पीएम मित्र पार्क न केवल औद्योगिक निवेश का केंद्र बनेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी एक आदर्श उदाहरण पेश करेगा। परियोजना में उद्योग, आवास, हरियाली और जल संरक्षण के बीच समन्वय दिखेगा।

योगी सरकार की सोच स्पष्ट है कि औद्योगिक प्रगति किसी कीमत पर हरियाली से समझौते की कीमत पर नहीं होगी। यही कारण है कि पीएम मित्र पार्क का लेआउट प्लान पर्यावरणीय दृष्टि से पूरी तरह संतुलित बनाया गया है। परियोजना में उद्योग, आवास, हरियाली और जल संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित किया गया है, ताकि यह पार्क आने वाले वर्षों में ग्रीन इंडस्ट्रियल हब के रूप में पहचान बना सके। योगी सरकार की यह परियोजना करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जाएगी।

हरियाली व फलदार वृक्षों को मिलेगा 11% क्षेत्रफल

ड्राफ्ट प्लान के अनुसार, पार्क की 55% भूमि इंडस्ट्रियल यूनिट्स के लिए आरक्षित है, जबकि 11% भूमि हरियाली, ग्रीन बेल्ट और फलदार पौधरोपण को समर्पित की जाएगी। इस क्षेत्र में जैव विविधता को सुरक्षित रखने के लिए विशेष किस्मों के पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा 2% भूमि जल संरक्षण, वाटर रिजर्वायर के लिए और 0.5% भूमि रीक्रिएशनल जोन के लिए रखी गई है, जहां पर्यावरणीय शिक्षा और सार्वजनिक उपयोग की सुविधाएं विकसित होंगी। पार्क में ग्रीन बेल्ट और बफर जोन विकसित किए जाएंगे, ताकि प्रदूषण नियंत्रण के साथ प्राकृतिक संतुलन बना रहे। यहां सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, ई-वेस्ट मैनेजमेंट और ऊर्जा-संवेदनशील डिजाइन जैसे उपाय अपनाए जाएंगे, जिससे यह देश के सबसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक पार्कों में शामिल हो सके।

संतुलित विकास का प्रतीक बनेगा पार्क

इस पार्क में 4% भूमि संस्थागत उपयोग के लिए, 3% आवासीय क्षेत्र के लिए और 4% यूटिलिटीज व एमेनिटीज के लिए आरक्षित की गई है। परिवहन सुगमता के लिए 13% क्षेत्र में सड़कों का निर्माण होगा, जिससे आंतरिक कनेक्टिविटी बेहतर रहे। लेआउट इस प्रकार तैयार किया गया है कि औद्योगिक गतिविधियों से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम रहे।

इज्जतनगर मंडल में चल रहा स्वच्छता पखवाड़ा

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत बुधवार को स्वच्छ परिसर थीम पर विभिन्न स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं।

बरेली बवाल : पुलिस जांच में 17 और उपद्रवियों के नाम उजागर

तौकीर के इशारे पर बवाल में निभाई थी अहम भूमिका, जल्द होगी गिरफ्तारी

तौकीर के दो और सहयोगी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग कर शहर में दंगा कराने की साजिश में शामिल रहे दो और सहयोगियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम तिलियापुर सीबीगंज निवासी हनीफ और मोहम्मद जीशान रजा खां के रूप में हुई है। गिरफ्तार उपद्रवियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मौलाना तौकिर रजा खां और नदीम खान के इशारे पर दोनों नमाज के बाद अन्य साथियों की भीड़ जुटाई थी। इतना ही नहीं ये दोनों गुस्ताखे नबी की शान में सिर तन से जुदा के नारे लगाते हुए रास्ते में कुमार टाकिज के पास पुलिस के रोके जाने पर अपने साथियों के साथ पुलिस पर पथराव और फायरिंग करने में भी शामिल रहे थे।

दोनों उपद्रवी पुलिस गिरफ्त में। ● अमृत विचार

करते हुए करीब तीन हजार अज्ञात बवालियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किए गए थे। पुलिस की विवेचना जैसे-जैसे तेज हो रही है वैसे-वैसे बवाल में शामिल रहे उपद्रवियों के चेहरे बेनकाब होते जा रहे हैं। इस बीच पुलिस ने बवाल में शामिल रहे 17 और उपद्रवियों के नामों का खुलासा किया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इन उपद्रवियों ने भी बवाल के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस ने दर्ज अभियोगों में इनके नाम शामिल करते हुए गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इन सभी की गिरफ्तारी के बाद साफ हो पाएगा कि ये किसके बुलावे पर बवाल में शामिल हुए थे। फिलहाल ये सभी अपने-अपने घरों में ताला लगाकर फरार चल रहे हैं।

इन 17 उपद्रवियों के विवेचना में बढ़ाए गए नाम

पुलिस की जांच में इज्जतनगर क्षेत्र के फरीदापुर निवासी रफीक बेग, मजीद बेग, नासिर खान, लईक अहमद, शफीले अहमद, जाफर, शकील, हसीन का नाम उपद्रवी के रूप में बढ़ाया गया है। इसी के साथ किला के गंदा नाला पंजाबपुरा निवासी दाउद, बारादरी के कांकरटोला निवासी शानू टैंपू, आरिफ, वलीद जिलानी, हजियापुर के आरिफ, चक सकलैन के नईम उर्फ लाली, फैजान और कोतवाली के आजमनगर निवासी अफजाल कुरैशी का नाम भी पुलिस जांच में बवालियों के रूप में बढ़ाया गया है। पुलिस के अनुसार इन सभी उपद्रवी भीड़ जुटाने, उपद्रव कराने के साथ दंगा कराने की साजिश में शामिल थे। हालाकि, गिरफ्तारी के बाद इन सभी से पूछताछ में मिले साक्ष्य के आधार पर पुलिस इन सभी पर धाराएं भी बढ़ाएगी। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के जरिये अन्य उपद्रवियों को चिह्नित किया जा रहा है। इनका नाम जल्द ही बढ़ाया जाएगा।

पुलिस का खरीदा सॉफ्टवेयर आया काम : विवेचना के दौरान 17 उपद्रवियों के बढ़ाए गए नाम में पुलिस की तरफ से खरीदा गया सॉफ्टवेयर भी पुलिस के लिए काफी मददगार बन रहा है। बढ़ाए गए उपद्रवियों के नाम में कई नाम ऐसे भी शामिल हैं, जो उस सॉफ्टवेयर से चिन्हित किए गए हैं। जो कई वीडियो में पुलिस पर पथराव करते दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं कई उपद्रवी तो कई वीडियो में कैद पाए गए। इसका पर्दाफाश सॉफ्टवेयर ने किया। ध्यान रहे कि पुलिस पर पथराव और फायरिंग करने वाले उपद्रवियों की पहचान करने के लिए पुलिस ने हाल ही में एक सॉफ्टवेयर खरीदा था।

इन उपद्रवियों का इस आधार पर बढ़ाया नाम

पुलिस की विवेचना में सामने आया है कि मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर पुलिस पर पथराव कर की गई फायरिंग में ये सभी उपद्रवी शामिल थे। साथ ही पुलिस ने बवाल में शामिल उपद्रवियों के मोबाइल फोन का सीडीआर निकाला तो इन उपद्रवियों का भी संपर्क मौलाना तौकीर से पाया गया। इतना ही नहीं इनकी लोकेशन घटनास्थल पर मिली थी। बवाल वाले दिन की गतिविधियां, डंप डेटा समेत मुख्य साजिशकर्ताओं के लगातार संपर्क में रहना पाया गया है। पुलिस इन सभी बिंदुओं को आधार बना कर विवेचना तेज करते हुए गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

उपद्रवी का असलहों के साथ फोटो वायरल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग कर शहर में बवाल कराने की कोशिश के मामले में फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी उपद्रवी चक महमूद निवासी नदीम का सोशल मीडिया पर असलहों के साथ फोटो वायरल हो रहा है। एसएसपी ने तीन हिस्ट्रीशीटर समेत सात उपद्रवियों पर 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। ऐसे में अब नदीम के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज हो सकती है। फिलहाल पुलिस वायरल तस्वीरों की जांच कर रही है।

इत्तेहाद मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। इस मामले में पुलिस 86 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, लेकिन अभी भी कई उपद्रवियों फरार चल रहे हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने फरार आरोपियों साजिद सकलैनी, अल्तमस रजा, अफजाल बेग, नायाब उर्फ निम्मा, बबलू खान, नदीम और अदनान सकलैनी के खिलाफ 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस इन सभी आरोपियों की तलाश कर रही थी कि इसी बीच नदीम का सोशल मीडिया पर असलहों के साथ फोटो वायरल होने लगे। इनमें वह अलग-अलग असलाह लेकर रौब झाड़ता दिखाई दे रहा है। ऐसे में उस फोटो की जांच पुलिस कर रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही उसके खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नदीम जिन असलहों को लेकर भौकाल जमा रहा है, उनके लाइसेंस हैं भी या नहीं। जांच पूरी होते ही पुलिस उस पर शिकंजा कसेगी।

15 हजार के इनामी नदीम असलहे के साथ भौकाल दिखाता हुआ।

- **उपद्रवी के खिलाफ जल्द दर्ज हो सकती है एक और एफआईआर**
- **नदीम पर एसएसपी ने 15 हजार रुपये का घोषित किया था इनाम**

पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करने वाले उपद्रवियों में शामिल रहे 17 बवालियों के नाम विवेचना के दौरान और बढ़ाए गए हैं। इन सभी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। बवाल में शामिल रहे किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही निर्दोष को किसी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

– अनुराग आर्य, एसएसपी

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ प्रकीर्ण वाद संख्या–555/2025

ता0पेशी–13.11.2025

Mahatma Memorial School Samiti a Society Registered under the Societies Registration Act having its registered office at 448/1470, Nagaria-2, Thakurganj, Lucknow through its Manager Pankaj Kumar Mishra, S/o Late Anand Prakash Mishra, R/o 448/1470, Nagaria-2, Thakurganj, Lucknow. -Applicant

Versus

1. Shri Shivansh Krishna Mishra, S/o Pankaj Kumar Mishra, R/o 448/1470, Nagaria-2, Thakurganj, Lucknow.-4. Shri Piyush Mishra, S/o Shri Amreesh Mishra, R/o Village & Post-Piparia, Dulai, Pooranpur, Pilibhit.-7. Collector, Lucknow. -Opposite Parties

जन सामान्य को सूचनार्थः–चूंकि उपरोक्त नामांकित–वादी/प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह Application under Section-5-A of the Societies Registration Act हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 13.11.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 14.07.2025 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मरौरी (पीलीभीत)

पत्रांक: 1944/आंकिक/निविदा/टेण्डर/2025-26 दिनांक: 08.10.2025

सूचना

इस कार्यालय के पत्र संख्या 1771/आंकिक/निविदा/टेण्डर/2025-26 दिनांक 22.09.2025 के द्वारा क्षेत्र पंचायत मरौरी के अन्तर्गत पंचम राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त के निर्माण कार्यों के कराये जाने हेतु जनपद के समस्त शासकीय फर्मो/ठेकेदारों से दिनांक 07.10.2025 तक निविदा आमंत्रित किये जाने हेतु दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला, हिन्दुस्तान एवं अमृत विचार में विज्ञप्ति प्रकाशित की गयी थी, जो कि दिनांक 07.10.2025 को गठित त्रिस्तरीय समिति द्वारा खोला जाना था। उक्त निविदा प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निरस्त की जाती है।

खण्ड विकास अधिकारी
मरौरी

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहनपुर, वि.ख. फरीदपुर (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोहनपुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, सामग्री विवरण निम्नवत है- ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.	निर्माण कार्य का नाम जिसकी निविदा जारी की जाती है	अनु.ला. लाख में
1.	ग्राम पंचायत मोहनपुर में जन सेवा केंद (सी.एस.सी.) का निर्माण कार्य	4.998

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें प्रकाशन के तीसरे दिन दोपहर 02 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

फिरासत ग्राम प्रधान — प्रदीप सिंह राना ग्रा.वि.अ.

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जनपद-पीलीभीत

पत्रांक: 254(1)/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 27.09.2025

कुटेशन आमंत्रण सूचना

समस्त टेक्निकल नॉलेज पार्टनरों, एम.आर.एफ. संचालनकर्ताओं डोर टू डोर कलैक्शन, सैग्रीगेशन, आई.ई.सी. आदि गतिविधियां (स्वच्छ भारत मिशन) कराने वाली फर्मो/कुशल इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बीसलपुर उपरोक्त कार्य कराना चाहती है, जिसके लिये दिनांक 09.10.2025 समय 04:00 बजे अपरान्ह तक कुटेशन आमंत्रित है जो दिनांक 10.10.2025 को 02:00 बजे कुटेशनदाताओं की उपस्थिति में सक्षम अधिकारियों द्वारा खोले जायेंगे। इच्छुक फर्म/कुशल व्यक्ति नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कुटेशन बॉक्स में डाल सकते हैं। समय उपरान्त / सशर्त प्राप्त कुटेशनों पर विचार नहीं किया जायेगा। उपरोक्त से सम्बन्धित नियम व शर्ते नगर पालिका परिषद बीसलपुर के सफाई एवं स्वास्थ्य विभाग में कार्यशील दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत — अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: 1473/बी.के.एस./क्रय/2025-26 दिनांक: 08.10.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के दो गन्ना क्रय केन्द्रों यथा सुहेला प्रथम, चुर्रासकतपुर- अ से गन्ना परिवहन कार्य, वाहय गन्ना क्रय केन्द्रों पर सिविल फाउण्डेशन का निर्माण कार्य, नये कम्प्यूटर एवं कम्प्यूमेवल सामानों की आपूर्ति, नयी एनॉलोजिक, मेक एनडरायड एच.एच.सी. मशीनों की आपूर्ति, इन्सटूमेन्ट की ए.एम.सी. कार्य, एच.डी.पी.ई. बैग्स हेतु टैग की आपूर्ति हेतु दिनांक 16.10.2025 तक विभिन्न स्टेशनरी की आपूर्ति, स्टेशनरी प्रिंटिंग की आपूर्ति, अन्य चीनी मिलों से लूज बैगास का परिवहन कार्य प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य, सत्र 2023-24 की 3900 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, सत्र 2024-25 की 3700 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, हेतु दिनांक 17.10.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम व शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1/एच-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बरेली

नवीन मण्डी स्थल पटेलनगर, बरेली रोड 243122

पत्रांक: कृ.उ.म.स./2025-777 दिनांक: 08.10.2025

कैण्टीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन फल-सब्जी मण्डी परिसर, बरेली में स्थित ''02 नग'' कैन्टीन की नीलामी दिनांक 07.10.2025 को प्रात: 11:00 बजे कार्यालय मण्डी समिति बरेली में निश्चित की गई थी। परन्तु दिनांक 07.10.2025 को नीलामी में भाग लेने हेतु कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ। अत: पुन: कैन्टीन नीलामी दिनांक 15.10.2025 समय 11:00 बजे कार्यालय मण्डी समिति, बरेली में की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता 50,000.00 (रूपये पचास हजार मात्र) बैंक गारन्टी अथवा सचिव मण्डी समिति के पक्ष में बन्धक एफडीआर (FDR) प्रतिभूति के रूप में नीलामी से पूर्व समिति कार्यालय में जमा करनी अनिवार्य होगी। जिसके जमा कर बोली में भाग ले सकते हैं। इसकी आवंटन अवधि 3 वर्ष (2025-26, 2026-27 एवं 2027-28) होगी। आवंटन पत्र प्राप्त होते ही धनराशि त्रैमासिक किस्तों में अग्रिम रूप से जमा करनी होगी। दो त्रैमासिक किस्तें बकाया होने की दशा में आवेदक को नोटिस निर्गत की जायेगी, यदि नोटिस निर्गत होने के 15 दिन के अन्दर किस्त जमा नहीं होती है तो आवंटन बैंक गारन्टी/एफडीआर जब्त कर निरस्त कर दिया जायेगा। अत: इच्छुक व्यक्ति कार्यालय से 250.00 जमा कर नीलामी प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर समिति कार्यालय में दिनांक 14.10.2025 को सायं काल 05:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। नीलामी की शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सूचना पट्ट पर देखी जा सकती हैं।

सचिव, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बरेली — सभापति, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बरेली

8 एजेंसियों पर 25-25 हजार का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **नगर आयुक्त को वार्डों के औचक निरीक्षण में मिली लापरवाही, सफाई निरीक्षकों को दिए नोटिस**

अमृत विचार : नगर आयुक्त ने बुधवार को कई वार्डों में औचक निरीक्षण किया तो सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई। नगर आयुक्त ने लापरवाही पर आठ एजेंसियों पर 25-25 हजार का जुर्माना लगाते हुए सफाई निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य को निरीक्षण के दौरान सड़कों पर कूड़े के ढेर और नालियां गंदगी से बजबजाती मिलीं जबकि कागजों में ये सड़कें लगातार साफ होती दिखाई गईं और भुगतान भी कर दिया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने आठ ठेकेदारों की फर्म को नोटिस जारी कर 25-25 हजार का जुर्माना लगाया है।

उन्होंने सफाई निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस देकर चेतावनी दी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से भी स्पष्टीकरण मांगा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिन एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया है इनमें मैसर्स मो. कयूम खां कांट्रेक्टर, मै. कोर्णाक ग्लोबल सर्विसेस, मै. अवरड्रीम नेटमार्ट प्राइवेट लिमिटेड, मै. पीपीपी सिक्योरिटी एंड एम्पलॉयज सर्विसेस, मै. इग्नाइटेड साफ्ट, मै. आनंद नारायण कांट्रेक्टर और डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली आयुषी हाईजीन एंड केयर, पीपीपी सिक्योरिटी एंड एम्पलॉयज सर्विसेस फर्म शामिल हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि निरीक्षण में सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर संबंधित कार्यदायी एजेंसियों पर जुर्माना और संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

रबड़ फैक्ट्री केस में सुनवाई टली दोबारा नोटिस जारी

विधि संवाददाता, बरेली: रबड़ फैक्ट्री की 13 सौ एकड़ भूमि पर कब्जा लेने के लिए प्रशासन ने सिविल कोर्ट में कैंसिलेशन डीड वाद दायर किया है, जिसमें बुधवार को रबड़ फैक्ट्री की ओर से कोई अदालत में हाजिर नहीं हुआ। कोर्ट ने दोबारा नोटिस भेजकर सुनवाई को 6 नवम्बर की तिथि नियत की है। इसके अलावा जिला जज ने इस मुकदमे को सिविल जज जूनियर डिवीजन हवाली कोर्ट से सिविल जज जूनियर डिवीजन एफटीसी प्रथम कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है।

मिट्टी की ढांग गिरने से दो बहनें दबीं, एक की मौत

फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र में दीपावली के मौके पर घरों की लिपाई के लिए मिट्टी लेने गईं दो बहनें मिट्टी की ढांग गिरने से दब गईं, जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि, दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बहन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फरीदपुर तहसील क्षेत्र के गांव सबदलपुर निवासी महिपाल की बेटियां प्रियंका (10) और शिवानी (12) घर से बुधवार सुबह 10 बजे गांव के बाहर मिट्टी खोदने गई थीं। दोनों मिट्टी इकट्ठा कर रही थीं कि तभी ढांग ऊपर से गिर गई और दोनों दब गईं। हादसे की सूचना किसी तरह परिजनों को मिली। मौके पर परिजन समेत आसपास के लोगों ने पहुंच कर किसी तरह मिट्टी की ढांग को हटाया। दोनों बच्चियों को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्रियंका को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि शिवानी को चोट आई है, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

पत्नी के पेट में मारा चाकू गर्भस्थ शिशु की मौत

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

अमृत विचार: बिजनौर के थाना रायगढ़ के गांव हरकिशनपुरा निवासी रामकुमार सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने 2022 में पुत्री ममता देवी की शादी अब्दुल्लापुर लेद निवासी यशपाल पुत्र अनंत राम के साथ की थी। शादी के समय हर जरूरत का सामान दिया। कुछ समय बाद ससुरालियों ने 2 लाख रुपये के लिए बेटी से मारपीट शुरू कर दी। इसके बावजूद वह समय-समय पर बेटी के ससुरालियों को नकदी देते रहे। ताकि बेटी सुकून से रहे। 6 अक्टूबर की सुबह 5:00 बजे रिश्तेदार ने सूचना दी कि दामाद ने बेटी के पेट में चाकू मार दिया है और उसकी हालत गंभीर है। वह उत्तराखंड के काशीपुर अस्पताल में भर्ती है। वह परिजनों सहित वहां पहुंचे। डॉक्टरों ने बेटी का ऑपरेशन किया तो गर्भ में पल रहे गर्भस्थ पांच माह के शिशु की चाकू लगने से मौत हो गई थी। हालत बिगड़ने पर बेटी को मुरादाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने पति सहित तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अखिलेश से मुलाकात पर आजम खां ने ओढ़े रखी चुप्पी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का इस्तकबाल करने के लिए आजम खां खुद जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे और उनसे कुछ बातचीत की। इसके बाद दोनों एक ही कार से घर पहुंचे। दोनों ने अकेले करीब डेढ़ घंटे बातचीत की। आजम खां के घर पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने ने पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान पत्रकारों ने आजम खां से भी कुछ सवाल किए लेकिन कुछ मामूली जवाबों के अलावा खामोश ही रहे।

आजम खां के जेल जाने और निकलने तक सपा में उन्हें लेकर जिस तरह का माहौल रहा उससे तमाम तरह के सियासी कयास लगाए जा रहे थे। यह भी कहा जा रहा था कि वह बसपा में शामिल होंगे। बहरहाल बुधवार को आजम खां से मिलने सपा प्रमुख अखिलेश यादव रामपुर पहुंचे। बंद कमरे में आजम खां और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बीच करीब डेढ़ घंटे गुफ्तगू भी हुई लेकिन, पत्रकारों से बातचीत के दौरान आजम खां चुप्पी साधे रहे। एक सवाल के जवाब में आजम खां ने बस इतना कहा कि हमने अकेले गुफ्तगू की है मेरा बेटा भी नहीं था। अपराह्न करीब 2:30 बजे तक पत्रकारों से बातचीत करने के पश्चात अखिलेश यादव घर से बाहर आए और सतनाम सिंह, ओमेंद्र सिंह, फरहान खां समेत सपाइयों से मिलकर चले गए। इस दौरान तमाम सपाई आजम खां के घर के निकट पार्क पर अखिलेश यादव का इंतजार कर रहे थे।

पत्रकारों से बात करते अखिलेश यादव साथ में आजम खां।

अपने घर की कीमत बताएं आजम : फरहत

रामपुर, अमृत विचार : मुस्लिम महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष फरहत अली खां ने कहा कि वह पूर्व मंत्री आजम खां का घर खरीदना चाहते हैं। कहा कि वह एक लाख रुपये के चेक के माध्यम से बयाना दे सकते हैं। आजम खां अपने घर की कीमत बताएं मैं छह माह में अदा कर दूंगा। कहा कि पूर्व मंत्री का घर खरीद कर कॉलेज बनवाऊंगा।

आबादी में घुसे तेंदुआ का बकरी पर हमला

ठाकुरद्वारा , अमृत विचार: ग्राम मुनीमपुर में मंगलवार देर रात तेंदुआ मोहम्मद शेर अली के घर में घुस आया और उनकी बकरी पर हमला कर दिया।

ग्रामीण दहशत में आ गए और रात भर जागते रहे। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के दरोगा पीयूष जोशी, वन रक्षक कल्पना रानी और बीट प्रभारी मदन सिंह ने कांबिंग की। मोहम्मद शेर अली के घर और आसपास तेंदुए के पदचिन्ह मिले। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से गांव में तत्काल पिंजरा लगाए जाने की मांग की है। वन दरोगा पीयूष जोशी ने आश्वासन देते हुए सतर्क रहने को कहा है। लोग तेंदुए को लेकर दहशत में है।

आयोजन | **आईआईटी कानपुर के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव में 75 से अधिक इवेंट होंगे**

आईआईटी में जोश और जुनून का महोत्सव 'अंतराग्नि' आज से

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **देशभर के 400 से अधिक कॉलेज और संस्थान करेंगे भागीदारी**
- **12 तक चलने वाले महोत्सव का अमृत विचार है मीडिया पार्टनर**

अमृत विचार: आईआईटी कानपुर के युवाओं के जोश और जुनून का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव अंतराग्नि गुरुवार से शुरू हो रहा है। इस युवा महोत्सव में 75 से अधिक इवेंट होने जा रहे हैं जिनमें देशभर के 400 से अधिक कॉलेज व संस्थानों से आए युवा प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 12 अक्टूबर तक चलने वाले युवा महोत्सव का मीडिया पार्टनर दैनिक अमृत विचार है।

अंतराग्नि में प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए बुधवार से प्रतिभागियों का संस्थान में आना शुरू हो गया। बताया गया कि आईआईटी कानपुर के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव अंतराग्नि 1.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष दर्शक और 3.5 लाख से अधिक ऑनलाइन दर्शकों का उत्सव बन गया है। अंतराग्नि की थीम इस बार कानरेकी का ओराकुलम रखी गई है। चार दिन के इस आयोजन में रॉक नाइट, ईडीएम नाइट, फ्यूजन नाइट दा जलवा बिखरेगा। इसके अलावा ऋंभरा, मिस्टर व मिस अंतराग्नि जैसे भव्य इवेंट होंगे। आयोजन के दौरान युवाओं की ओर से विभिन्न सामाजिक संदेश भी दिए जाएंगे।

आयोजन के दौरान अक्षर-आईआईटी कानपुर का एक साहित्य महोत्सव भी आयोजित किया जाएगा। शिवानी केन्द्र, राजभाषा प्रकोष्ठ, हिंदी साहित्य सभा एवं गाथा (एसआईआईसी-इनक्यूबेटेड कंपनी) की ओर से यह इवेंट आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन प्रसिद्ध हिंदी उपन्यासकार गौरा पंत 'शिवानी' से प्रेरित है। अंतराग्नि प्रोनाइट्स बॉलीवुड, ईडीएम, फ्यूजन और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां भी होंगी। कवि सम्मेलन और मुशायरा, प्रसिद्ध कवियों की रचनाओं से श्रोता मंत्रमुग्ध होंगे।

कार्यक्रम में भाग लेने आतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

नामचीन हस्तियां होंगी शामिल

आयोजन में कई नामचीन हस्तियां शामिल होने आ रही हैं। इनमें व्योमेश शुक्ला, हिमांशु वाजपेयी और प्रज्ञा शर्मा, मोहम्मद वकील, सिद्धार्थ सिंह, डॉ. आलोक वाजपेयी, डॉ. मधु सहगल, आनंद कक्कड़ प्रमुख रूप से शामिल होंगे। यह हस्तियां बौद्धिक मंच का प्रतिनिधित्व करेंगी। फिल्मी आयोजन में पंचायत सीरीज के बनराकस फेम दुर्गेश कुमार, छिछोरे के बेवड़ा फेम सहर्ष शुक्ला और प्रसिद्ध लेखिका भावना मिश्रा भी शामिल होंगी। कवि सम्मेलन में नरेश सक्सेना, बालमोहन पांडे, अजहर इकबाल, अमृतांशु शर्मा, सान्या राय, व्योमेश शुक्ल, विश्वनाथ तिवारी आदि जैसे दिग्गज शामिल होंगे।

अमृत विचार

गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025

दीपक सोने का हो या मिट्टी का, मूल्य उसका नहीं, उसकी लौ का है।

–**महादेवी वर्मा**, हिंदी साहित्यकार

समयोचित चेतावनी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का यह कहना कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता नई संभावनाओं का द्वार खोल रही है, लेकिन इसका दुरुपयोग खतरनाक परिणाम दे सकता है, बिल्कुल समयोचित चेतावनी है। आज जेनेरेटिव एआई केवल तकनीकी नवाचार नहीं रहा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, वित्तीय लेनदेन, मीडिया और जनमत निर्माण का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में इसका जिम्मेदार और सुरक्षित इस्तेमाल अनिवार्य हो गया है। खासतौर पर वित्तीय क्षेत्र के लिए यह बड़े खतरे के तौर पर उभर चुका है। आरबीआई की रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, पिछले एक वर्ष में डीपफेक हमलों के लिए संवेदनशील इस क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी मामलों में लगभग 25 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई, जिनमें बड़ी संख्या एआई-जनित ऑडियो या वीडियो ठगी की थी। चिंता की बात है कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे मामलों में नकली वीडियो कॉल, डीपफेक आवाज या सरकारी अधिकारी के रूप में प्रस्तुत होकर ठगी करने वाले अपराधियों पर कोई प्रभावी रोक नहीं लग सकी है। साइबर सुरक्षा एजेंसी 'सर्ट इन' भी मानती है कि डीपफेक धोखाधड़ी 'नेक्स्ट-जेन फ्रॉड' बन रही है।

देश में वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और शासन, हर क्षेत्र में एआई आधारित समाधान तेजी से अपनाए जा रहे हैं। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बाजार इस साल 1.5 बिलियन डॉलर से ऊपर जाने का अनुमान है। परंतु जहां नवाचार होता है, वहीं दुरुपयोग की गुंजाइश भी बढ़ती है। डीपफेक तकनीक इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरी है। हाल के महीनों में कई प्रसिद्ध व्यक्तियों, जिनमें स्वयं वित्तमंत्री भी शामिल हैं, जिनके निवेश के अनुरोध वाले डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए हैं, जो न केवल व्यक्तिगत छवि बल्कि जन विश्वास को भी चोट पहुंचाते हैं।

सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए 'इंडिया एआई मिशन' के अंतर्गत पांच परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका उद्देश्य डीपफेक ऑडियो-वीडियो की पहचान करना और स्वचालित सत्यापन प्रणाली विकसित करना है। इसके अतिरिक्त गृह मंत्रालय ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापन की है और आरबीआई ने बैंकों को एआई-आधारित फ्रॉड डिटेक्शन टूल्स अपनाने की सलाह दी है। मेटा, गूगल और एक्स (ट्विटर) जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म से भी डीपफेक सामग्री की पहचान और टैगिंग के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। डीपफेक की पहचान के लिए आईआईटी जोधपुर, मंडी, खड़गपुर जैसे संस्थान भी ऐसे टूल्स विकसित करने में लगे हैं, जो रियल टाइम में डीपफेक को पहचनाने, विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। इनसे ऐसा सुरक्षित तथा समावेशी एआई माडल विकसित हो सकेगा, जो राष्ट्र निर्माण में एआई इको-सिस्टम बनाएगा। फिर भी, केवल तकनीकी समाधान पर्याप्त नहीं होंगे। डिजिटल साक्षरता और जन-जागरूकता सबसे बड़ी रक्षा है। साथ ही, एआई-आधारित अपराधों पर कड़ी विधिक परिभाषा और दंडात्मक प्रावधान भी समय की मांग है। वित्तमंत्री स्वयं सक्षम हैं, वे चेतावनी देने के साथ ही इस ओर भी पहल करें, नहीं तो डिजिटल नवाचार का यह नया युग जन विश्वास को संकट में बदल सकता है।

प्रसंगवश

नई पीढ़ी न डाकिए को जानती है और न ही चिट्ठियों का मर्म

डाकिया भारतीय समाज का अभिन्न हिस्सा रहा है। बदलती तकनीक ने डाकिए और डाक दोनों को नेपथ्य में ढकेल दिया। नई पीढ़ी न डाकिए को जानती है और न ही चिट्ठियों के मर्म को। आज नौ अक्टूबर है और इस दिन को 'विश्व डाक दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। आज संदेश चंद सेकेंड में एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाते हैं, ऐसे में डाक सेवा का इतिहास न केवल तकनीकी विकास की कहानी है, बल्कि मानव सभ्यता की उस यात्रा का साक्षी भी है, जिसने संवाद को संस्कृति, भावना और विश्वास के स्तर तक पहुंचाया। डाकिया केवल पत्र नहीं पहुंचाता था, वह रिश्तों और संवेदनाओं को भी एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचाने का साधन रहा है।

अतुल गोयल

युवा लेखक

9 अक्तूबर 1874 को स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक ऐतिहासिक संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके फलस्वरूप 'यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' की स्थापना हुई। इस संगठन ने वैश्विक डाक व्यवस्था को एकीकृत स्वरूप दिया, जिसके बाद दुनिया के किसी भी कोने से भेजा गया पत्र समान नियमों और व्यवस्थाओं के तहत किसी अन्य देश में पहुंचना संभव हुआ। भारत ने पहली जुलाई 1876 को इस संगठन की सदस्यता ग्रहण की और इस प्रकार वह यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला पहला एशियाई देश बना। 1969 में जापान के टोक्यो में आयोजित विश्व डाक संघ सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि 9 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'विश्व डाक दिवस' के रूप में मनाया जाएगा, ताकि डाक सेवा के महत्व, उसकी भूमिका और इसके नवाचारों के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

भारत में डाक व्यवस्था का इतिहास 259 वर्ष पुराना है। ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1766 में लॉर्ड क्लाइव ने भारत में डाक सेवा की नींव रखी। उस समय यह व्यवस्था मुख्यतः प्रशासनिक और सैन्य उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त होती थी। उसके बाद 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने भारत का पहला डाकघर कोलकाता में स्थापित किया। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 1786 में चेन्नई और 1793 में मुंबई में जनरल पोस्ट ऑफिस स्थापित किए गए। धीरे-धीरे यह व्यवस्था आम नागरिकों तक पहुंची और जन-संचार का माध्यम बनी।

डाक टिकटों का इतिहास भी उतना ही दिलचस्प है, जितना डाक व्यवस्था का। डाक टिकटों की शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल में 1852 में सिंध प्रांत में हुई, जब वहां के तत्कालीन ब्रिटिश प्रशासन ने एक सीमित प्रयोग के तौर पर टिकटें जारी कीं। ये टिकट केवल सिंध प्रांत के भीतर ही मान्य थी। पूरे भारत के लिए पहला आधिकारिक डाक टिकट 1854 में जारी हुआ लेकिन यदि वैश्विक स्तर पर देखें तो डाक टिकटों का इतिहास करीब 185 वर्ष पुराना है। डाक टिकट का विचार एक ऐसी समस्या के समाधान के रूप में जन्मा, जो आज के संदर्भ में बेहद साधारण प्रतीत होती है पर उस समय सरकार के लिए बड़ी चुनौती थी।

18वीं सदी तक डाक प्रेषण का शुल्क या तो पत्र भेजने वाले को देना पड़ता था या पत्र प्राप्त करने वाले से वसूला जाता था। अक्सर ऐसा होता कि पत्र भेजने वाला शुल्क चुकाए बिना ही पत्र भेज देता और प्राप्तकर्ता उसे लेने से इंकार कर देता। इससे डाक विभाग को भारी आर्थिक नुकसान होता था। ब्रिटिश सरकार के आर्थिक सलाहकार सर रोलैंड हिल ने इस समस्या का स्थायी समाधान सुझाया। उन्होंने कहा कि पत्र भेजने वाले को अग्रिम रूप से शुल्क देना चाहिए और इसका प्रमाण एक मुद्रित टिकट के रूप में होना चाहिए। इस तरह डाक टिकट की अवधारणा विकसित हुई।

नई पोलिटिकल करेंसी बन रहे जेन-ज़ी

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने पर एक खास बात हुई कि भारत सरकार ने एक सिक्का जारी किया, जिस पर चित्रित स्वयंसेवक राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को नहीं एक भगवा ध्वज को प्रणाम करते उकेरे गए हैं। आजादी के आंदोलन में संघ की नगण्य भूमिका और तिरंगे झंडे को लेकर इसके लंबे विरोध के चलते उठा विवाद जारी है, जिसकी सत्ता होती है वह अपने हिसाब का इतिहास बनाने की कोशिश करता ही है। दूसरे, इस तरह इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने को लेकर जनता में कोई चेतना नहीं है, इसलिए यह मुद्दा ज्यादा दिन चलने वाला नहीं है।

इस अवसर पर इससे भी अधिक एक और खास बात हुई। वह यह है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने शताब्दी भाषण में जेन-जी का जिक्र किया। यह किसी असाधारण भविष्य का संकेत है। संघ आमतौर पर युवाओं की बात नहीं करता, वहां हमेशा से अनुभव और परिपक्वता का बोलबाला रहा है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से जाहिर है कि नेपाल में युवाओं के दिशाहीन विद्रोह और चीन से लगे लद्दाख की हिंसा के बाद जेन-जी भारत में पोलिटिकल करेंसी बनने की राह पर है।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने चतुर्दिक विनाश का खाका खींचते हुए कहा, "प्राकृतिक उथल-पुथल है, जो जनजीवन में भी उथलपुथल दिखा रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश और फिर नेपाल में। कभी-कभी होता है कि प्रशासन संवेदनशील नहीं रहता, लोकाभिमुख नहीं रहता, जनता की अवस्थाओं को ध्यान में रखकर नीतियां नहीं बनतीं तो असंतोष रहता है, लेकिन उस असंतोष का इस तरह व्यक्त होना किसी के लाभ की बात नहीं है। ऐसे हिंसक मार्गों से परिवर्तन नहीं आता है। एक उथल-पुथल हो जाती है, लेकिन स्थिति यथावत रहती है। ऐसे हिंसक परिवर्तनों से उद्देश्य नहीं प्राप्त होता है, उल्टा इस अराजकता की स्थिति में बाहर की ताकतों को अपने स्वार्थ के खेल खेलने का मौका मिलता है।" उन्होंने जेन-जी की सोच पर सवाल उठाते हुए कहा, "एक उलटी और घातक विचारधारा लेकर चलने वाला एक नया पंथ उदय में आया। आजकल वह भारत में भी हाथ-पैर फैलाने की कोशिश कर रहा है। सौभाग्य से भारत में एक आशा की किरण ये दिखाई देती है कि नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना, अपनी संस्कृति के प्रति आस्था और विश्वास का प्रमाण लगातार बढ़ा है।"

आरएसएस के सौ साल के इतिहास में युवाओं और महिलाओं की भूमिका बहुत कम दिखाई देती है। आमतौर पर इसके उच्च नेतृत्व की कतारों में स्वयंसेवक तब पहुंचते हैं, जब वे आधी से अधिक उम्र जी चुके होते हैं। ऐसे में जेन-जी के भीतर चलती हलचलों पर गौर करना महत्वपूर्ण है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में मतदाता सूचियों में लोगों के नाम हटाने और अन्य गड़बड़ियां करने के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार बताते हुए जेन-जी से अपील की थी कि अगर उन्हें लोकतंत्र की चिंता है, तो अपना मताधिकार और अपनी नागरिकता बचाने के लिए आगे आना चाहिए। क्या सत्ताधारी क्या विपक्षी, सभी राजनीतिक दल, पिछले कुछ दिनों से जेन-जी से कनेक्ट होने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति के पिछले कुछ दशकों के परिदृश्य पर नजर डालें, तो पाएंगे कि राजनीतिक दलों में नए खून का आना लगभग बंद हो चुका है। जो चमकते युवा दिखाई देते हैं, वे छोटे-बड़े राजनीतिक परिवारों से आए हैं या वे हैं जो किसी संयोग या दुर्घटना से वहां पहुंच गए हैं। यह सिलसिला जेन-जी से पहले की पीढ़ी के अराजनीतिकरण और उदासीनता से शुरू हुआ था और ज्यादातर शैक्षिक परिसरों में छात्रसंघों को भंग करने या लिंगदोह आयोग द्वारा छात्रसंघों की भूमिका को अत्यंत सीमित कर देने से परवान चढ़ा था। अब सामान्य परिस्थितियों में राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ाने और उनके लिए भीड़ जुटाने का काम इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां करने लगी हैं। प्रशांत किशोर ऐसे ही एक व्यवसायी हैं, जो अब खुद राजनीतिक पार्टी बनाकर बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं।

बीते वर्षों में राजनीति काफी बदली है। विचारों और बहसों को जनता तक ले जाने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका खत्म हो चुकी है। अब यह काम संगठित कारपोरेट के ढंग से किया जाता है, जिसमें पार्टी नेतृत्व द्वारा मुहैया कराए संदेशों को बेरोजगार युवा कुछ पैसे लेकर व्हाट्सऐप फारवर्ड के जरिए दिए गए नंबरों पर जनता को भेजते हैं।

युवाओं के राजनीति में न आने से पार्टियों का नेतृत्व निरापद महसूस करता रहा, लेकिन जमीनी सच्चाईयां वही रहीं। चुनाव और लोकप्रियता का प्रबंधन संसाधनों के कारण सत्ताधारी पार्टियां बेहतर तरीके से करने लगीं, जिससे राजनीतिक परिवर्तन लगभग बंद हो गए। अब राजनीतिक दलों को जेन-जी की याद आ रही है, उन्हें पोलिटिकल करेंसी बनाने की कोशिश हो रही है, क्योंकि सड़क पर उनकी भौतिक शक्ति के उतरे बिना किसी परिवर्तन की गुंजाइश नहीं बन रही है। यहां मोहन भागवत की एक बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वे कह रहे हैं कि भारत की नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना और अपनी संस्कृति के प्रति आस्था का प्रमाण लगातार बढ़ा है। यह देशभक्ति और संस्कृति के प्रति लगाव को अप्रत्याशित ढंग से बढ़ाने में तकनीक की भूमिका रही है।

इसे प्रमुख तौर पर प्राचीन काल के कार्यकर्ताओं नहीं व्हाट्सऐप संदेशों और सोशल मीडिया पर आईटी सेल के बनाए वीडियोज के जरिए प्रचारित किया गया है। इसी तरह विपक्ष भी जेन-जी में बेरोजगारी, धार्मिक हिंसा और भारतीय संस्कृति पर एक खास विचार के दबदबे के विरोध में आंदोलन की संभावना देख रहा है। आने वाले दिनों में यह दिखाई देगा कि भारतीय जेन-जी किस दिशा का रुख करता है!

पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से जाहिर है कि नेपाल में युवाओं के दिशाहीन विद्रोह और चीन से लगे लद्दाख की हिंसा के बाद जेन-जी भारत में पोलिटिकल करेंसी बनने की राह पर है।

आमने

बिहार में कांग्रेस का कोई अस्तित्व ही नहीं है। राहुल गांधी पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और तेजस्वी यादव के पीछे-पीछे चलते हैं। वे कांग्रेस को 25-30 सीटें देंगे उन्हें भी राहुल जिता नहीं पाएंगे। राहुल गांधी किसी बात को लेकर सीरियस नहीं हैं।

–**प्रह्लाद जोशी**, केंद्रीय मंत्री

सामने

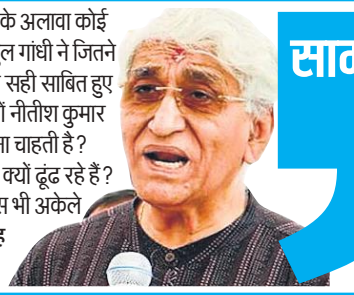

भाजपा को राहुल गांधी के अलावा कोई नाम ही नहीं आता। राहुल गांधी ने जितने भी मुद्दे उठाए हैं, वे सभी सही साबित हुए हैं। बिहार में भाजपा क्यों नीतीश कुमार के कंधे पर सवारी करना चाहती है? अन्य लोगों के कंधों को क्यों ढूंढ रहे हैं? वो अकेले लड़ लें कांग्रेस भी अकेले लड़ लेगी। –**टीएस सिंह देव**, कांग्रेस के नेता

मायावती 2.0: बदल पाएंगी सियासी समीकरण!

नवेद शिकोह

वरिष्ठ पत्रकार

रमाबाई अंबेडकर मैदान स्थित मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल के खूब बड़े मैदान में अर्से बाद बसपा सुप्रीमो मायावती की 'दहाड़' उत्तर प्रदेश की सियासत का रुख तय करेगी। मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर महासंकल्प रैली का अस्ल संकल्प क्या होगा? सत्ता हासिल करना, किंगमेकर बनना, सत्ता को नियंत्रित करना, किसी को हराना या किसी को जिताना? 9 अक्टूबर का नीला आकाश गवाही देगा कि मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर 'राशन नहीं शासन' का संकल्प लेने वालों ने विशाल मैदान को कितना नीला किया है। यही मौका होगा, जब बसपा का हाथी तय करेगा कि यूपी की सियासत का ऊंट किस करवट बैठेगा।

एनडीए और इंडिया के अलावा यूपी में तीसरी बसपा की ताकत उभरी, तो इसका किसको नुकसान होगा या किसको फायदा होगा ये बड़ा प्रश्न है। बड़ी जिज्ञासा इस बात की भी है कि बसपा अपनी पुरानी ताकत में आकर सत्ता का संघर्ष करेगी और त्रिकोणीय मुकाबले में आ जाएगी या विपक्ष को कमजोर कर सत्तारूढ़ भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगी? अथवा गठबंधन के इस सियासी दौर में 'एकला चलो' की जिद छोड़कर किसी गठबंधन में आने या कोई गठबंधन बनाने के संकेत देगी! तमाम सवालों के सांकेतिक जवाब, बसपा की महासंकल्प रैली में मायावती के रुख से पता चल जाएंगे।

बसपा को पुनर्जीवित करने, आकाश आनंद को रिलांच करने और पार्टी के चुनावी टिकट की काफी छोटी हो चुकी कतार को बढ़ाने की संभावनाओं वाली रैली में भाजपा का पर्दे के पीछे से क्या रोल होगा? योगी सरकार, प्रशासन कितना सहयोग/असहयोग करता है ये भी देखना होगा। समाजवादी पार्टी ने बसपा को प्रतिद्वंद्वी मानते हुए रैली के दिन जिलों में कांशीराम जी की स्मृति सभाएं आयोजित की हैं। बसपा रैली पर भाजपा का रिएक्शन क्या है ये देखना होगा!

गौर करनी वाली बात तो ये होगी कि रैली- 'राशन नहीं शासन चाहिए' थीम पर ही आधारित हो, बसपा सुप्रीमो मायावती सिर्फ सत्ता के खिलाफ जंग का एलान करें और अपने पारंपरिक वोट बैंक दलित समाज की बसपा में वापसी की इमोशनल अपील करें, तो ये सत्तारूढ़ भाजपा के लिए खतरे की घंटी और 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले का संकेत होगा, हालांकि ऐसी संभावना कम है। सत्तारूढ़ भाजपा से अधिक सपा-कांग्रेस पर हमलावर होने और पिछड़ों-मुसलमानों को अपने पाले में लाने पर ज्यादा बल दिया तो बसपा को भाजपा की बी टीम का टैग गहराएगा और इस रैली को भाजपा प्रयोजित कहने के आरोपों को बल मिलेगा।

यदि मायावती पार्टी को पुनर्जीवित करना चाहती हैं, तो उन्हें सबसे पहले अपने दलित वोट बैंक की वापसी पर जोर देना होगा। दलित विरोधी बताते हुए सत्ता के प्रति आक्रामकता दिखानी पड़ेगी। दलित की वापसी शुरू हुई, तो मुस्लिम खुद-बखुद बसपा को सपा से बेहतर विकल्प मान लेगा। दलित-मुस्लिम का कॉम्बिनेशन मजबूत हुआ तो गैर यादव पिछड़ी जातियां और अपर कास्ट भी सत्ता की संभावना देखकर जुड़ेंगी, लेकिन ये दूर की कोड़ी है। पहले तो बसपा को भाजपा में जा चुके दलित वर्ग की वापसी के प्रयासों पर केंद्रित होना होगा।

मुस्लिम समाज भी यही चाहता है कि बसपा का आधार कम से कम 80-90 फीसद दलित समाज से मजबूत हो तो सपा से अधिक वरीयता बसपा को दे सकते हैं, किंतु दलितों की वापसी के बजाय मुस्लिम समाज पर ही डोरे डालने, टिकट देने या वोट न देने की शिकवे-शिकायतें करने से ही बसपा को वोट कटवा और भाजपा की भी टीम जैसी तोहमतें लगती रही हैं।

हालांकि ये सच है कि कांशीराम जी ने बसपा स्थापना के साथ दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट कर सर्वप्रथम पीडीए का फार्मूला बनाया था। इस बात के मद्देनजर तो मायावती का पिछड़ों और मुस्लिम समाज को अपने पाले में लाने की कोशिश जायज है, पर जब जड़ें मिट्टी के बाहर आ गईं हों तो पहले कमजोर जड़ों को मजबूत करना होगा। यानी दलितों की वापसी हुई, तो मुस्लिम और पिछड़ी जातियों की टहनियां-पत्तियां नजर आने लगेंगी।

सन् 2007 बसपा की सफलता और विफलता का वर्ष था, जब पार्टी ने सर्वजन हिताय और हाथी नहीं गणेश है, जैसे नये विचारों के साथ यूपी में पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। शायद इस सफल प्रयोग के साथ ही बसपा ने विफलता की खाई में डूबना शुरू कर दिया था। सर्वजन हिताय में दलित समाज को अन्य दलों और बसपा में कोई खास फर्क नजर नहीं आने लगा और दलित समाज का एक बड़ा वर्ग पहली बार बसपा का साथ छोड़ कर भाजपा के साथ चला गया। बसपा हाशिए पर आ गई।

शायद इसीलिए कांशीराम कहा करते थे कि उनका मकसद सत्ता से ज्यादा सत्ता पर नियंत्रण करना है। मजबूत नहीं मजबूर सरकार होना चाहिए। ज्यादा मजबूत सरकार से पूंजीवाद और सामंतवादी ताकतें बढ़ती हैं और वंचित, गरीब, कमजोर आम जनमानस और भी कमजोर होता जाता है।

आज नौ अक्टूबर को रमाबाई अंबेडकर मैदान स्थित मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर 'राशन नहीं शासन' का संकल्प लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती दोबारा सियासी मैदान में उतर रही हैं।

सोशल फोरम

पान का राग-अनुराग और साहित्य चिंतन

आज पान पर चर्चा चल पड़ी। सबसे पहले तीसरी कसम का कालजयी गीत, पान खाए संइयां हमारो, याद आया। डॉन फिल्म का गाना, खइके पान बनारस वाला, अमिताभ की भंगिमाओं के साथ याद आया। कवि कैलाश गौतम याद आए, जो कहा करते थे, प्यार के और पान के पकने की प्रक्रिया एक सी होती है, दोनों धीरे-धीरे पकते हैं, इस बात को कहता उनका एक दोहा भी याद आया...

सहज सरल चितवन मधुर, मंद मंद मुस्कान
धीरे धीरे पक रहा, जैसे मगही पान

ऐसे में, इतवार छोटा पड़ गया, गजल संग्रह के शानदार कवि प्रताप सोमवंशी का यह शेर याद आना ही था...

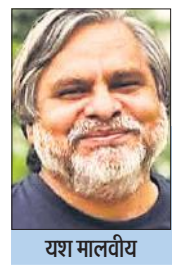

यश मालवीय

साहित्यकार

तू मुझसे रूठ गया है तो बात मत करना
मैं पान लाया हूं लाले की जान ले तो सही

महाकवि कबीर याद आने लगे...

लाली मेरे लाल की, जित देखूं तित लाल
लाली लेने मैं चली, मैं भी हो गई लाल

इलाहाबाद को एक मूल्य की ही तरह जीने वाले धर्मवीर भारती की छवियां भी मन में कौंधने लगीं, जो इलाहाबाद के लोकनाथ से और बनारस के गोदौलिया से मंगाकर पान खाते थे।

इस बीच मुझे भी गोदौलिया का पान खाने का सौभाग्य मिला, बरबस एक दोहा जबान पर आ गया...

रिश्तों में जब जब उगी, गहरी हुई थकान
पेश किया तब तब हमें, गोदौलिया का पान

कवि विनोद श्रीवास्तव तो होठों पर पान के रचने को, प्रीत के रचने जैसा ही मानते हैं...

आश्विन के दिन अलसाए से, होठों पर गहरी प्रीत रचें!

मेरी दादी कहा करतीं थीं, जिसके होठों पर पान गहरे से रचता है, उसकी सास उसे बहुत चाहती हैं, वो चाहे स्त्री हो या पुरुष।

अब तो बस यादें ही रह गईं...
दादी मां का पान सुपारी
पिछली पहरी हुआ उधारी
अब घर में हैं सिर्फ सरौते
पग पग पर आहत समझौते

बहरहाल! यह पान जैसी रची, पूजा के बाद की सुबह आप सबको मुबारक हो!

–**फेसबुक वाल से**

सामयिकी

चिंता का विषय है न्याय की दहलीज तक पहुंची नफरत

सुप्रीम कोर्ट को न्याय का अंतिम स्थान माना गया है। उसकी चौखट से जो भी निर्णय हुआ, उसे सर्वमान्य की संज्ञा सामाजिक व्यवस्था ने दी हुई है। समानता, सबगुणता, संविधान, न्यायसंगत आदि सभी की जड़ें सुप्रीम अदालत से सींचीं जाती रही हैं। मुख्य न्यायमूर्ति की स्याही से लिखा प्रत्येक फैसला अमिट होता है, लेकिन अब उनके निर्णयों पर भी खुलेआम नाखुशी जताई जाने लगी हैं। शायद, ये बदलते समय की सबसे बदनुमा हरकत है।

भरी अदालत में छह अक्टूबर को नाराजगी की एक गंदी तस्वीर को पूरे देश ने देखा, जिसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। ऐसी घटना, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की होगी। घटना को अंजाम

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

किसी सामान्य व्यक्ति ने नहीं, बल्कि कानून के रक्षक कहे जाने वाले अधिवक्ता ने दिया? अधिवक्ता ने अपने गुस्से का इजहार देश के चीफ जस्टिस पर कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश से दर्शाया, जिसकी मुखालफत देश के प्रत्येक वर्ग ने की। करनी भी चाहिए। 'ऑल इंडिया बार एसोसिएशन' भी आरोपी के खिलाफ खड़ा है। एआईबीए ने तो दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर आरोपी पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने को लेकर चिट्ठी तक लिख डाली है। एआईबीए के अध्यक्ष डॉ. आदिश अग्रवाल ने खुद ये कदम उठाया है।

अब सवाल यह है कि क्या अगली बार यही जूता वोट की पर्ची पर उछलेगा? मौजूदा समय के लोकतांत्रिक व्यवस्थापकों की चुप्पी इसलिए अखर रही है कि क्या वो चाहते ही नहीं कि ये सब रुके? इस आग को भड़काया किसने वो भी जल्द एक्सपोज होंगे। घटना के बाद सुप्रीम अदालत की साख को गहरा आघात पहुंचा है। घटना से जो संदेश चारों ओर फैला है, वह ठीक नहीं दिखते? मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई, आरोपी पर अवमानना की कार्रवाई के लिए स्वतंत्र थे। पर, उन्होंने उदारता का बखूबी परिचय दिया। वो शांत रहे, पर ये कृत्य निश्चित रूप से भारतीय न्याय संहिता की नींव को कमजोर करने का प्रयास है।

दलित समुदाय इसे संपूर्ण दलित बिरादरी का अपमान बता रहे हैं, क्योंकि सीजेआई खुद इसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बीआर गवई पर आरोपी ने उस वक्त कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश की, जब वह किसी मामले में दोनों पक्षों की जिरह सुन रहे थे। घटना तुरंत की उपजी कतई दिखाई नहीं पड़ती। पटकथा पहले से लिखी गई थी।

सीजेआई पर हमले से सभी स्तब्ध और व्यथित हैं। ऐसी घटनाओं पर कानून तंत्र को भेदभाव नहीं दिखाना चाहिए। एक समान कार्रवाई करनी चाहिए। बिहार में गाली देने वाले को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया और दिल्ली में उसकी नाक के नीचे इतना बड़ा कांड हुआ, एक एफआईआर अभी तक नहीं हुई? आखिर क्यों? कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई न्याय के सबसे बड़े मंदिर में ऐसी घटना करने से पहले सौ बार सोचे।

सवाल उठता है क्या देश में नफरत की चिंगारी इतनी भड़क गई है कि उसकी लपट सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई। थाने, कचहरी, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, बाजार चौक-चौहराहों और यहां तक कि विधानसभा तक में आपस में जूतम-पैजार अब आम हो गया है। बस सुप्रीम कोर्ट पर छींटे नहीं पड़े थे, उसे भी गंदा कर दिया गया। आरोपी को सजा से मुक्त करने का मतलब है, ऐसी घटनाओं को और बढ़ावा देना। सख्त कार्रवाई होने की इसलिए जरूरत है, क्योंकि इससे ही न्याय के मंदिर की रक्षा की जा सकेगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कैम्पस

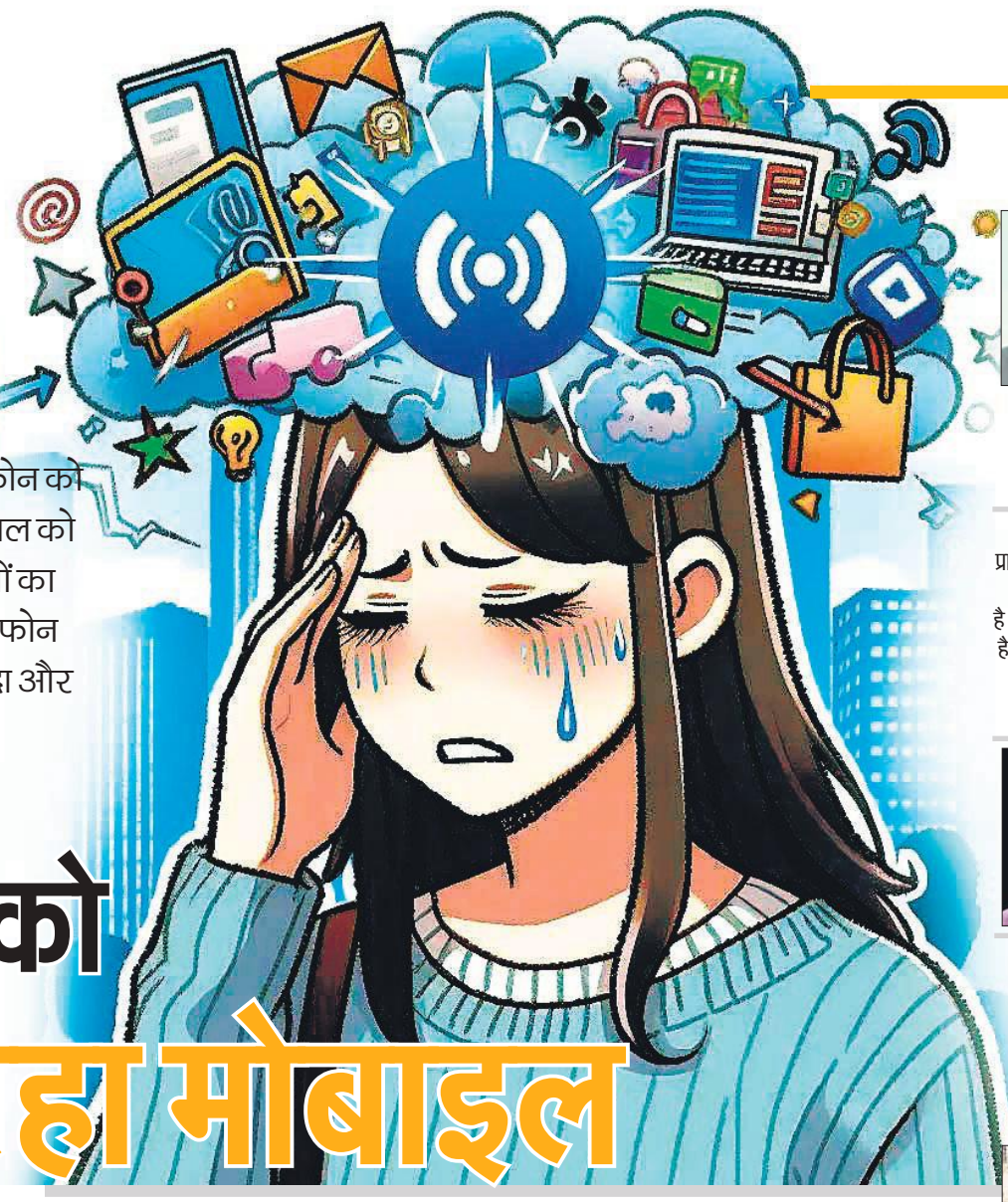

मोबाइल फोन युवाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। मोबाइल के बिना अब सूचनाओं को हासिल करना लगभग नामुमकिन हो गया है। आज युवा जहां मोबाइल फोन को जरूरी समझने लगे हैं, वहीं विशेषज्ञ इसके अधिक इस्तेमाल को युवाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बता रहे हैं, जिससे युवाओं का मस्तिष्क प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो मोबाइल फोन के अधिक इस्तेमाल से युवाओं में नाराजगी, गुस्सा, अनिद्रा और अनावश्यक जिद जैसी स्थितियां सामने आने लगी हैं।

-राजीव त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

युवाओं के मस्तिष्क को डस्टबिन बना रहा मोबाइल

भारत में मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अनुमान है कि 2026 तक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या एक अरब तक पहुंच जाएगी। भारत में 75 करोड़ से अधिक लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार 10-14 साल के भारतीय बच्चों में स्मार्टफोन का इस्तेमाल 83 फीसदी था। 30 साल से कम उम्र के आयु वर्ग में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि स्मार्टफोन के दुष्परिणाम भी 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं में सबसे अधिक सामने आ रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार भारतीय युवा 7 से 8 घंटे तक फोन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में फोन में मौजूद सामग्री युवाओं के मस्तिष्क में स्टोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिकों का तो यहां तक कहना है कि युवा मोबाइल फोन में जिस तरह की सामग्री देखते हैं वह उस तरह का बर्ताव करने लगते हैं। इसके अलावा कुछ सेकंड की रील्स को बहुत अधिक देर तक देखने की आदत युवाओं में जल्दी-जल्दी बर्ताव बदलने के व्यवहार को विकसित कर देती है। इससे युवा बहुत अधिक देर तक किसी भी कार्य को करने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। इसका असर यह होता है कि युवाओं को किसी भी कार्य के परिणाम को हासिल करने में या तो असफलता मिलती है या फिर बहुत अधिक देर से सफलता मिलती है।

ऐसे करें बचाव

स्मार्टफोन सूचनाओं के लिए जितना जरूरी है, युवाओं के लिए अब उतना ही घातक साबित हो रहा है। मोबाइल फोन का उपयोग उतना ही करना चाहिए जितना जरूरी हो। इसके उलट युवा मोबाइल पर सबसे अधिक समय देते हैं। इसकी वजह से उनमें कई तरह के नकारात्मक प्रभाव सामने आने लगे हैं। इनमें तनाव, अनिद्रा, भूख न लगना और एकाग्रता में कमी और जल्द गुस्सा आना जैसे लक्षण सामान्य है।

- डॉ. एलके सिंह, मनोवैज्ञानिक

मोबाइल फोन के विकल्प

मोबाइल फोन पर बर्बाद हो रही समय को युवा या स्टूडेंट्स अन्य गतिविधियां अपनाकर सदुपयोग में ला सकता है। आउटडोर गेम, फैमिली के साथ बातचीत या फिर पार्क में टहलने जैसी गतिविधियां मोबाइल फोन से दूरी बन सकती हैं। इन गतिविधियों से व्यक्तित्व विकास होगा। अनावश्यक मोबाइल पर देखी जाने वाली सामग्री से भी युवा दूर रहेंगे। इसके साथ ही प्रकृति के करीब जाना, पुस्तकें पढ़ना, कला और शौक, पेंटिंग, संगीत, नृत्य या अन्य कलात्मक गतिविधियों में भाग लेना आदि मोबाइल फोन से दूरी बनाने में मदद कर सकता है।

-आकांक्षा सक्सेना, शिक्षक व काउंसलर

मोबाइल फोन से जुड़ा सर्वे

एक सर्वे के मुताबिक 32 फीसदी भारतीय हर हफ्ते 4 से 6 घंटे स्मार्टफोन पर समय बिताते हैं। 74 फीसदी युवा स्मार्टफोन पर कम से कम 6 घंटे मोबाइल गेम खेलते हैं। वहीं 72 फीसदी युवा फोन पर गेम खेलते हैं और 41 फीसदी यूजर्स स्मार्टफोन का इस्तेमाल सोशल रहने के लिए करते हैं। कॉलेज कैंपस में स्मार्ट फोन को रोके जाने का कोई नियम नहीं है। इसके बावजूद भी हम लोग युवाओं पर नजर रखते हैं। कॉलेज में टीमें बनी हैं, वह पुस्तकालय और कक्षाओं में युवाओं की ओर से स्मार्टफोन पर देखी जाने वाली सामग्री पर नजर रखती हैं।

-प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्राचार्य, पीपीएन पीजी कॉलेज

किसी के स्मार्टफोन की स्क्रीन पर नजर रखना उनकी प्राइवेसी का हनन होता है। इसके बावजूद कॉलेज में कक्षाओं में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने में पूरी तरह से पाबंदी लगी हुई है। इसकी वजह कक्षाओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल न होना है। इसके अलावा पुस्तकालय में युवाओं को सिर्फ लेपटॉप और टेबलेट ही ले जाने की ही अनुमति है।

-डॉ. बीएन कौशिक, प्राचार्य, वीएसएसडी कॉलेज

युवाओं को यह समझना चाहिए कि मोबाइल फोन उनके जीवन का बहुमूल्य समय खर्च कर रहा है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि युवा मोबाइल फोन की लत से बचने के लिए अपनी रूचि का कार्य करें। इससे युवाओं को काफी फायदा हो सकता है।

-विवेक अवस्थी, शिक्षक व काउंसलर

बच्चे मोबाइल फोन पर क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी समय-समय पर हम लोग लेते हैं। जब समय होता है तो अक्सर हम लोग फोन की कॉल हिस्ट्री या अन्य हिस्ट्री देख लेते हैं। बच्चों पर नजर रखना बहुत जरूरी है।

-रक्षा चतुर्वेदी, अभिभावक

बच्चों के लिए स्मार्टफोन आज के दौर में बहुत जरूरी हो गया है। इसके बावजूद हम लोग कोशिश करते हैं कि वे ज्यादातर समय मोबाइल फोन से दूर रहें। कई बार यदि बच्चे ज्यादा देर तक मोबाइल में व्यस्त हैं तो उन पर नजर भी रखते हैं।

-रेनू अवस्थी, अभिभावक

आज का दौर बहुत फास्ट है। प्रतियोगिता के इस दौर पर हर तरह की सूचनाएं मोबाइल फोन पर आती हैं। हम लोग ऑनलाइन क्लास भी मोबाइल पर ही लेते हैं। ऐसे में मोबाइल फोन को सकारात्मक रूप से भी इस्तेमाल किया जा सकता है। **-आयुषी सिंह**

आज का युवा पढ़ा-लिखा व समझदार है, जिसे जिस तरह का उपयोग मोबाइल फोन का करना है वह करेगा। युवाओं को खुद समझना होगा कि वे अपने करियर के लिए कितना फोकस करना है। उसी अनुसार वह मोबाइल फोन पर समय देता है। **-अंजलि कोरटा**

बहुत से ऐसे युवा हैं, जो मोबाइल फोन पर पूरे दिन में 4 से 6 घंटे तक अनावश्यक समय देते हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। समय महत्वपूर्ण है। इसका सदुपयोग करना चाहिए। यदि सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर रुपये कमा रहे हैं, वहां तक ठीक है। **-नितीश कुमार यादव**

जॉब अलर्ट

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड भर्ती

- पद का नाम - टीजीटी
- कुल पद -5346
- योग्यता - स्नातक/बीएड एवं सीटीईटी परीक्षा उत्तीर्ण
- अंतिम तिथि - 07 नवंबर, 2025
- वेबसाइट-dsssb.delhi.gov.in

बिहार पुलिस सीएसबीसी भर्ती

- पद का नाम - कांस्टेबल
- कुल पद -4128
- योग्यता - इंटरमीडिएट या इसके समकक्ष
- अंतिम तिथि - 05 नवंबर, 2025
- वेबसाइट-csbc.bihar.gov.in

तेलंगाना पुलिस भर्ती बोर्ड

- पद का नाम - ड्राइवर और श्रमिक
- कुल पद -1743
- योग्यता - पदानुसार
- अंतिम तिथि - 28 अक्टूबर, 2025
- वेबसाइट-www.tgprb.in

इंडियन आर्मी भर्ती

- पद का नाम - ग्रुप सी)
- कुल पद -194
- योग्यता - 10वीं, 12वीं या आईटीआई पास
- अंतिम तिथि - 24 अक्टूबर, 2025
- आवेदन- ऑफलाइन मोड

पुलिस की वर्दी के सपने को ऐसे करें साकार

पुलिस की वर्दी को पहनने का सपना रखने वाले युवाओं के लिए दिल्ली पुलिस ने कांस्टेबल पदों पर भर्तियां निकाली हैं। कर्मचारी चयन आयोग ने दिल्ली पुलिस में 5000 से अधिक कांस्टेबल पदों पर पुरुष और महिला की भर्ती अधिसूचना जारी की है। देश और समाज सेवा के इच्छुक सभी उम्मीदवारों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल के रूप में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में चार चरण शामिल हैं : लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षण, चिकित्सा परीक्षण और दस्तावेज सत्यापन। आज हम आपको दिल्ली पुलिस कांस्टेबल की चयन प्रक्रिया के लिखित भाग की तैयारी के लिए कुछ सुझाव और टिप्स देंगे, जो आपको परीक्षा में सफल होने में मदद करेंगे।

प्रिपरेशन की स्ट्रैटजी

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के अभ्यर्थियों को एक स्टडी प्लान को फॉलो करना चाहिए और परीक्षा उत्तीर्ण करने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। अभ्यर्थियों को दृढ़ और महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ एक मजबूत स्टडी प्लान भी बनाना होगा, जिसे पिछले वर्षों के परीक्षा प्रश्नपत्रों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रम को समझें

परीक्षा के पहले चरण में चार विषय और कुल 100 प्रश्न होंगे। यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी और इसमें सामान्य बुद्धि और तर्कशक्ति, गणित और कंप्यूटर के लिए योग्यता, सामान्य ज्ञान और जागरूकता जैसे विषय शामिल होंगे। दूसरे चरण में उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा होगी, जिसके बाद उनका मेडिकल टेस्ट होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए अभ्यर्थियों को एक अंक मिलेगा और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0 .25 अंक काटे जाएंगे। इस परीक्षा की अवधि 90 मिनट (1 घंटा 30 मिनट) है। प्रश्नपत्र द्विभाषी अर्थात अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में है।

टाइम टेबल बनाकर करें प्रिपरेशन

किसी भी परीक्षा में सफल होने के लिए सबसे अच्छी स्ट्रैटजी के तहत टाइम टेबल बनाकर प्रिपरेशन करना बहुत आवश्यक होता है। अभ्यर्थियों को चाहिए विषयवार टाइम को बांटकर परीक्षा की प्रिपरेशन करें।

विषयवार स्ट्रैटजी बनाएं

परीक्षा में जिन चार विषयों से प्रश्न पूछे जाते हैं, उनकी तैयारी अलग-अलग होती है और प्रत्येक खंड में अधिकतम प्रश्नों को हल करने के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। उम्मीदवारों को अपने कमजोर और मजबूत क्षेत्रों का विश्लेषण करना चाहिए और अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर परीक्षा की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों का करें अवलोकन

किसी भी परीक्षा की तैयारी करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। इससे उम्मीदवारों को परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के वर्तमान रुझान, प्रश्नों का कठिनाई स्तर और अपनी प्रिपरेशन के लेवल की बेहतर समझ मिलती है। इसलिए अभ्यर्थियों को कम से कम पिछले दस वर्षों के प्रश्नपत्र अवश्य हल करने चाहिए।

मॉक टेस्ट लें

मॉक टेस्ट देने से परीक्षा जैसी स्थिति का अवलोकन करने में मदद मिलती है। उम्मीदवार मॉक टेस्ट देकर अपनी प्रिपरेशन के लेवल का आकलन कर सकते हैं। मॉक टेस्ट उम्मीदवारों को अपने मजबूत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और अपने कमजोर क्षेत्रों पर काम करने में भी मदद करते हैं। मॉक टेस्ट उम्मीदवारों को अपनी गति, सटीकता और समय प्रबंधन में सुधार करने में भी मदद करते हैं।

नई किताबें

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

यह पुस्तक अंतर्दृष्टि से उम्मीदवारों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गई। एसएससी परीक्षाओं को पास करने के लिए यह हेल्पफुल बुक है। चाहे आप सीजीएल, सीएचएसएल, एमटीएस, जीडी, सीपीओ या दिल्ली पुलिस की परीक्षा दे रहे हों, यह पुस्तक आपको सफल करने में मदद करेगी। इस पुस्तक में 6500+ एमसीक्यू हैं, जो एसएससी परीक्षाओं के लिए नवीनतम परीक्षा पैटर्न के अनुसार एक विशाल प्रश्न बैंक को कवर करता है। इसके साथ ही इसमें एसएससी परीक्षा इंटरफेस को दोहराने वाले कंप्यूटर-आधारित मॉक टेस्ट के साथ वास्तविक परीक्षा की तरह अभ्यास करें। इसके अलावा अपने जीए सेक्शन को मजबूत करने के लिए क्यूरेटेड समाचारों का सारांश, सरकारी योजनाएं, पुरस्कारों और खेल अपडेट भी मिलेगा। स्मार्ट तरीके से योजना बनाने में मदद के लिए एसएससी जीडी, एमटीएस, सीएचएसएल, सीजीएल, सीपीओ और दिल्ली पुलिस परीक्षाओं के विषय और परीक्षा के अनुसार आए प्रश्नों का विश्लेषण शामिल है।

आविष्कार और खोजों के रहस्यों को समझाता संग्रह

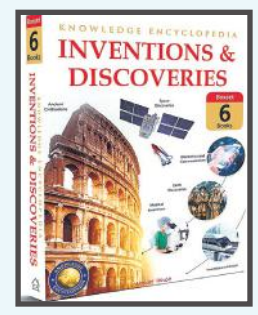

क्या अब आप मोबाइल फोन या लैपटॉप के बिना जिंदगी की कल्पना कर सकते हैं? हमारे पूर्वजों ने वस्तुओं या औजारों का इस्तेमाल कैसे सीखा? वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड और उसके रहस्यों का पता कैसे लगाया? बीमारियों और व्याधियों का कारण क्या है? जब लोकोमोटिव इंजन का आविष्कार नहीं हुआ था, तब लोग यात्रा कैसे करते थे? नए द्वीपों की खोज कैसे हुई और उनके नाम किसने रखे? सुस्पष्ट रेखाचित्रों और कठिन शब्दों की एक विस्तृत शब्दावली के साथ सीखना आसान हो गया है। ये किताबें 'इजंट इट अमेजिंग' से भरी हैं। मजेदार तथ्यों का एक खंड, जो आपको काफी कुछ जानने के लिए प्रेरित करेगा। यह सीखने को मजेदार और रोचक बनाने के लिए किताबों का एक बेहतरीन संग्रह है, जो अच्छी तरह से शोध, रोचक तथ्यों से भरपूर, अच्छी तरह से लेबल किए गए आरेख और जानकारीपूर्ण व पढ़ने में आसान है।

कुछ यादें-कुछ बातें

शिक्षक के रूप में पहला दिन

पहली कक्षा पढ़ाने का मेरा अनुभव बिल्कुल प्राकृतिक था। जैसे किसी भी विद्यालय/ विश्वविद्यालय में पहले दिन कोई बच्चा पढ़ने अथवा कोई शिक्षक पढ़ाने जाए दोनों के लिए मुझे लगता है एक ही अनुभव है। जिस दिन विश्वविद्यालय में मुझे पहली क्लास लेनी थी। उस दिन मैं सुबह से ही बहुत असहज था। मुझे बहुत घबराहट भी हो रही थी। वैसे मैंने रात से ही क्लास की तैयारी की थी, फिर भी बार-बार मुझे अपने विषय को देखना पड़ रहा था। कई बार शीशे के सामने उसको पढ़ाने का भी अभ्यास कर रहा था। जैसे-जैसे समय पास आ रहा था वैसे-वैसे असहजता और घबराहट बढ़ती जा रही थी। मुझे याद है कि सुबह 11 बजे से मेरी क्लास थी। मैं कोई 9:30 बजे ही विश्वविद्यालय पहुंच गया था। बच्चे आना शुरू हो गए थे। मैं सोच रहा था कि कुछ बच्चों से क्लास के बाहर ही मुखातिब हो लूं। एक-दो बच्चों से बातचीत भी की, लेकिन बार-बार मेरा ध्यान अपने विषय के नोट्स पर जा रहा था। सुबह के 10 बजते ही अन्य शिक्षक अपनी क्लास की तरफ निर्भीकता के साथ चले गए। मुझे उनकी निर्भीकता देखकर थोड़ा आश्चर्य हुआ। मन में लगा कि शायद इन्होंने रात में क्लास की तैयारी ठीक से की थी। थोड़ी देर में एक वरिष्ठ शिक्षक मिले और मेरी असजता दूर करते हुए कहा कि यदि कोई विषय ठीक से नहीं बता पाइएगा तो बच्चों से कहिएगा कल पढ़कर आऊंगा तब बताऊंगा। यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी। मैं ठीक 11 अपनी क्लास में पहुंचा और बुनियादी रूप से क्लास पढ़ना शुरू किया। मेरी असहजता और घबराहट मुझे साफ महसूस हो रही थी। मैं अपने पैरों में कंपन का भी एहसास कर रहा था, किंतु मैंने बहुत ही धैर्य से उसको चेहरे पर आने से रोका। जैसे-जैसे समय बिता 10 से 15 मिनट के बाद मैं सहज होने लगा। बच्चे भी मुझमें और मेरे विषय में उत्सुक दिखे।

फिर क्या था 12 कब बज गया पता ही नहीं चला। किसी ने बताया दूसरे शिक्षक कक्षा के दरवाजे पर खड़े हैं। मैं बाहर निकलकर उन शिक्षक से अनुरोध किया कृपया मेरे बारे में छात्रों से प्रतिक्रिया अवश्य ले लीजिएगा। हालांकि प्रतिक्रिया जानने से पहले ही मेरा आत्मविश्वास बढ़ चुका था। ईश्वर के आशीर्वाद से फीडबैक भी बहुत अच्छा आया। उसके बाद आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैं 25 वर्षों में 12,000 से ज्यादा छात्रों को पढ़ा चुका हूं, प्रतिदिन करीब 300 छात्रों को पढ़ाता हूं। किंतु उस दिन का अनुभव जो उन 45 छात्रों के साथ था, वह नहीं भूल पाता हूं। यह जरूर कहूंगा कि जैसे कोई मां अपने पहले बच्चे से बहुत कुछ सिखती है, वैसे ही मैं भी अपने प्रथम बैच के बच्चों से सीखा है। वह मेरे शिष्य ही नहीं, गुरु भी थे। आज भी उन 45 बच्चों का नाम मुझे याद है और उनमें 30-35 कहां है इसके बारे में भी पूरी जानकारी है। अक्सर दूरभाष के माध्यम से बात भी हो जाती है। कई छात्र/छात्राएं तो मेरे घर भी आ चुके हैं और कई छात्रों के मैं भी घर जा चुका हूं। वैसे तो सभी छात्र मेरे परिवार हैं, किंतु प्रथम बैच के बच्चों से लगाव ज्यादा ही है। वह मेरे परिवार के अभिन्न अंग हैं और शायद जब तक जीवन है वह मुझे याद रहेंगे।

सुधीर प्रकाश
सह-आचार्य (गणित)
अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,773.66	25,046.15
गिरावट	153.09	62.15
प्रतिशत में	0.19	0.25

सोना 1,25,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमिया 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 1800, बासमती- 9200, परमल- 3200

दाल दलहन : काला चना- 7100, साबुत चना दाल- 6600, मूंग साबुत- 8800, राजमा- 12000-14200, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7400, मसूर दाल- 6500, उड़द साबुत- 8300, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 8800

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां उपयोग में आसान, सर्व सुलभ उत्पाद बनाएं

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2025 को आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने किया संबोधित

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्तीय प्रौद्यो गिकी कंपनियों से उपयोग में आसान और सभी के लिए सुलभ उत्पाद डिजाइन करने को कहा, ताकि भारत को वित्तीय समावेश हासिल करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद मिल सके।

मल्होत्रा ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 को संबोधित करते हुए, बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे का भी उल्लेख किया और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्पाद और सेवाएं डिजाइन करें जो उपयोग में आसान हों, सभी के लिए सुलभ हों और सहायक प्रौद्योगिकी के साथ हों, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वरिष्ठ नागरिक, सीमित डिजिटल साक्षरता वाले व्यक्ति और विशेष रूप से दिव्यांग जैसे कमजोर समूह पीछे न छूटें। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत में जीवंत वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) परिवेश है और फिनटेक ने किफायती लागत पर वित्तीय सेवाएं प्रदान करना संभव बनाया है। देश में लगभग 10,000 ऐसी संस्थाएं हैं। मल्होत्रा ने कहा कि एकीकृत कर्ज इंटरफेस (यूएलआई) का उद्देश्य ऋणदाताओं को वैकल्पिक कर्ज मॉडल बनाने को आंकड़ों के उपयोग को लेकर सक्षम बनाना है, जैसा कि भुगतान क्षेत्र में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) ने किया है।

ग्लोबल फिनटेक के दूसरे सत्र को संबोधित करते गवर्नर संजय मल्होत्रा।

क्वांटम कंप्यूटिंग के दौर में प्रणालीगत सुरक्षा के लिए उठा रहे कदम : सेबी प्रमुख

पूंजी बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग की शुरुआत से बड़ी सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं और नियामक इसे ध्यान में रखते हुए पहले से ही प्रणाली को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहा है। पांडेय ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग में ऐसी प्रौद्योगिकी क्षमता है, जिससे पासवर्ड जैसे बेहद सुरक्षित माने जाने वाले सुरक्षा तंत्र भी खतरे में पड़ सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उद्योग समय रहते क्वांटम सुरक्षित प्रणाली के लिए तैयार हो। सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक ने सभी विनियमित हितधारकों की क्वांटम के लिए तैयारी सुनिश्चित करने को कार्ययोजना तैयार की है।

बैंक अधिग्रहण वित्तपोषण को संभालने में सक्षम

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बुधवार को कहा कि देश के सबसे बड़े ऋणदाता जैसी संस्थाएं आगामी कारोबार को संभालने में सक्षम हैं। आरबीआई का बैंकों को अधिग्रहण के लिए वित्तपोषण की अनुमति देने के फैसले की पृष्ठभूमि में शेट्टी ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक की ओर से विस्तार के बदलाव के लिए दी गई अवधि को देखते हुए परिसंपत्ति प्रावधान की अपेक्षित ऋण क्षति (ईसीएल) आधारित प्रणाली में बदलाव से बैंकों के बही-खाते पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। शेट्टी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) से इतर कहा कि हम विदेशी संस्थाओं का अधिग्रहण करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए आउटबाउंड विलय और अधिग्रहण वित्तपोषण कर रहे हैं।

सोना 1,26,600 रुपये के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। अमेरिका में वित्तपोषण की दिक्कतों से कुछ विभागों में कामकाज ठप रहने (शटडाऊन) से उत्पन्न भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत वैश्विक रुझानों के अनुरूप, सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में तीसरे दिन तेजी रही और यह 2,600 रुपये की तेजी के साथ 1,26,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चस्तर पर पहुंच गईं।

वैश्विक जोखिम से बचने की धारणा से निवेशकों के सुरक्षित निवेश से तीन दिन में सोने में 6,000 रुपये की वृद्धि हुई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 2,700 रुपये की वृद्धि दर्ज के मंगलवार को 700 रुपये बढ़कर 1,24,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को 2,600 रुपये बढ़कर 1,26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गई। वहीं, बुधवार को चांदी 3,000 रुपये बढ़कर 1,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर के करीब है। मंगलवार को ये 1,54,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

स्वदेशी 'अरत्ताई' दे रहा है व्हाट्सएप को चुनौती

डाटा प्राइवेसी और स्वदेशी तकनीक को लेकर बढ़ती जागरूकता के बीच भारत का खुद का मैसेजिंग ऐप 'अरत्ताई' अब तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ज़ोहो कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित यह ऐप पूरी तरह भारतीय है और इसे व्हाट्सएप के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। अरत्ताई का अर्थ तमिल में 'बातचीत' होता है, और यह नाम इसके उद्देश्य को दर्शाता है- भारतीयों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक संचार मंच प्रदान करना। बेहतर सुरक्षा, ग्रुप चैट, ऑडियो-वीडियो कॉल और फाइल शेयरिंग जैसी सुविधाओं के साथ अरत्ताई अब व्हाट्सएप को सीधी टक्कर दे रहा है।

सुरक्षित-विश्वसनीय मंच

भारत में डेटा सुरक्षा और निजी जानकारी की गोपनीयता पर बढ़ती चिंता ने उपयोगकर्ताओं को स्वदेशी विकल्पों की ओर आकर्षित किया है। ज़ोहो ने भारतीयों के लिए अरत्ताई चैटिंग एप लॉन्च किया। इसका उद्देश्य विदेशी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर निर्भरता कम कर, भारतीयों को सुरक्षित और विश्वसनीय मंच देना है।

अरत्ताई की खासियतें

यह ऐप एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन जैसी सुरक्षा सुविधाओं के साथ आता है, जिससे चैट और कॉल पूरी तरह सुरक्षित रहती हैं। यूजर्स इसमें ग्रुप चैट, ऑडियो और वीडियो कॉल, मीडिया फाइल शेयरिंग, और डार्क मोड जैसी आधुनिक सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही, इसका इंटरफेस बेहद सरल और आकर्षक है, जिससे नए उपयोगकर्ताओं को इसे अपनाने में कोई कठिनाई नहीं होती।

व्हाट्सएप से अलग

- **एड-फ्री अनुभव :** व्हाट्सएप में विज्ञापन आते, ये इससे मुक्त है।
- **डेटा स्टोरेज :** अरत्ताई का सारा डेटा भारतीय सर्वरों पर जोहो के इंफ्रास्ट्रक्चर पर रहता है, न कि विदेशी क्लाउड्स पर।
- **परफॉर्मेंस :** अरत्ताई लो-एंड स्मार्टफोन्स और कम इंटरनेट स्पीड पर बेहतर चलता है। व्हाट्सएप अधिक रिसोर्स मांगता है।
- **लोकलाइजेशन :** क्षेत्रीय भाषाओं पर जोर, व्हाट्सएप यूनिवर्सल है।
- **नो एआई फोर्स :** व्हाट्सएप में एआई फीचर्स थोपे जाते हैं, अरत्ताई में अभी कोई एआई नहीं।

अरत्ताई की विशेषता

- **पॉकेट फीचर :** स्वयं से चैट जैसा पर्सनल स्पेस, जहां फोटो, वीडियो, नोट्स, रिमाइंडर्स स्टोर कर सकते हैं। ई2ईई से सुरक्षित।
- **मीटिंग्स टैब :** वीडियो कॉन्फ्रेंस शेड्यूलिंग, जो व्हाट्सएप में अलग ऐप (मीट) की जरूरत डालता है।
- **ग्रुप चैट्स और चैनल्स :** 1000 सदस्यों तक ग्रुप, प्लस ब्रॉडकास्ट चैनल्स बड़े समुदायों के लिए।
- **मल्टी-डिवाइस सपोर्ट :** एक साथ कई डिवाइस पर लॉगिन, व्हाट्सएप की तरह।
- **एंड्रॉइड टीवी वर्शन :** टीवी पर चैटिंग, जो व्हाट्सएप में अनुपस्थित।

भविष्य की संभावनाएं

डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के बढ़ते प्रभाव के बीच अरत्ताई के पास बड़ा अवसर है। यदि यह निरंतर अपडेट और उपयोगकर्ता अनुभव को प्राथमिकता देता है, तो यह व्हाट्सएप, सिग्नल और टेलीग्राम जैसे दिग्गजों को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे सकता है। अरत्ताई न केवल एक एप है, बल्कि यह भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

दुनिया भारत की ओर देख रही है : गोयल

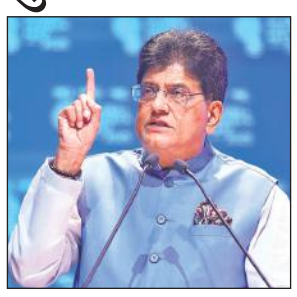

मुंबई, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। सरकार घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार के लिए कई पहल कर रही है।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) मंत्री ने कहा कि दुनिया, भारत को विश्वास के साथ देखती है क्योंकि यह देश उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा, कौशल, वस्तुओं एवं सेवाओं की गारंटी देता है और समय पर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय प्रौद्योगिकी की दुनिया में भागीदार से लेकर अब प्रमुख वास्तुकार बनने तक, भारत वैश्विक पहल का नेतृत्व कर रहा है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भंडार आधारित मॉडल में एफडीआई पर विचार

दोहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि केवल निर्यात उद्देश्य के लिए ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है क्योंकि इससे छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में देश की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में एफडीआई की अनुमति नहीं देती है। इसकी अनुमति केवल उन कंपनियों के लिए है जो 'मार्केटप्लेस' मॉडल के माध्यम से काम कर रही हैं। गोयल ने कहा कि मुझे यह प्रस्ताव पसंद आया और विभाग इसपर विचार कर रहा है।

देश की महत्वकांक्षा 5जी से आगे ध्यान 6जी एवं उपग्रह संचार पर

नई दिल्ली, एजेंसी

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारत की महत्वाकांक्षाएं 5जी तक नहीं बल्कि अब ध्यान 6जी एवं उपग्रह संचार पर है। लक्ष्य 6जी पेटेंट का 10 प्रतिशत हासिल करना है।

सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर डिजिटल अगुवा के रूप में उभर रहा है। मंत्री ने कहा कि मैं आज आप सभी से अपील करता हूं कि यहां तैयार करें, यहां समाधान करें...भारत नवोन्मेष करता है और दुनिया बदलती है। उपग्रह संचार में आज विस्तार हो रहा है, जमीन से समुद्र एवं अंतरिक्ष तक संपर्क सुविधा को आगे बढ़ा रहा है। दूरसंचार और प्रसारण क्षेत्र में आज उपग्रह संचार बाजार चार अरब डॉलर का है, जो 2033 तक तीन गुना बढ़कर 15 अरब डॉलर हो जाएगा। आने वाले दिनों में भारत, डिजिटल रूप से कुशल ताकत बनने जा रहा है।

राष्ट्रीय

भारत ने पाकिस्तान को 4 दिन में धूल चटाई

93वें वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल सिंह बोले- ऑपरेशन सिंदूर इसका उदाहरण

हिंडन (उप्र), एजेंसी

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चार दिन में धूल चटाया गया। दुश्मन के ठिकानों पर भारतीय वायुसेना के सटीक हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई के उचित स्थान को बहाल किया।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि सेना ने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का उपयोग कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी हो सकता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने हिंडन एयरबेस पर 93वें वायुसेना दिवस पर वायु योद्धाओं से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना की। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आधिकारिक स्थापना आठ अक्टूबर 1932 को हुई थी। वायु सेना प्रमुख ने वायु योद्धाओं से भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया और इस बात पर बल दिया कि भारतीय वायुसेना की योजना नवोन्मेषी, व्यावहारिक और अनुकूलनीय होनी चाहिए तथा इसका प्रशिक्षण जैसे हम लड़ते हैं वैसे ही प्रशिक्षण लें के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे प्रदर्शन ने हमें पेशेवर स्तर पर गौरवान्वित किया। हमने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का इस्तेमाल कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। वायुसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को इस बात का एक शानदार उदाहरण बताया कि सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना, अनुशासित प्रशिक्षण और दृढ़ निश्चयी कार्यान्वयन के जरिए क्या हासिल किया जा सकता है।

93वें भारतीय वायु सेना दिवस समारोह के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते एयर चीफ मार्शल एपी सिंह।

सेना ने स्वदेशी हथियारों से किए सटीक प्रहार

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारत के साहसिक और सटीक हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई को उचित स्थान दिलाया। हमारी मजबूत वायु रक्षा संरचना और सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों के आक्रामक इस्तेमाल ने दुश्मन की क्षमता को सीमित कर दिया और हमारी महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। स्वदेशी रूप से विकसित और एकीकृत हथियारों ने दुश्मन के इलाके में गहराई तक सटीक और विनाशकारी प्रहार किए। उनका प्रदर्शन स्वदेशी रूप से विकसित क्षमताओं में हमारे विश्वास को पुष्ट करता है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में कई आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए हवाई शक्ति का इस्तेमाल किया गया।

आईपीएस आत्महत्या

आईएएस पत्नी ने डीजीपी पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

चंडीगढ़। हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई. पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित सरकारी कोठी में सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रोहतक में आईजी रहे पूरन ने 8 पेज के सुसाइड नोट में डीजीपी शत्रुजीत कपूर सहित 8 आईपीएस और 2 आईएएस पर उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव, अवैध ट्रांसफर और प्रमोशन में देरी के आरोप लगाए। उनकी आईएएस पत्नी अमनीत पी. कुमार ने डीजीपी और रोहतक एसपी के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई है। पूरन का पोस्टमॉर्टम बेटी के अमेरिका से आने तक टाला गया है। वहीं अमनीत भी जापान दौरे से लौट आई हैं। पूरन ने पहले भी आवाज उठाई थी, जिसमें पूर्व डीजीपी मनोज यादव व ट्रांसफर नियम उल्लंघन की शिकायत शामिल है।

सीजेआई की ओर जूता उछालने की कोशिश करने वाले वकील के खिलाफ बेंगलुरु में प्राथमिकी

- **अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ की शिकायत पर हुई कार्रवाई**

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु पुलिस ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर जूता उछालने का प्रयास करने वाले वकील के खिलाफ बुधवार को 'जीरो एफआईआर' (शून्य प्राथमिकी) दर्ज की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शून्य प्राथमिकी कहीं भी दर्ज की जा सकती है चाहे कथित अपराध किसी भी जगह पर हुआ हो।

अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भक्तवचला की शिकायत के बाद राकेश किशोर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने को हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 133 (गंभीर उकसावे के अलावा किसी अन्य कारण से किसी व्यक्ति का अपमान करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिवक्ता संघ ने यहां विधान सौधा थाने के प्रभारी को सौंपी शिकायत में कहा कि राकेश का कृत्य किसी भी वर्ग द्वारा क्षमा योग्य नहीं है। उनका कृत्य दंडनीय है। किशोर (71) ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश गवई की ओर जूता उछालने का प्रयास किया हालांकि सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। वकील पिछले महीने खजुराहो में विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना के संबंध में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी से नाखुश था।

बेंगलुरु में स्नातक छात्रा के यौन उत्पीड़न में प्रोफेसर गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में निजी विवि के 45 वर्षीय प्रोफेसर को पिछले महीने अपने आवास पर 19 वर्षीय स्नातक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि छात्रा ने आरोप लगाया है कि 25 सितंबर को आरोपी प्रोफेसर ने उसे घर बुलाया। शुरुआत में उसने मना कर दिया, लेकिन वह बार-बार उसे अपने साथ चलने के लिए कहता रहा। उसने छात्रा की मां से भी बात की और उसे भरोसा दिलाया कि उसकी पत्नी और बच्चे घर पर होंगे और वह सुरक्षित रहेगी। जब वे प्रोफेसर के घर पहुंचे तो उसकी पत्नी और बच्चे घर पर नहीं थे। आरोपी ने उसे अनुचित तरीके से छुआ और उसका यौन उत्पीड़न किया, जबकि उसने उसकी हरकतों पर आपत्ति भी जताई थी।

सीट बंटवारे पर गतिरोध के बीच सीईसी की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के चयन पर चर्चा के लिए बैठक की। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बेंगलुरु से डिजिटल माध्यम से जुड़े।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा कई नेता बैठक में शामिल हुए। पार्टी की यह बैठक उस वक्त हुई जब उसके सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल और वाम दलों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम दौर में है। हालांकि, सीटों की संख्या को लेकर गतिरोध बना है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उम्मीद जताई कि इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को बिहार में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी।

बिहार विस चुनाव

इंदिरा भवन में सीईसी की बैठक में शामिल कांग्रेस नेता

मानहानि : शाहरुख, रेड चिलीज और नेटफ्लिक्स को समन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा दायर मानहानि के मामले में अभिनेता शाहरुख खान, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स को बुधवार को समन जारी किए। वानखेड़े ने इन पर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिये उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने प्रतिवादियों- गौरी खान के स्वामित्व वाली रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, नेटफ्लिक्स, एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर), गूगल एलएलसी, मेटा प्लेटफॉर्म्स, आरपीएसजी लाइफस्टाइल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और जॉन डो को मानहानि का समन जारी कर उन्हें सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा।

मप्र में अब तक 20 बच्चों की मौत, पांच गंभीर

कफ सिरप से मौत

- **मृतक बच्चों के परिजनों से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने की मुलाकात**

छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश), एजेंसी

मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने बुधवार को कहा कि राज्य में 'दूषित' कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से अब तक 20 बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि पांच गंभीर है, जिनका नागपुर में इलाज जारी है। छिंदवाड़ा के इन बच्चों की मौत गुर्दों के फेल होने से हुई है, जो विषाक्त कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से जुड़ी है।

मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात के बाद शुक्ला ने कहा कि इस घटना में छिंदवाड़ा के 17, बैतूल के दो और पांढुरना के एक बच्चे की अब तक मौत हुई है। दो बच्चे नागपुर एम्स में, दो शासकीय अस्पताल में जबकि एक बच्चा निजी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने कहा कि कफ सिरप बनाने वाली कंपनी के मालिक को गिरफ्तार करने के लिए छिंदवाड़ा से पुलिस तमिलनाडु पहुंच चुकी है।

अंडमान में कफ सिरप के इस्तेमाल पर रोक संबंधी परामर्श जारी

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कफ सिरप के इस्तेमाल पर रोक संबंधी परामर्श जारी किया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) द्वारा जारी परामर्श के अनुसार दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की दवाएं देने की न तो सलाह दी जाएगी और न ही दवा पर्ची पर ऐसी कोई दवा लिखकर दी जाएगी। डीजीएचएस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये दवाएं आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं हैं और बड़े बच्चों के लिए इनका उपयोग सावधानीपूर्वक नैदानिक मूल्यांकन एवं कड़ी निगरानी के बाद किया जाना चाहिए। उचित खुराक और कई दवाओं के संयोजन से परहेज का सख्ती से पालन आवश्यक है।

अरुणाचल में की बिक्री पर लगी रोक

ईटानगर। मध्य प्रदेश की घटना के बाद अरुणाचल प्रदेश औषधि नियंत्रण ने परामर्श जारी कर श्रीसन फार्मास्युटिकल द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और भंडारण पर रोक लगा दी है।

चेन्नई के पास कफ सिरप निर्माता की फैक्टरी सील

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने कांचीपुरम जिले में स्थित दवा निर्माता की फैक्टरी को सील कर दिया है। मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष जांच दल के बुधवार को कांचीपुरम जिले के सुंगुवरचत्रम में फैक्टरी का निरीक्षण करने की उम्मीद है।

तेलंगाना में दो कफ सिरप के प्रयोग बंद करें का नोटिस

हैदराबाद। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने उन दो कफ सिरप के विरुद्ध 'उपयोग बंद करें' का सार्वजनिक नोटिस जारी किया है जिनमें कथित तौर पर विषाक्त पदार्थ का मिलावट है। प्रशासन को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश सरकार की औषधि परीक्षण प्रयोगशाला ने सूचित किया है कि उसकी जांच में पाया गया कि इन कफ सिरप में अत्यधिक जहरीला पदार्थ - 'डायथिलीन ग्लाइकॉल' (डीईजी) मिलाया गया है।

सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम, एजेंसी

वैज्ञानिक सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को 1989 से धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास में उनके कार्यों के लिए इस साल रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नोबेल समिति ने कहा कि तीनों वैज्ञानिकों ने आणविक ढांचे का एक नया प्रारूप विकसित किया है।

समिति ने कहा, उन्होंने बड़े स्थानों के साथ आणविक संरचनाएं बनाई हैं, जिनके माध्यम से गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने बुधवार को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की। रॉब्सन (88) ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से, 74 वर्षीय कितागावा जापान के क्योतो विश्वविद्यालय और 60 वर्षीय याघी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से संबद्ध हैं। इन विज्ञानियों ने, अलग-अलग काम करते हुए, 1989 से चले आ रहे अनुसंधान में एक-दूसरे की सफलताओं को जोड़ते हुए स्थिर धातु कार्बनिक ढांचे बनाने के तरीके ईजाद किए जिनकी तुलना किसी घर के लकड़ी के ढांचे से की जा सकती है।

ये ढांचे गैसों को अवशोषित कर सकते हैं और इन ढांचों के अंदर रख सकते हैं, जिनके कई व्यावहारिक अनुप्रयोग हैं, जैसे- वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करना या शुष्क रेगिस्तानी हवा से पानी सोखना। नोबेल समिति के अध्यक्ष हेनर लिंके ने कहा, धातु-कार्बनिक ढांचों में अपार क्षमता है, जो नए कार्यों के साथ कस्टम-निर्मित सामग्रियों के लिए पहले से अप्रत्याशित अवसर प्रदान करते हैं।

सिस्टम की गैरजिम्मेदारी का नतीजा

अस्पतालों में अग्निकांड

- 5 साल में 105 घटना 107 मौतें

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में हाल ही में आईसीयू वार्ड में आग लगने से आठ ऐसे लोग जान गंवा बैठे जो इलाज कराने आए थे। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देश के अस्पतालों में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी तमाम घटनाएं हुई हैं। कुछ समय पहले झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 18 लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह दिल्ली के नवजात शिशु अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हुई थी। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में देश में अस्पतालों में आग लगने की 105 से अधिक घटनाएं हुई हैं, जिनमें 107 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं के पीछे मुख्य कारण बिजली के उपकरणों और वायरिंग में शॉर्ट सर्किट, कर्मचारियों की लापरवाही और फायर सेफ्टी की अनदेखी पाई गई। वह प्रशासनिक व्यवस्था भी लचर पाई गई जिस पर फायर सेफ्टी के नियम-कायदों की निगरानी की जिम्मेदारी थी। अस्पतालों में हुए ज्यादा भीषण अग्निकांड के बाद नए सिरे से निर्देश जारी किए गए लेकिन इसके बाद भी घटनाएं लगातार जारी हैं।

आग लगने की प्रमुख घटनाएं

- सितंबर 2021 में महाराष्ट्र के अहमदनगर सिविल अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 11 मरीजों की मौत हुई थी।
- अगस्त 2021 में गुजरात के भानुकरा कोविड अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में 18 लोगों की जान चली गई थी।
- मई 2021 में गुजरात के ही भरूच में कोविड वार्ड में आग से 18 मरीज जले, अधिकांश ऑक्सीजन उपकरणों के पास थे।
- वर्ष 2020 में आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा के निजी कोविड सेंटर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी जिसमें 10 मरीजों की मौत हुई।
- वर्ष 2011 कोलकाता के एएमआरआई अस्पताल में लगी आग में 90 लोगों की मौत, यह देश में सबसे भयावह घटना थी।

जांच में मिले प्रमुख कारण

- अधिकतर मामलों में विद्युत सुरक्षा मानकों की अनदेखी, शॉर्ट सर्किट और ओवरलोडेड वायरिंग आग लगने के प्रमुख कारण रहे।
- ऑक्सीजन सिलिंडर व उपकरणों की गलत हैंडलिंग, कोविड काल में ऑक्सीजन उपकरणों के पास आग लगने के कई मामले हुए।
- फायर एक्जिट और अलार्म सिस्टम का अभाव, अस्पतालों में न अग्निशमन उपकरण ठीक थे, न ही कर्मचारियों को प्रशिक्षण था।
- अनधिकृत निर्माण और रखरखाव की कमी, जांचों में पाया गया कि कई अस्पतालों के पास फायर एनओसी तक नहीं थी।

नियमों की अनदेखी

- राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुसार अस्पतालों में फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम, दोहरे निकास द्वार जरूरी हैं। ज्यादातर घटनाओं में इन नियमों का पालन होता नहीं पाया गया।
- फायर सेफ्टी के लिए अस्पतालों के साथ किसी भी सार्वजनिक संस्थान को अपने भवन के लिए एनओसी हर वर्ष नवीनीकृत कराने का नियम है कई राज्यों में इसका अनुपालन नहीं होता।

सरकारी कार्रवाई

- कई राज्यों ने फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य किया है, खासकर अस्पतालों, मॉल और स्कूलों के लिए।
- एनडीएमए ने 2022 में गाइडलाइंस जारी कीं, जैसे आपातकालीन निकास, ऑक्सीजन पाइपिंग सेफ्टी।
- एएमआरआई हादसे में अस्पताल के मालिक और प्रबंधकों पर गैरइरादतन हत्या का मामला चलाया।
- आग लगने की कुछ अन्य मामलों में अस्पतालों के लाइसेंस निलंबित करके भारी जुर्माना लगाया गया।

दूसरे देशों में...

- वर्ष 2003 में रूस के एक अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद 36 लोगों की मौत हो गई थी।
- वर्ष 2013 में दक्षिण कोरिया के एक नर्सिंग होम में आग लगने के बाद 21 लोगों की जान चली गई थी।
- वर्ष 2019 में अमेरिका के शिकागो नर्सिंग सेंटर में आग लगी, सुरक्षा उपायों के कारण जनहानि नहीं हुई।

वर्ल्ड ब्रीफ

बांग्लादेश : हसीना का गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बुधवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और कई अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। न्यायाधिकरण ने यह कार्यवाही अवामी लीग शासन के दौरान लोगों को जबरन गायब करने और मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप में की है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) पीठ ने दो अलग-अलग मामलों में दायर आरोपों पर संज्ञान लिया। इन मामलों में हसीना और 29 अन्य पर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संचालित गुप्त प्रतिष्ठानों में राजनीतिक विरोधियों को हिरासत में लेने, यातना देने और गायब करने का आरोप लगाया गया है।

म्यांमार: सेना के हमले में बच्चों समेत 24 मरे

बैंकॉक। म्यांमार में सेना के हमले में बच्चों समेत कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। एक प्रतिरोध समूह के सदस्य, ग्रामीणों और मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है। खबरों में कहा गया है कि सोमवार रात देश के मध्य सागाइंग क्षेत्र के एक गांव को निशाना बनाकर मोटर से चलने वाले एक पैराग्लाइडर से हमला किया गया। खबरों के अनुसार गांव में बौद्ध उत्सव मनाया जा रहा था और म्यांमार की सैन्य सरकार द्वारा बंदी बनाए गए राजनीतिक कैदियों की रिहाई के लिए एक रैली निकाली गई थी।

सिंगापुर: मादक पदार्थों के तस्कर को दी फांसी

कुआलालंपुर। आठ अक्टूबर (एपी) सिंगापुर में मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में मृत्युदंड की सजा पाये मलेशिया के एक व्यक्ति को बुधवार को फांसी दे दी गई। दो सप्ताह में किसी व्यक्ति को फांसी दिये जाने का यह दूसरा मामला है। मृत्युदंड को समाप्त करने के दबाव के बावजूद इस साल सिंगापुर में फांसी पर लटकाये जाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। सिंगापुर में मौत की सजा के खिलाफ काम करने वाली कार्यकर्ता किर्स्टन हान ने पुष्टि की कि 38 वर्षीय पन्नीर सेल्वम प्रंथमन को चांगी जेल में फांसी दी गई। अपने परिवार के साथ आये हान ने बताया कि उन्होंने जेल से पन्नीर का सामान ले लिया है।

ट्रंप ने दी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी

शटडाउन जारी रहने पर बौखलाए राष्ट्रपति, कहा- बकाया वेतन भी नहीं देंगे

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में राजनीतिक टकराव के बीच शटडाउन दूसरे सप्ताह भी जारी है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नौकरी से निकालने और शेष लोगों को पिछला वेतन देने से इन्कार करने की धमकी दी है।

सरकारी शटडाउन के दूसरे सप्ताह के बावजूद इसके खत्म होने का कोई स्पष्ट परिणाम नजर नहीं आ रहा है। वर्मोंट के स्वतंत्र सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने सीनेट में देर शाम तक तर्क दिया, आपको बातचीत करनी ही होगी। यही काम करने का तरीका है। उन्होंने कहा, लेकिन इस संबंध में कम से कम सार्वजनिक रूप से तो कोई बातचीत नहीं चल रही है। कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में बहुमत वाले रिपब्लिकन पार्टी के सांसद मानते हैं कि राजनीतिक रूप से उनका पलड़ा भारी है, क्योंकि वे 'शटडाउन' समाप्त करने की किसी भी योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी के लिए तुरंत धन मुहैया कराने की डेमोक्रेटिक पार्टी की मांगों को नाकाम कर रहे हैं। लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भी डटे हुए हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को यकीन है कि स्वास्थ्य सेवाओं की कीमतों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को रोकने की लड़ाई में अमेरिकी उनके साथ हैं और वे शटडाउन के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हालांकि, पर्दे के पीछे बेचैनी के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर के एक समूह ने स्वास्थ्य बीमा समस्या के समाधान के विकल्पों पर चर्चा की है। मेन की सीनेटर सुसन कॉलिन्स ने अपनी योजनाएं पेश की हैं। रि

पब्लिकन पार्टी के दो प्रमुख सीनेटर जॉर्जिया की प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन और मिसौरी के सीनेटर जोश हॉली ने कहा है कि स्वास्थ्य बीमा दरों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए कुछ किया जाना चाहिए। ट्रंप ने खुद संकेत दिया कि वह स्वास्थ्य सेवा सब्सिडी बचाने की डेमोक्रेट्स की मांगों पर उनके साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में राष्ट्रपति ने कहा था कि बातचीत पहले से ही जारी है क्योंकि वह लोगों के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा चाहते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उन्होंने अपना सुर बदलते हुए कहा कि पहले सरकार को फिर से कामकाज शुरू करना होगा।

और गहराई अनिश्चितता, संसद भवन परिसर में सांसदों के दौरे ठप, सदन का कामकाज भी बंद

अमेरिका में 'शटडाउन' के कारण संसद भवन परिसर 'कैपिटल' में सांसदों के दौरे ठप पड़ गए हैं और सदन का कामकाज भी बंद है। इसके अलावा, बजट पास न होने की वजह से कई सरकारी योजनाएं और विभाग अस्थाई रूप से बंद हो गए हैं। लाखों अमेरिकी कर्मचारी वेतन न मिलने के कारण आर्थिक दबाव में हैं। खाद्य सहायता कार्यक्रम, सरकारी वित्त पोषित प्री-स्कूल, खाद्य निरीक्षण, राष्ट्रीय उद्यान, हवाई यातायात नियंत्रण जैसी सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लंबी टीएसए लाइनें, उड़ानों में देरी और रद्दीकरण जैसे प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। दोनों पार्टियों के बीच कोई सार्थक वार्ता न हो पाने से शटडाउन खत्म करने का रास्ता भी अनिश्चित हो गया है। अमेरिका की आर्थिक स्थिरता और लोगों के रोज़मर्रा के जीवन पर गंभीर असर पड़ रहा है।

म्यांमार में अमेरिकी मदद की कटौती के बाद बच्चों में भुखमरी के हालात

- शिविरों में राशन आना बंद, खाने के लिए जंगलों में भटक रहे लोग

माई सोत (थाईलैंड), एजेंसी

म्यांमार में और उसकी सीमाओं पर स्थित शरणार्थी शिविरों में अमेरिका की ओर से दी जा रही मदद को बंद किए जाने से स्थिति बिगड़ गई है और लोग, विशेष तौर पर बच्चे भुखमरी का शिकार हो रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी मदद रोके जाने के बाद के हालात का जायजा लेने के लिए म्यांमार के 21 शरणार्थियों, म्यांमार के अंदर नजरबंदी शिविरों में फंसे पांच लोगों और 40 सहायता कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं से बात करने पर इसके व्यापक असर का खुलासा हुआ। लोगों ने बताया कि बच्चे भूख से बिलख रहे हैं, असंतुष्टों को आश्रय देने वाले निषिद्ध केंद्रों को बंद कर दिया गया है और लोगों को जीवित रहने के लिए प्रतिदिन जंगल में घंटों भोजन की तलाश करनी पड़ती है।

मोहम्मद ताहिर अपने दो साल के बेटे के बेजान शरीर को लिए रो पड़े। ताहिर ने बताया कि अप्रैल में म्यांमार स्थित उनके नज़रबंदी शिविर में उनके परिवार के लिए राशन आना बंद हुआ, तब से वह बेबस अपने बेटे को कमजोर होता देख रहे थे जो भूख से बिलख रहा था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 21 मई को घोषणा की, विदेशी सहायता कार्यक्रम बंद करने से किसी की जान नहीं गई है।

वियतनाम : मैटमो तूफान से आठ लोगों की जान गई

हनोई। वियतनाम में तूफान मैटमो के कारण हुई भारी बारिश और बाढ़ से आठ लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए हैं। वियतनाम आपदा और डाइक प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि भारी बारिश के कारण 15 हजार 700 से अधिक घर जलमग्न हो गए और 400 से अधिक अन्य क्षतिग्रस्त हो गए।

इजराइल ने गाजा जा रही नौ और नौका रोकीं 145 हिरासत में लिए

तेल अवीव। इजराइली सेना ने उसकी नाकेबंदी को तोड़ बुधवार तड़के भूमध्य सागर के रास्ते गाजा जाने की कोशिश कर रही नौ नौकाओं को रोक लिया और उन पर सवार 145 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इजराइली विदेश मंत्रालय ने बताया कि नौकाओं पर सवार 145 कार्यकर्ताओं को इजराइल के तट पर लाया जा रहा है और शीघ्र ही निर्वासित कर दिया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि सभी कार्यकर्ता ठीक हैं। इजराइल ने पिछले हफ्ते भी 40 से अधिक नौकाओं पर सवार होकर गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने की कोशिश कर रहे यूरोपीय सांसदों और जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित लगभग 450 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक संगठन के इस प्रयास को बाधित करने की व्यापक निंदा हुई है।

सर्जियो गोर होंगे भारत में अमेरिका के राजदूत, सीनेट ने लगाई मुहर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप के सबसे भरोसेमंद लोगों में हैं शामिल, भारत ने किया स्वागत

अमेरिकी सीनेट ने भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर मुहर लगा दी। गोर (38) के नाम को मंगलवार को सीनेट ने मंजूरी दी। मतदान में 51 सीनेटर ने गोर के पक्ष में और 47 ने उनके विरुद्ध मतदान किया।

यह पुष्टि वर्तमान अमेरिकी सरकारी 'शटडाउन' के बावजूद हुई। इस दौरान, गोर के अलावा 107 नामित व्यक्तियों के नामों की पुष्टि हुई। अन्य नामांकित व्यक्तियों में कैलिफोर्निया के पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री और फ्लोरिडा की अंजनि सिन्हा को सिंगापुर गणराज्य में राजदूत नियुक्त किया गया।

ट्रंप ने अगस्त में राष्ट्रपति के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप ने गोर को एक 'महान मित्र' बताया। कहा, 'दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र के लिए जरूरी है कि कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं अपने एजेंडे को पूरा करने और अमेरिका को फिर महान बनाने में मदद करने के लिए पूरी तरह भरोसा कर सकूं। सर्जियो एक अद्भुत राजदूत साबित होंगे। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने गोर की नामांकन का स्वागत किया था और उन्हें ट्रंप के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक बताया था।

भारत के साथ युद्ध की आशंका वास्तविक

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा, अब हमारे पास पहले से ज्यादा साथी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी कि भारत के साथ युद्ध की आशंकाएं वास्तविक हैं। दावा किया कि भविष्य में किसी भी सशस्त्र संघर्ष में उनका देश और भी बड़ी सफलता हासिल करेगा।

आसिफ ने यह टिप्पणी मंगलवार को दिए एक साक्षात्कार में की, जब उनसे भारतीय राजनेताओं और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के हालिया बयानों के बारे में पूछा गया। मंत्री ने कहा कि सशस्त्र टकराव का खतरा है तथा पाकिस्तान सतर्क है और स्थिति पर नजर रख रहा है। आसिफ ने कहा, मैं तनाव नहीं बढ़ाना चाहता, लेकिन जोखिम वास्तविक हैं, और मैं इससे इन्कार नहीं कर रहा। अगर युद्ध की नौबत आई, तो ईश्वर की कृपा से हम पहले से बेहतर परिणाम प्राप्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के समर्थक और सहयोगी छह महीने पहले की तुलना में अब ज्यादा हैं, जबकि भारत ने उन देशों का भी समर्थन खो दिया है जो मई में हुए संघर्ष से पहले उसके पक्ष में थे।

पाकिस्तानी सेना ने भी भरा जवाब देने का दम

पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को भारत के नागरिक और सैन्य नेतृत्व की हालिया टिप्पणियों पर चिंता जताते हुए कहा कि वह किसी भी हमले का त्वरित और निर्णायक जवाब देगी। सेना के एक बयान के मुताबिक रावलपिंडी में सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अध्यक्षता में आयोजित 272वें कोर कमांडर सम्मेलन में भी सहमति जताई गई कि अनुचित युद्धोन्माद से तनाव बढ़ने की आशंका है तथा क्षेत्रीय शांति खतरा होगा। पाकिस्तानी शीर्ष जनरल की यह बैठक ऐसे समय हुई है जब कुछ दिन पहले ही भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि यदि वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद का समर्थन बंद कर देना चाहिए।

कैलिफोर्निया में दिवाली पर राजकीय अवकाश

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- भारतीय पर्व पर अवकाश घोषित करने वाला तीसरा अमेरिकी राज्य

भारतीय प्रवासियों के लिए एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में कैलिफोर्निया ने दिवाली पर आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित कर दिया है। इस तरह कैलिफोर्निया अमेरिका का तीसरा राज्य बन गया है जिसने भारत के इस प्रकाश पर्व को आधिकारिक तौर पर अवकाश के रूप में मान्यता दी है।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने विधानसभा सदस्य ऐश कालरा द्वारा दिवाली को राजकीय अवकाश घोषित करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। कालरा ने पिछले महीने कहा था, कैलिफोर्निया में भारतीय अमेरिकियों की सबसे बड़ी आबादी है और दिवाली को राजकीय अवकाश घोषित करने से लाखों कैलिफोर्निया वासियों तक इसका संदेश पहुंचेगा जो इसे मनाते हैं। अक्टूबर 2024 में पेंसिल्वेनिया दिवाली को अवकाश के रूप में मान्यता देने वाला पहला राज्य बन गया, जिसके बाद इस वर्ष कनेक्टिकट ने राजकीय अवकाश घोषित किया।

हमले में पाकिस्तान के ग्यारह सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार रात एक मुठभेड़ में 11 सैनिक और 19 आतंकवादी मारे गए। सेना ने एक बयान में कहा कि ओरकजई जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया गया। सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 19 आतंकवादी मारे गए। हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान 11 सैनिक भी मारे गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 22 .54 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

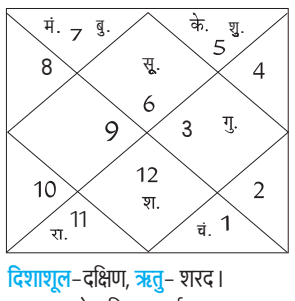

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ। ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- भरणी 20 .02 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। आंखों में दर्द की शिकायत होने की आशंका है। नए व्यवसाय को लेकर योजना बना सकते हैं। आपकी मन :स्थिति काफी अच्छी रहेगी। अविवाहितों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृष — आज धन के लेन-देन में त्रुटि हो सकती है। जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। बच्चों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। सहयोगी और रिश्तेदारों के साथ संबंध बिगड़ने की संभावना है। अचानक खर्च बढ़ने से मन परेशान हो सकता है।

मिथुन — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। आप कुछ नया सीखने को लेकर प्रयासरत रहेंगे। नौकरी में आपको उच्च पद मिल सकता है। बड़े भाई-बहनों से आपको सहायता प्राप्त होगी।

कर्क — आज किसी नए व्यवसाय में धन निवेश कर सकते हैं। व्यापार में उत्तम बढ़ोतरी हो सकती है। मेडिकल कार्य से जुड़े लोगों के लिए दिन उत्तम है। सहकर्मी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। आपको दृढ़ निश्चय के कारण सफलता मिलेगी।

सिंह — आज व्यवसाय में आप कुछ जोखिम ले सकते हैं। परिवार में शुभ उत्सव होने की संभावना है। आपके नए मित्र बन सकते हैं। धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। आपकी व्यवहार कुशलता की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या — आज राजनीतिक लोगों को थोड़ी परेशानी होगी। व्यापार में उतार-चढ़ाव हो सकता है। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। आप थोड़ा कन्फ्यूज हो सकते हैं। परिवार के लोगों से आप थोड़े नाखुश रहेंगे। दूसरों के मामलों में अधिक बहसबाजी न करें।

तुला — आज उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। घर की नवीन वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। पार्टनरशिप वाले कार्यों में आपको धन प्राप्त होगा। कारोबारियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — आज नवीन वस्तुओं की खरीदारी करते समय सावधानी रखें। कुछ लोग आपके विषय में नकारात्मक बातें प्रसारित कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में लोग आप पर निर्भर रहेंगे। इसके कारण आपके ऊपर दबाव रहेगा।

धनु — आज आपको नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। प्रभावशाली लोगों की सहायता से आपके काम बन सकते हैं। संतान की उन्नति से आप उत्साहित रहेंगे।

मकर — आज कोई पुराना मामला दोबारा उभर सकता है। पैतृक संपत्ति की समस्या दूर होगी। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है। बहस की परिस्थितियों से बचना चाहिए। गलत निर्णय होने से आपको नुकसान होगा।

कुंभ — आज सहकर्मियों का उचित सहयोग मिलेगा। रूठे मित्रों को मनाने में सफल रहेंगे। आप अपने कार्यों में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। आपको शुभ समाचार मिलने की संभावना है। साहित्य से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है।

मीन — आज व्यापार में प्रतिद्वंद्वियों से सावधान रहें। घर में आपसी सामंजस्य में कमी होगी। विद्यार्थियों को अनुकूल परिणाम मिलने में कठिनाई हो सकती है। भावनात्मक मामलों को लेकर उलझ सकते हैं। समस्याओं का डटकर मुकाबला करें।

सुडोकू - 124

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5			2			8
1				3			2	
		7	9			4		
5							1	
2			5		4			7
	8					6		
		2			1	7		
	4			8				5
6			7			2		

सुडोकू - 123 का हल

4	9	1	7	8	6	2	5	3
3	5	7	9	1	2	6	4	8
6	2	8	5	3	4	1	7	9
7	4	2	8	6	3	9	1	5
5	1	3	4	9	7	8	6	2
8	6	9	1	2	5	4	3	7
1	8	5	3	4	9	7	2	6
9	3	6	2	7	1	5	8	4
2	7	4	6	5	8	3	9	1

भारत के कठिन दौरे के लिए तैयार है। भारत दौरा कभी आसान नहीं होता, लेकिन न्यूजीलैंड ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काफी प्रेरणास्पद है। भारत का दबदबा विश्व क्रिकेट में है और हमारा काम है कि हम उन्हें दबदबा नहीं बनाने दें।

–तेम्बा बावुमा

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 9 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जोकोविच शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

शंघाई : सर्बिया के धुरंधर टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को शंघाई मास्टर्स में गर्मी और उमस के बीच दूसरा सेट गंवाने के बाद चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी, लेकिन उन्होंने जल्दी ही वापसी करते हुए जाउमी मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से मात दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद जोकोविच पीठ के बल लेट गए और अपनी आंखों पर हाथ रख लिया। बाद में वह धीरे से उठे और दोनों पैरों के बीच सिर दबाकर बैठ गए। उन्हें एक ट्रेनर उनकी कुर्सी तक लेकर आया। 48 वर्ष के जोकोविच ने कोर्ट पर इंटरव्यू भी नहीं दिया। एक्स पर लिखा बेहद कठिन दिन। शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण। इस जीत के साथ वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अंतिम आठ में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

वुहान ओपन के तीसरे दौर में जेसिका

वुहान (चीन) : छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अमेरिका की ही हेली बापटिस्टे को 6-4, 4-6, 7-6 से हराकर वुहान ओपन टेनिस के तीसरे दौर में जगह बना ली। पिछले सप्ताह चाइना ओपन के सेमीफाइनल में हारने वाली पेगुला का सामना अब नौवी वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा जिन्होंने अमेरिका की अन ली को 7-6, 6-2 से मात दी। क्वालीफायर कैटरीना सिनियाकोवा ने माया जॉइंट को 6-3, 6-1 से हराया।

भारतीय अंडर 19 टीम ने शृंखला जीती

मैके (ऑस्ट्रेलिया) : भारत की अंडर 19 टीम ने दूसरे और आखिरी युवा टेस्ट में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम को सात विकेट से हराकर शृंखला 2-0 से जीत ली। अपने कल के स्कोर सात विकेट पर 114 रन से आगे खेलते हुए भारतीय अंडर 19 टीम 171 रन पर आउट हो गई और पहली पारी में 36 रन की बढ़त हासिल की। मेजबान टीम दूसरी पारी में 119 रन ही बना सकी और भारत को 81 रन का लक्ष्य मिला। सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जल्दी आउट हो गए, लेकिन भारत ने लक्ष्य 12.2 ओवर में हासिल कर लिया।

उत्तर प्रदेश ने खिताब अपने नाम किया

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ में 30वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप (राजमाता जिजाबाई ट्रॉफी) के फाइनल राउंड में उत्तर प्रदेश ने असम को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम दर्ज किया। रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड में खेले गए इस मैच में उत्तर प्रदेश की खिलाड़ी पूजा ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। तेज गर्मी के बीच शुरू हुए इस मुकाबले का पहला हाफ बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर देखी गयी। दूसरे हाफ में भी संघर्ष जारी रहा लेकिन मैच के अंतिम मिनटों में उत्तर प्रदेश की पूजा (जर्सी नंबर 07) ने महत्वपूर्ण गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

भारत को शीर्षक्रम बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

महिला विश्व कप क्रिकेट : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

विशाखापटनम, एजेंसी

भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है, लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा। भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों, लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला।

श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है।

दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए, वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्स और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लॉरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

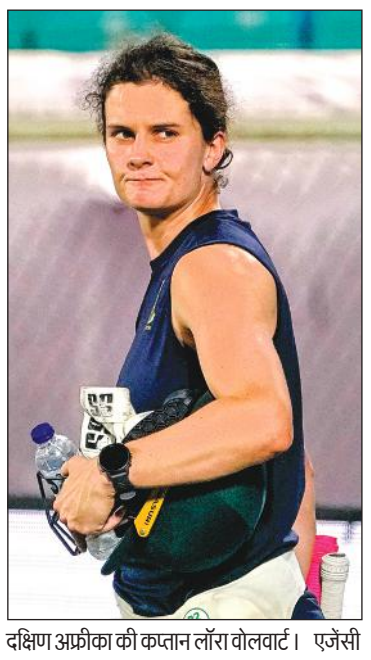

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट। एजेंसी

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
दोपहर 3:00 बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

पाकिस्तान का अखिरी विकेट गिरने के बाद जश्न मनाती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

पाकिस्तान की हार से भारत तीसरे स्थान पर खिसका

कोलम्बो, एजेंसी

- **ऑस्ट्रेलिया ने 107 रनों से हराया, सेमीफाइनल की रेस में पाकिस्तान फिसड्डी**

मध्य क्रम की बल्लेबाज बेथ मूनी (109) के शानदार शतक और उनकी अलाना किंग (नाबाद 51) के साथ नौवें विकेट के लिए से 106 रनों की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को महिला विश्व कप मुकाबले में बुधवार को एकतरफा अंदाज में 107 रन से पीट दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने नाजुक हालात से उबरते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 221 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया और फिर पाकिस्तान को 36.3 ओवर में 114 रन पर समेट दिया। बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन मैचों में पांच अंकों के साथ अंक तालिका में चोटी पर पहुंच गई है जबकि सबसे नीचे चल रही पाकिस्तान को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की हार से भारत को झटका लगा है। भारतीय टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णित	अंक	एजरेज
आस्ट्रेलिया	3	2	0	1	5	1.960
इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.757
भारत	2	2	0	0	4	1.515
बांग्लादेश	2	1	1	0	2	0.573
सा.अफ्रीका	2	1	1	0	2	-1.402
श्रीलंका	2	0	1	1	1	-1.255
न्यूजीलैंड	2	0	2	0	0	-1.485
पाकिस्तान	3	0	3	0	0	-1.887

वनडे टीम दो जत्थों में रवाना होगी ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारत को खेलने हैं तीन वनडे और पांच टी-20 मैच**

भारतीय एक दिवसीय क्रिकेट टीम दो अलग अलग जत्थों में 15 अक्टूबर को दिल्ली से आस्ट्रेलिया रवाना होगी और यात्रा का अंतिम कार्यक्रम टिकटों की उपलब्धता और व्यवस्था पर निर्भर करेगा। भारत को आस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलने हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों का एक समूह सुबह रवाना होगा जबकि अगला समूह शाम को जाएगा। लंबी दूरी की उड़ान के लिए बिजनेस श्रेणी के टिकटों की उपलब्धता पर यह निर्भर करेगा। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली और उपकप्तान श्रेयस अय्यर टीम की रवानगी से पहले दिल्ली में टेस्ट टीम के सदस्यों से जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बताया विराट और रोहित रवानगी के दिन या एक दिन पहले दिल्ली पहुंचेंगे। टीम यहां से पर्थ रवाना होगी जहां 19 अक्टूबर को पहला वनडे खेला जाना है। अगर अभी चल रहे घरेलू या अंतर्राष्ट्रीय मैच समय से पहले

कप्तान शुभमन गिल। एजेंसी

खत्म हो जाते हैं तो वनडे टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने घर जाने के लिए छोटा ब्रेक मिल सकता है। भारतीय टीम 10 से 14 अक्टूबर तक दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा और आखिरी टेस्ट खेलेगी। चयनकर्ताओं ने एक बड़े फैसले में रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम की कप्तानी सौंपी है। विराट और रोहित हालांकि टीम का हिस्सा हैं। इस बीच मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पूरी टीम को राजिंदर नगर स्थित अपने आवास पर डिनर के लिये आमंत्रित किया है।

दूसरे टेस्ट में खूब बरसेंगे रन, तीसरे दिन से पहले नहीं मिलेगा टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अरुण जेटली स्टेडियम पर होने वाले दूसरे और आखिरी टेस्ट में पहले दो दिन पिच बल्लेबाजों की मददगार रहने की उम्मीद है और तीसरे दिन से इस पर टर्न मिल सकता है।

आम तौर पर कोटला की काली मिट्टी की पिच बल्लेबाजों की मददगार रहती है, पर बाद में धीरे-धीरे स्पिनरों को मदद मिलने लगती है। इस टेस्ट के लिए ताजा पिच तैयार की गई है और शुरुआत में बल्लेबाजों का दबदबा रह सकता है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया मुख्य पिच टेस्ट के लिए तैयार की गई है। यह उस पिच से अलग है जिस पर स्मृति मंधाना ने 50 गेंदों में शतक बनाया था। अधिकारी के अनुसार क्यूरेटरों ने जान बूझकर शुरुआती चरण के लिए उछालभरी पिच बनाई है। वेस्टइंडीज अगर बेहतर बल्लेबाजी करता है तो मैच तीन दिन के भीतर खत्म नहीं होगा। पिच से तीसरे दिन के बाद ही टर्न मिलेगी। पिच स्थानीय क्यूरेटर अंकित दत्ता ने बनाई है।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से पहले अभ्यास करते अक्षर पटेल व कुलदीप यादव। एजेंसी

वेस्टइंडीज टेस्ट क्रिकेट का पतन कैंसर है : डेरेन सैमी

नई दिल्ली : पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने कहा कि वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट का पतन व्यवस्था का कैंसर है, जिसकी शुरुआत काफी पहले हो गई थी। दो बार के टी-20 विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि प्रदर्शन के दम पर अगली पीढ़ी के लिए छोटे प्रारूप के कई रोल मॉडल है और संसाधन उपलब्ध होने पर ही वे खेल सकते हैं। यह पूछने पर कि वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में क्या दिक्कत है और उन्हें इसे लेकर कैसा महसूस होता है, सैमी ने कहा आखिरी बार हमने यहां टेस्ट सीरीज 1983 में जीती थी जब मैं पैदा हुआ था। वेस्टइंडीज ने पिछले 42 साल में भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। सैमी ने कहा मुझे पता है कि मुझ पर नजरें होंगी। हम आलोचना से कतराते नहीं हैं, लेकिन समस्या की जड़ दो साल पुरानी नहीं है। यह बहुत पहले शुरू हो गया था।

भारत दौरे पर स्पिनरों की मददगार पिचों से हैरानी नहीं होगी बावुमा को

मुंबई : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा को अगले महीने भारत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान टर्निंग विकेट मिलने की उम्मीद है। हालांकि शुभमन गिल की कप्तानी में मेजबान टीम ने संतुलित पिच पर खेलने में रूचि दिखाई है। अतीत में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत ने टर्निंग पिच पर खेलने पर जोर दिया है, लेकिन गिल ने कहा कि वह ऐसी विकेट पर खेलना चाहते हैं। जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद मिले। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के गत चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को भारत में कोलकाता (14 से 18 नवंबर) और गुवाहाटी (22 से 26 नवंबर) में दो टेस्ट खेलने हैं। बावुमा ने सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कारों के दौरान मीडिया से कहा भारत में स्पिनरों की मददगार पिच होंगी। अगर ऐसा हुआ तो हमें कोई हैरानी नहीं होगी। आजकल टीमें अपने अनुकूल पिच तैयार कराती हैं, खासकर डब्ल्यूटीसी को देखते हुए। उन्होंने कहा मेरा अनुभव यही रहा है कि यहां के हालात में भारतीय स्पिनरों की गेंदबाजी और विदेशी स्पिनरों की गेंदबाजी में फर्क होता है। विदेशी स्पिनरों के लिए हालात के अनुरूप ढलने की चुनौती होती है।

दृढ़ निश्चय | स्विस वादियों में रिकवरी कर रहे हैं भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी

अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेंगे नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी

यह सत्र भले ही चुनौतीपूर्ण रहा हो, लेकिन नीरज चोपड़ा को इस पर गर्व है और अगले साल बेहतर वापसी के लिए तैयार होने भारत के यह भाला फेंक स्टार स्विट्जरलैंड लौट गए हैं। जहां उन्होंने खेल में अपने शानदार सफर के कई यादगार पल बिताये हैं।

ज्यूरिख से पीटीआई से फोन पर बातचीत में नीरज ने अगले सत्र से उम्मीदों, स्विटजरलैंड से प्यार और घूमने फिरने के शौक के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह काफी चुनौतीपूर्ण सत्र रहा। मुझे इस पर गर्व है और मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला । हर प्रतिस्पर्धा से मेरा अनुभव और आत्मविश्वास बढा है। हरियाणा के इस धुरंधर ने इस साल दोहा में 90 मीटर की बाधा पार की,

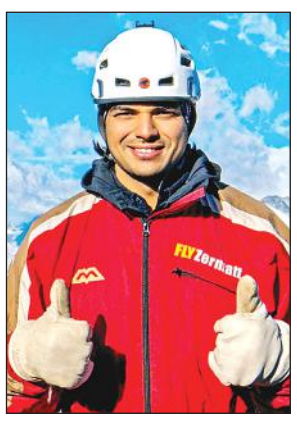

लेकिन विश्व चैंपियनशिप में पदक नहीं जीत सके।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश तो रहती ही है और वही प्रेरित भी करती है। नीरज विश्व चैंपियनशिप में 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे थे। उन्होंने कहा अब फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के साथ मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।

उन्हें जरूरी रिकवरी सत्रों के लिए स्विटजरलैंड की रास आता है। स्विस पहाड़, चारों तरफ हरियाली और इंटरलाकेन से बर्न्स और फिर लुसाने तक की ट्रेन यात्रायें उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने कहा लुसाने बहुत ही खूबसूरत है और जेरमाट के पहाड़ बहुत लुभाते हैं। स्विस पर्यटन ने 2022 में उन्हें दोस्ती दूत बनाया और जुंगफ्राउजोच के आइस पैलेस में उन्हें सम्मानित भी किया। स्विटजरलैंड के टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय यह सम्मान पा चुके हैं।

स्विट्जरलैंड से जुड़ी हैं सुखद यादें

नीरज ने कहा मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022 में) जीती, जो मेरे लिए बहुत खास है। मैंने मैग्लिंगन में प्रशिक्षण लिया है, जहां स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र है। मैंने बुडापेस्ट (2023) में विश्व चैंपियनशिप से पहले भी वहीं प्रशिक्षण लिया था, जहां मैंने स्वर्ण पदक जीता था। इसलिए मेरी कई सुखद यादें स्विट्जरलैंड से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के बाद मैंने अपने परिवार और दोस्तों के साथ यह देश देखा जो मैं कभी नहीं भूल सकता। यह वो जगह है जिसने मुझे इतनी खुशियां दी है। मैं यहां काफी लोगों को जानता हूं और अभ्यास करता हूं। मेरे विश्व एथलेटिक्स एजेंट भी स्विस हैं तो स्विटजरलैंड से गहरा नाता है।

जडेजा से प्रेरित हर्ष चाहते हैं भारत के लिए खेलना

मुंबई : रणजी ट्रॉफी में एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और रविंद्र जडेजा के प्रशंसक हर्ष दुबे भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, लेकिन विदर्भ के इस स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर को राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की कोई जल्दी नहीं है।

दुबे ने पिछले सत्र में भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में बिहार के आशुतोष अमन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और सत्र में सबसे अधिक 69 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। दुबे ने मंगलवार को सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स में मीडिया से कहा जब से मैंने क्रिकेट को समझना शुरू किया है तब से मैं रविंद्र जडेजा का अनुसरण कर रहा हूं और जब मैंने क्रिकेट को ठीक से समझना शुरू किया तो उनका प्रदर्शन अपने चरम पर पहुंच गया।

सिंगापुर से मिलेगी कड़ी चुनौती

सिंगापुर, एजेंसी

- **एशियाई कप क्वालीफायर में भारतीय फुटबॉल टीम का आज शाम 5 बजे से होगा मुकाबला**

राष्ट्रीय शिविर के पहले भाग में कई खिलाड़ियों की अनुपस्थित से तैयारी में आई बाधा के बीच भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को यहां एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग के तीसरे दौर के महत्वपूर्ण मैच में सिंगापुर से भिड़ेगी।

अगस्त-सितंबर में सीएएफए नेशंस कप के लिए आराम दिए जाने के बाद करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री की टीम में वापसी हुई है, लेकिन खालिद जमील की पूरी टीम ने इतने महत्वपूर्ण मैच के लिए मुश्किल से एक हफ्ते ही एक साथ ट्रेनिंग की है। भारत चार टीम के ग्रुप सी में सबसे निचले पायदान पर है। टीम के शुरुआती दो मैच में सिर्फ एक अंक है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला जबकि हांगकांग के खिलाफ उसे 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर अभी दो मैच में चार अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। बृहस्पतिवार को कोई भी चूक भारत की 2027 में मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने की संभावनाओं को खतरे में डाल सकती है। सिर्फ ग्रुप विजेता को ही मुख्य टूर्नामेंट में जगह मिलेगी। जमील ने 20 सितंबर से बेंगलुरु में शुरू हुए राष्ट्रीय शिविर के लिए 30 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की थी लेकिन उनमें से छेत्री सहित 14 खिलाड़ियों को क्लबों ने शिविर के लिए नहीं छोड़ा। बाद में अधिकतर खिलाड़ी सितंबर के अंत में शिविर में शामिल हुए, यानी सोमवार को रवाना होने से पहले वे मुश्किल से एक हफ्ते ही टीम के साथ रहे। पहले हाफ में सिर्फ दो डिफेंडर शिविर में शामिल थे और जमील ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और क्लबों से इस पुराने गतिरोध का हल निकालने का आग्रह किया था। सिंगापुर की 158वीं रैंकिंग के मुकाबले भारत 134वीं रैंकिंग पर है। भारत ने 12 मैच जीते हैं जबकि सिंगापुर ने 11 मैच में जीत दर्ज की है।

टीम

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरमीत सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू। डिफेंडर : अनवर अली, हर्मिंगथनमाविया राल्ते, मुहम्मद उवैस, परमवीर, राहुल भेके, संदेश झिंगन। मिडफील्डर : ब्रैंडन फर्नांडिस, दानिश फारूक भट, दीपक तंगरी, मैकर्टन लुइस निकसन, महेश सिंह नाओरेम, निखिल प्रभु, सहल अब्दुल समद, उदांता सिंह कुमाम। फारवर्ड : फारुख चौधरी, लालियानजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, रहीम अली, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।